

राजस्वी सं. डी० (डी०)-73  
Division 103  
Date of Accts 18/10/76  
Chq No.  
Prepared Checked  
Date of Transfer

REGISTERED NO. D (D)-73

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

280  
2

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 40] दिल्ली, शनिवार, 4 अक्टूबर, 1975/प्राशिन 12, 1897

No. 40] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 4, 1975/ASVINA 12, 1897

इस भाग में चिन्ह पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के क्षय में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

II--खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(एक संघातात्मक को छोड़कर) भारत सरकार के संघातात्मकों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)  
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किय गए तात्त्विक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India  
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities  
(other than the Administrations of Union Territories)

मंत्रिमण्डल संविधान  
(कार्यकारी और प्रशासनिक सुधार विभाग)  
नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1975

का० आ० 4245.—एड प्रक्रिया संस्थिता, 1973 (1971 का 2) की  
धारा 24 की उपधारा (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए  
केन्द्रीय उरकार बव्वई के एडवोकेट श्री पी० आर० नामजोधी  
को, सेप्टेम्बर-ज्ञान गोदावरी के न्यायालय में विशेष पुलिस स्थापना बव्वई के  
ऐप्पलर-केस नंबर 1/75—सरकार सनाम श्री एंड्रेला मार्टिन डिमूजा, भूदृष्ट  
हावेंर-मास्टर, मारमुआथ पोर्ट ट्रस्ट, गोदा—के प्रयोगनार्थ, एतददारा विशेष  
लोकप्रभियोजक नियुक्त करती है।

1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri P. R. Namjoshi, Advocate, Bombay, as a Special Public Prosecutor for the purposes of Regular Case No. 1/75, Special Police Establishment, Bombay, in Government Vs. Shri Angelo Martin D'Souza, Ex-Harbour Master, Marmugao Port Trust, Goa, in the Court of Special Judge, Goa.

[No. 225/42/75-AVD. II]

B. C. VANJANI, Under Secy.

भारत निवाचिन प्रायोग

आदेश

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1975

का० आ० 4246.—यह, निवाचिन प्रायोग का समाधान हो  
गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण  
निवाचिन के लिये 68-जलालाबाद निवाचिन-ओन्ह से चुनाव लड़ने वाले  
उम्मीदवार श्री शम विनाय, ग्राम भयरा धर्मपुर, डाकखाना कलान,  
जिला शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा  
सदृशीन बनाये गये नियमों द्वारा घोषित अपने निवाचिन व्ययों का कोई  
भी लेखा इकाय करते में असफल रहे हैं;

[मं० 225/42/75-एव्होडो-2]  
बी० मी० शंजानी, प्रब्र सचिव

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 18th September, 1975

S.O. 4245.—In exercise of the powers conferred by sub-  
section (6) of section 24 of the Code of Criminal Procedure,

मौर, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

प्रतः प्रब्र, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री राम बिलास को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निर्वाचित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० स०/६४/७४ (138)]

#### ELECTION COMMISSION OF INDIA

##### ORDER

New Delhi, the 1st September, 1975

**S.O. 4246.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Bilas, Village Sathra Dharampur, Post Kalan, District Shahjahanpur, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 64-Jalalabad assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Bilas to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/64/74(138)]

##### आदेश

तर्ह दिल्ली, 4 सितम्बर, 1975

**का० शा० ४२४७.**—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 26-नजीबाबाद (श्र०जा०) निर्वाचन-शेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री हर गोविन्द सिंह, श्री राम समस्पुर सादो, डाकघाटा हरयनपुर, जिला खिजनौर, उत्तर प्रदेश, स्थानक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमों द्वारा प्रेषित अपने निर्वाचन अयों की कोई भी लेखा वालिल करने में असफल रहे हैं;

मौर, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई सत्तोष जनक कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

प्रतः प्रब्र, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री हरगोविन्द सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निर्वाचित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० स०/२१/७४(142)]

##### ORDER

New Delhi, the 4th September, 1975

**S.O. 4247.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Har Govind Singh, Village Samaspur Saddoo, P.O. Harganjpur, District Bijnor, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 21-Najibabad (SC) assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any satisfactory reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Har Govind Singh to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/21/74(142)]

##### आदेश

**का० शा० ४२४८.**—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 52-बरेली सिटी निर्वाचन-शेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मुहम्मद अदिल, 291-पंजाबपुरा, बरेली, उत्तर प्रदेश, स्थानक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमों द्वारा प्रेषित अपने निर्वाचन अयों का कोई भी लेखा वालिल करने में असफल रहे हैं;

मौर, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

प्रतः प्रब्र, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री मुहम्मद अदिल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निर्वाचित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० स०/५२/७९(144)]

##### ORDER

**S.O. 4248.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mohammad Adil, 291-Punjabpura, Bareilly, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 52-Bareilly City assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mohammad Adil to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of

the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/52/74(144)]

#### आवेदन

**का०मा० 4249.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 33-मुरादाबाद निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गोपीचन्द छावड़ा, मोहल्ला सगर सराय, डाकखाना थ जिला मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व प्रतिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्यवों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

प्रौर, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अधिकार स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं हैं;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एवं उक्त श्री गोपीचन्द छावड़ा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अधिकार विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/33/74(143)]

#### ORDER

**S.O. 4249.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gopi Chand Chhawra, Village Surjawali, Post Lalner, District Bulandshahr, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 33-Moradabad assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gopi Chand Chhawra to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/33/74(143)]

#### आवेदन

**का०मा० 4250.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के निर्वाचन के लिये 380-डिवार्ड सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री लाल सिंह गोतम, निर्वाचनी सुरजाबली, पोस्ट सालमेर, जिला बुलनदशहर, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व प्रतिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित रेति से अपने निर्वाचन व्यवों का लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, श्री लाल सिंह गोतम को जारी की गई सूचना अपरिवर्त आपस प्राप्त हो गई है क्योंकि अगर्भी का ठीकाना विशित नहीं है,

प्रौर, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसारण में निर्वाचन आयोग एवं उक्त श्री लाल सिंह गोतम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अधिकार विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं०उ०प्र०-वि०स०/380/74(145)]

#### ORDER

**S.O. 4250.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Lal Singh Gautam, Village Surjawali, Post Lalner, District Bulandshahr, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 380-Debai Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the notice issued to Shri Lal Singh Gautam has been received back undelivered as the whereabouts of the candidate are not known, and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure,

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Lal Singh Gautam to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/380/74(145)]

#### आवेदन

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1975

**का०मा० 4251.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 142-ससीली निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री नन्दू, पापा थ जाकबाना बहेल, जिला बाराबंकी, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व प्रतिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्यवों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अधिकार स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एवं उक्त श्री नन्दू को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अधिकार विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं०उ०प्र०-वि०स०/142/74(145)]

#### ORDER

New Delhi, the 5th September, 1975

**S.O. 4251.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nandoo, Village and P.O. Bareil, District Bara Banki,

Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 142-Masauli assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nandoo to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/142/74(146)]

#### भावेश

**का०आ० 4252--**यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1971 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 143-नवाब गंज निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्रीमती बचाना, ग्राम व डाकखाना छेदा, जिला बारावंकी, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

यतः यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्बन्धित सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकारण नहीं है;

प्रतः यतः उक्त उम्मीदवार एवं उसे सम्बन्धित सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकारण नहीं है;

भावेश से

[सं०उ०प्र०-वि०स०/143/74(147)]

#### ORDER

**S.O. 4252--**Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bharat, Village Nandkai, P.O. Shahpur Bhagauli, District Bara Banki, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 143-Nawabganj assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bharat to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/143/74(147)]

#### भावेश

**का०आ० 4253--**यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 145-राम नगर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्रीमती बचाना, ग्राम व डाकखाना छेदा, जिला बारावंकी, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

यतः यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्बन्धित सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकारण नहीं है;

प्रतः यतः उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एवं उक्त श्रीमती बचाना को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस प्रदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निर्वाचित घोषित करता है।

[सं०उ०प्र०-वि०स०/145/74(148)]

#### ORDER

**S.O. 4253--**Whereas the Election Commission is satisfied that Shrimati Bachana, Village and P.O. Chheda, District Bara Banki, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 145-Ramnagar assembly constituency, has failed to lodge an account of her election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that she has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrimati Bachana to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

By Order,

[No. UP-LA/145/74(148)]

#### भावेश

नई विलासी, 6 सितम्बर, 1975

**का०आ० 4254--**यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के निर्वाचन के लिये 420-रुड़ी की सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जय पाल सिंह निवासी ग्राम व पोस्ट भगवानपुर, जिला सहारनपुर, उत्तर प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

यतः यतः, श्री जय पाल सिंह को जारी की गई सूचना अपरिवर्त्तन प्राप्त ही रही है क्योंकि अस्थर्वी का ठौर ठिकाना विवित नहीं है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकारण नहीं है;

प्रतः यतः उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एवं उक्त श्री जय पाल सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस प्रदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निर्वाचित घोषित करता है।

जाने और सोमे के लिये इस प्रदेश की तारीख से तीन बर्ष की कालावधि के लिये निरहुए घोषित करता है।

[मंडप्र०-विंस०/420/74(149)]

### ORDER

New Delhi, the 6th September, 1975

**S.O. 4234.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jaipal Singh, Village and Post Bhagwanpur, District Saharanpur, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 420-Roorkee Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the notice issued to Shri Jaipal Singh has been received back undelivered as the whereabouts of the candidate are not known, and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure,

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jaipal Singh to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/420/74(149)]

### आदेश

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1975

**का०आ० 4255.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 230-मोहम्मदाबाद निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री केशव राम, अम सुल्तानपुर खास, डाकबाजार कुट्टेसर, जिला गाजीपुर, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीय वनाएँ गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन घट्यों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल हैं;

प्रोत्तः यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अधिकारी, साधीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसारण में निवाचन प्रायोग एतद्वारा उक्त श्री केशव राम को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अवश्या विधान परिषद् के सदस्य न्तु जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन बर्ष तक कालावधि के लिये निरहुए घोषित करता है।

[मंडप्र०-विंस०/230/74(150)]

### आदेशसे,

ए० एन० सैन, सचिव

### ORDER

New Delhi, the 8th September, 1975

**S.O. 4255.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kesheo Ram, Village Sultanpur Khas, P.O. Kundesar, District Ghazipur, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 230-Mohammadabad assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri-Kesheo Ram to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/230/74(150)]

By Order,

A. K. SEN, Secy.

### विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(न्याय विभाग)

नोटिस

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1975

**का०आ० 4256.**—इसके द्वारा, लेख प्रमाणक नियम (नोटरीज रुल्स), 1956 के नियम 6 के अनुसार, सभी प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राधिकारी को श्री एन० सी० मेहता, एड्वोकेट, 11-ए/1, पुराना राजिनवर नगर, नई दिल्ली-60 ने उक्त नियमों के नियम 4 के प्रधीन, दिल्ली संघ नारायण सेक्टर में लेख प्रमाणक (नोटरी) का काम करने की नियुक्ति के लिये आवेदन-पत्र भेजा है।

उक्त अधिकारी की लेख प्रमाण के रूप में नियुक्ति के बारे में यहि कोई प्राप्तियाँ हो तो वे इस नोटिस के प्रकाशित होने के बोद्ध दिन के पश्चात नीचे हस्ताक्षर करने वाले को लिख कर भेज दिये जाएँ।

[स० 22/31/74-न्याय]

आर० एल० प्रवीन, सभी प्राधिकारी

### MINISTRY OF LAW, JUSTICE & CO. AFFAIRS

(Department of Justice)

### NOTICE

New Delhi, the 19th September, 1975

**S.O. 4256.**—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri J. C. Mehta, Advocate, 11-A/1, Old Rajinder Nagar, New Delhi-60 for appointment as a Notary to practise in the Union Territory of Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 22/31/74-Jus.]

R. L. PARDEEP, Competent Authority

### गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1975

**का०आ० 4257.**—मशीन एमाइड माइनिंग कॉम्पोरेशन, बुरापुर के मुख्य मुरक्का प्रधिकारी श्री एम० सेन ने 5 मई, 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय घो गिक सुरक्षा बल में परेन के कमाई-न्ट रूप में कार्य पारना छोड़ दिया।

[म० ई० 17017/5/75-प्रशासन-1(पर्व)-I]

पी० क० ज०० कार्मन, अपर अधिक

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 12th September, 1975

**S.O. 4257.**—Shri M. Sen, Chief Security Officer, Machine Allied Mining Corporation, Durgapur, ceased to function as Ex-officio Commandant, Central Industrial Security Force with effect from the Afternoon of 5th May, 1975.

[No. E-17017/5/75-Ad. I(Pers. I)]

P. K. G. KAIMAL, Under Secy.

अध्यात्म मिवारण, मद्रास के उक्त उपखण्ड के प्रयोजनों के लिये बिनिविष्ट करती है।

[सं. 1056 (फा. सं. 403/113/75-मार्ह दी सी सी]

वी. पी. मित्तल, उप-सचिव

## (Department of Revenue and Insurance)

New Delhi, the 23rd August, 1975

## INCOME-TAX

**S.O. 4259.**—In exercise of the powers conferred by sub-clause (ii) of clause (a) of sub-section (1) of Section 138 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specifies, for the purposes of the said sub-clause, Director of Vigilance and Anti-Corruption, Madras.

[No. 1056 (F. No. 403/113/75-ITCC)]

V. P. MITTAL, Dy. Secy.

वित्त मंत्रालय  
(प्रार्थिक कार्यविभाग)

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1975

## शुद्धि पत्र

**का. 4258.**—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (प्रार्थिक कार्यविभाग) की प्रधिसूचना संख्या का. 40 1727, दिनांक 18 जून, 1974 के नियम 1 के उप-नियम (1) में “संशोधन” के स्थान पर “(इसरा संशोधन)” पढ़िये।

[सं. एफ. 14(4)-एन. एस. 73]

ए. पी. श्रीनिवासन, अवृत्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 9th July, 1975

## CORRIGENDUM

**S.O. 4258.**—In the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. S.O. 1727, dated the 18th June, 1974, in sub-rule (1) of rule 1, for “Amendment”, read “(Second Amendment)”.

[No. F. 14(4)-NS/73]

A. V. SRINIVASAN, Under Secy.

## (राजस्थ अर वीभा विभाग)

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1975

## प्रायकर

**का. 4259.**—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 138 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपखण्ड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उस शुल्क से जो हिमाचल प्रदेश वित्तीय निगम, शिमला द्वारा जारी किए जाने वाले सत्ताइस लाख, पचास हजार रुपये मूल्य के डिक्षेन्द्रराव के लप्प में बन्ध-पत्रों पर उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य, है, छूट देती है।

[सं. 42/स्टाम्प/फा. सं. 471/79/75-सीमाशुल्क-7]

ही. के. आचार्य, अवृत्त सचिव

## ORDER

New Delhi, the 25th September, 1975

## STAMPS

**S.O. 4260.**—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899) the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the form of debentures of the value of twenty seven lakhs and fifty thousand rupees, to be issued by the Himachal Pradesh Financial Corporation, Simla, are chargeable under the said Act.

[No. 42/75-Stamps-F. No. 471/79/75-Cus. VII]

D. K. ACHARRYA, Under Secy.

## (बैंकिंग विभाग)

भारतीय रिजर्व बैंक

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1975

क्रा०प्रा० 4261.—भारतीय रिजर्व बैंक प्रधिनियम, 1934 के अनुसरण में सितम्बर 1975 के दिनांक 5 को समाप्त हुए सन्ताह के लिये लेखा

## इमू विभाग

देयताएँ	रुपये	रुपये	आस्तियाँ	रुपये	रुपये
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट संचलन में नोट	5,14,90,000 6298,98,69,000		सोने का सिक्का और चुलि- यन :— (क) भारत में रखा हुआ		
जारी किये गए कुल नोट	6304,13,59,000		(ब) भारत के बाहर रखा हुआ विवेशी प्रतिभूतियाँ	182,52,56,000 121,73,97,000	
			जोड़	304,26,53,000	
			रुपये का सिक्का भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियाँ	14,47,53,000	
			देशी विनियम बिल और कूसरे वाणिज्य-पत्र	5985,39,53,000	
कुल देयताएँ	6304,13,59,000		कुल आस्तियाँ		6304,13,59,000
विनांक 11 सितम्बर, 1975					के० भार० पुरी, गवर्नर

5 सितम्बर, 1975 को भारतीय रिजर्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

देयताएँ	रुपये	आस्तियाँ	रुपये
1	2	3	4
चुकता पूँजी	5,00,00,000	नोट	5,14,90,000
आरक्षित निधि	150,00,00,000	रुपये का सिक्का	2,63,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण		छोटा सिक्का	4,71,000
(वीर्धकालीन प्रवर्तन) निधि	334,00,00,000	खरीदे और भुनाये गये बिल :— (क) देशी	42,14,52,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण :		(ख) विवेशी	
(स्थिरीकरण) निधि	140,00,00,000	(ग) सरकारी खजाना बिल	1033,31,18,000
राष्ट्रीय ग्रीष्मीय ऋण :		विवेशी में रखा हुआ बकाया*	630,99,31,000
(वीर्धकालीन प्रवर्तन) निधि	390,00,00,000		
जमाराशियाँ :—		नियोग**	569,82,42,000
(क) सरकारी		ऋण और भग्निम :—	
(i) केन्द्रीय सरकार	60,22,79,000	(i) केन्द्रीय सरकार को	
(ii) राज्य सरकारें	11,88,27,000	(ii) राज्य सरकारें को	52,22,00,000
(व) बैंक :		ऋण और भग्निम :	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक	534,18,51,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बकों को X	58,33,50,000
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	16,93,00,000	(ii) राज्य सहकारी बकों को X X	301,37,96,000
(iii) और अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	1,47,25,000	(iii) कूसरों को	10,85,36,000

वेत्ताएं	रुपये	प्राप्तियां	रुपये
(iv) प्रबंध बैंक	86,31,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (वीर्धकालीन प्रबंतन) निधि से ऋण, प्रग्राम और निवेश	
		(क) ऋण और अधिक :—	
		(i) राज्य सरकारों को . . . . .	69,63,80,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को . . . . .	12,73,40,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिक्षक बैंकों को . . . . .	
		(iv) कृषि पुनर्वित्र निगम को . . . . .	87,20,00,000
(ग) अस्त्वा	1146,18,90,000	(ख) केन्द्रीय भूमिक्षक बैंकों के दिवेंचरों में निवेश राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अधिक	10,60,13,000
देश बिल	168,89,55,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अधिक राष्ट्रीय औद्योगिक कृषि (वीर्धकालीन प्रबंतन) निधि से ऋण, प्रग्राम और निवेश :	93,61,39,000
अस्त्वा देशनां	686,81,88,000	(क) विकास बैंक को ऋण और अधिक . . . . . (ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/ दिवेंचरों में निवेश	322,13,36,000
		अस्त्वा प्राप्तियां . . . . .	346,25,89,000
	3646,46,46,000		3646,46,46,000

\*नकदी, आवधिक जमा और अस्त्वकालीन प्रतिभूतियां शामिल हैं।

\*\*राष्ट्रीय कृषि ऋण (वीर्धकालीन प्रबंतन) निधि में से किये गये निवेश शामिल नहीं हैं।

†राष्ट्रीय कृषि ऋण (वीर्धकालीन प्रबंतन) निधि से प्रदत्त ऋण और प्रग्राम शामिल नहीं हैं, परन्तु राज्य सरकारों को दिये गये अस्त्वायी ओवरड्रॉफ्ट शामिल हैं।

× भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम की धारा 17(4) (ग) के अधीन अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को मीयादी विस्तों पर अधिक दिये गये 35,97,00,000 रुपये शामिल हैं।

× × राष्ट्रीय कृषि ऋण (वीर्धकालीन प्रबंतन) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से प्रदत्त ऋण और अधिक शामिल नहीं हैं।

के० आर० पुरी, गवर्नर

दिनांक : 11 सितम्बर, 1975

[स० क० 10 (i)/75-वी०ओ० ')]

ब० व० मीरबद्दाती, गवर सचिव

**DEPARTMENT OF BANKING  
RESERVE BANK OF INDIA**

New Delhi, the 15th September, 1975

S.O. 4261.—An Account pursuant to the Reserve Bank of India Act, 1934, for the week ended the 5th day of September, 1975.

**ISSUE DEPARTMENT**

Liabilities	Rs.	Rs.	Assets	Rs.	Rs.
Notes held in the Banking Department	5,14,90,000		Gold Coin and Bullion :—		
Notes in circulation	6298,98,69,000		(a) Held in India	182,52,56,000	
Total notes issued	6304,13,59,000		(b) Held outside India	..	
			Foreign Securities	121,73,97,000	
			Total	304,26,53,000	
			Rupee Coin	14,47,53,000	
			Government of India	5985,39,53,000	
			Rupee Securities		
			Internal Bills of Exchange and other commercial paper.	..	
Total Liabilities	6304,13,59,000		Total Assets		6304,13,59,000

Dated the 11th September, 1975

K. R. RPI, Governor.

## Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 5th September, 1975.

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
1	2	3	4
Capital Paid Up	5,00,00,000	Notes Rupee Coin	5,14,90,000 2,63,000
Reserve Fund	150,00,00,000	Small Coin	4,71,000
		Bills Purchased and Discounted :—	
National Agricultural Credit		(a) Internal	42,14,52,000
(Long Term Operations) Fund	334,00,00,000	(b) External (c) Government Treasury Bills	1033,31,18,000
National Agricultural Credit		Balances Held Abroad*	630,99,31,000
(Stabilisation) Fund	140,00,00,000	Investments**	569,82,42,000
		Loans and Advances to :—	
National Industrial Credit		(i) Central Government	..
(Long Term Operations) Fund	390,00,00,000	(ii) State Governments@	52,22,00,000
Deposits :—		Loans and Advances to :—	
(a) Government		(i) Scheduled Commercial Banks†	58,33,50,000
(i) Central Government	60,22,79,000	(ii) State Co-operative Banks††	301,37,96,000
(ii) State Governments	11,88,27,000	(iii) Others	10,85,36,000
(b) Banks		Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund.	
(i) Scheduled Commercial Banks	534,18,51,000	(a) Loans and Advance to :—	
(ii) Scheduled State Co-operative Banks	16,93,00,000	(i) State Governments	69,63,80,000
(iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,47,25,000	(ii) State Co-operative Banks	12,73,40,000
(iv) Other Banks	86,31,000	(iii) Central Land Mortgage Banks	..
(c) Others	1146,18,90,000	(iv) Agricultural Refinance Corporation	87,20,00,000
Bills Payable	168,89,55,000	(b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	10,60,13,000
Other Liabilities	686,81,88,000	Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
		Loans and Advances to State Co-operative Banks	93,61,39,000
		Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.	
		(a) Loans and Advances to the Development Bank	322,13,36,000
		(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	..
		Other Assets	346,25,89,000
Rupees	3646,46,46,000	Rupees	3646,46,46,000

\*Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities.

\*\*Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.

@Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including temporary overdrafts to State Governments.

†Includes Rs. 35,97,00,000 advanced to scheduled commercial banks against usance bills under Section 17(4)c of the Reserve Bank of India Act.

††Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

Dated the 11th day of September, 1975.

R. K. Puri, Governor,  
[No. 10(1)/75-BOI]  
C.N. Mirchandani, Under Secy

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1975

**का०आ० 4262.**—बैंककारी विनियम अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय भरकार, भारतीय रिजर्व बँक की सिफारिश पर, एंटद्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10B की उपाधारा (1) और (2) के उपरान्ध नारंग बैंक आफ इचिया लिमिटेड, नई दिल्ली पर 31 दिसम्बर, 1975 अथवा उक्त बैंक के पूर्णांकित अध्यक्ष की नियुक्ति में जो भी पहले हो उस तारीख तक लागू नहीं होगी।

[सं० 15(11)-बौ०ओ०III/75]

मे०भा० उगगांवकर, आवार मंत्रिव

New Delhi, the 10th September, 1975

**S.O. 4262.**—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-sections (1) and (2) of section 10B of the said Act, shall not apply to the Narang Bank of India Ltd., New Delhi, till the 31st December, 1975 or till the next appointment of a whole-time Chairman of that bank, whichever is earlier.

[No. 15(11)-B.O. III/75]

M. B. USGAONKAR, Under Secy.

(केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

नई दिल्ली, 16 जून, 1975

आय-कर

**का० आ० 4263.**—प्राय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपाधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और उसे इस नियमित समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों ना प्रयोग करते हुए और अपने पूर्वतर प्राय-कर भाग संख्या 102 (का० संख्या 261/14/72-आई०टी०ज०) द्वारा 2 जून, 1972 का श्रांशिक रूप से उपलब्धरण करते हुए केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निदेश करता है कि उक्त प्रधिसूचना से उपाखण्ड अनुसूची में धनबाद रेज के अधीन उपके स्तरम् 3 में आय-कर अधिकारी योजना, धनबाद मद (5) के लागू में जोड़ा जाएगा और भागल-पुर रेज के अधीन कम संख्या 5 में मद (iii), आय-कर अधिकारी सर्वेक्षण, संयोग, का लोप किया जाएगा।

यह प्रधिसूचना 16-6-1975 से प्रभावी होगी।

[सं० 936 ए०—का० संख्या 261/14/75-आई०टी०ज०]

(Central Board of Direct Taxes)

New Delhi, the 16th June, 1975

## INCOME-TAX

**S.O. 4263.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in this behalf and in partial modification of its earlier order No. 102 (F. No. 261/14/72-ITJ) dated the 2nd June, 1972 the Central Board of Direct Taxes hereby directs that in the schedule annexed thereto in sl. 7 under Dhanbad Range, I.T.O. Survey, Dhanbad shall be added as item (V) in column 3 thereof and that item (iii) in sl. 5 under Bhngalpur Range, I.T.O. Survey, Monghyr shall be deleted.

This notification shall have effect from 16-6-75.

[No. 936A—F. No. 261/14/75-ITJ]

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1975

**का०आ० 4264.**—आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस नियमित उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस संबंध में सभी पूर्वतर प्रधिसूचनाओं को अधिकांत करते हुए, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निदेश देता है कि नीचे दी अनुसूची के स्तरम् (1) में विनियिष्ट रेजों के सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), उसके स्तरम् (2) में तत्स्थानी प्रविधि में विनियिष्ट आय कर सर्किल, बाड़ी और जिलों में आय-कर या प्रधिकर से निर्धारित भभी शक्तियों और आयों के बारे में आपने हुयों का पालन करें।

अनुसूची

क्रम संख्या	रेज ,	आय-कर सर्किल, बाड़ी और जिले
1	2	3
1	सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), कै-रेज, जयपुर	1. आ० और ग० वाई०, जयपुर। 2. शंखण वाई०, जयपुर। 3. वैनन सकिल, जयपुर। 4. मध्यवा०-शुल्क-एवं-आय-कर सर्किल जयपुर। 5. (i) आवार (ii) शार्दूल मावोपुर के सभी वाई०/सकिल।
2	मावार आय-कर आयुक्त (अपील), कै-रेज, जयपुर	1. कै-रेज सकिल, जयपुर। 2. विशेष वाई०, जयपुर। 3. कम्पनी सकिल, जयपुर।
3	सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), छ-रेज, जयपुर	1. उपर्युक्त सहायक आय-कर आयु- क्त (अपील), फ-रेज, जयपुर और सहा- यक आय-कर आयुक्त (अपील) कै-रेज, जयपुर के सामने विनियिष्ट से चिन्ह जयपुर के सभी वाई०/सकिल। 2. भीलवाड़ा के सभी वाई०/सकिल।
4	सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), बीकानेर रेज, बीका- नेर	1. (क) श्रीकान्तेर (ख) श्रीगंगानगर (ग) नामौर (घ) चु० (इ) हनुमानगढ़ (झ) झंगुनू (झ) सीकर
5	सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), जोधपुर रेज, जोध- पुर।	1. (क) जोधपुर (ख) बाड़मेर के सभी वाई०/सकिल।
6	सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), प्रजमेर रेज, प्रजमेर।	1. (क) प्रजमेर (ख) ब्यावर (ग) पाली (घ) सिंहासी (झ) जालोर के सभी वाई०/सकिल।

1	2	3
7. महायक आय-कर आयुक्त (अपील), उदयपुर रेज, उदय- पुर।	1. (क) उदयपुर (ख) चिंतौङगढ़ के सभी वार्ड/संकिल।	
8. महायक आय-कर आयुक्त (अपील). कोटा रेज, कोटा।	1. (क) कोटा (ख) भरतपुर (ग) दूर्गा (घ) सारवाड़ के सभी वार्ड/संकिल।	

जहाँ इम अधिसूचना द्वारा कोई आय-कर संकिल/वार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेज से दूसरे रेज को अन्तरित हो गया हो वहाँ उस आय कर संकिल/वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में किए गए निर्धारणों के परिणामस्वरूप की गई अपीलें, जो इम अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेज के, जिससे वह आय-कर संकिल/वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) के समकथ लम्बित थीं, इस अधिसूचना, के प्रभावी होने की तारीख से उस रेज के, जिसके उन संकिल वर्ड या जिले, या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) को अन्तरित कर दी जाएगी, जो उनके संबंध में रायधारी करेगा।

यह अधिसूचना 14 जुलाई, 1975 से प्रभावी होगी।

[सं. 958—फा. सं. 261/3/75-आई० टी० जे०]

पी० मिश्र, अवर सचिव

New Delhi, the 8th July, 1975

#### INCOME-TAX

S.O. 4264.—In exercise of the powers conferred by sub section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (48 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in supersession of all the previous Notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that Appellate Assistant Commissioner of Income tax of the Ranges, specified in column 1 of the Schedule below, shall perform their functions in respect of all persons and income assessed to income tax or Supertax in the Income-tax Circles/Wards and districts specified in the corresponding entry in column 2 thereof;

#### SCHEDULE

S. No.	Range	Income-tax Circles/Wards & Districts
1	2	3
1.	Appellate Asslt. Com- missioner of Income-tax, A- Range, Jaipur.	1. B and C Wards, Jaipur. 2. Collection Wards, Jaipur. 3. Salary Circles, Jaipur. 4. Estate Duty—Curn I.T. Circle, Jaipur. 5. All Wards/Circles at (i) Alwar. (ii) Sawaimadhopur.
2.	Appellate Assistant Com- missioner of Income-tax Central Range, Jaipur.	1. Central Circles, Jaipur. 2. Special Wards, Jaipur. 3. Company Circle, Jaipur.
3.	Appellate Assistant Com- missioner of Income-tax B-Range, Jaipur.	1. All Wards/Circles at Jaipur other than those specified against AAC, A-Range, Jaipur and AAC, Central Range, Jaipur. 2. Above. 2. All Wards /Circles at Bhil- wara.

1	2	3
4. Appellate Assistant Com- missioner of Income-tax, Bikaner Range, Bikaner.	1. All Wards/Circles at : (a) Bikaner. (b) Sriganganagar. (c) Nagaur. (d) Churu. (e) Hanumangarh. (f) Jhunjhunu. (g) Sikar.	
5. Appellate Assistant Com- missioner of Income-tax, Jodhpur Range, Jodhpur.	1. All Wards/Circles at : (a) Jodhpur. (b) Barmer.	
6. Appellate Assistant Com- missioner of Income-tax, Ajmer Range, Ajmer.	1. All Wards/Circles at : (a) Ajmer. (b) Beawar. (c) Pali. (d) Sirohi. (e) Jalore.	
7. Appellate Assistant Com- missioner of Income-tax, Udaipur Range, Udaipur.	1. All Wards/Circles at : (a) Udaipur. (b) Chittargarh.	
8. Appellate Assistant Com- missioner of Income-tax, Kota Range, Kota.	1. All Wards/Circles at : (b) Bharatpur. (c) Bundi. (d) Jhalwar.	

Where an Income-tax Circles/Wards or District or part thereof stands transferred by his Notification from one Range to another Range, appeal arising out of assessments made in that Income-tax Circle/Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of Income tax of the Range from whom that Income-tax Circle/Ward or District or part thereof is transferred shall from the date this Notification takes effect be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Range to whom the said Circles/Ward or District or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 14th July, 1975.

#### EXPLANATOR NOTE 1

The amendment has become necessary on account of creation of I.T. Wards/Circles at Budi & Jhalawar, within the Commissioner's charge.

(The above note does not form part of the Notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 958—F.No. 261/3/75-ITJ]

P. MISHRA, Under Secy.

नई विल्सी, 16 जून, 1975

आय-कर

का० आ० 4265.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रबल जकियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी गवितयों का प्रयोग करते हुए और अपनी अधिसूचना संख्या 754 (फा० संख्या 261/12/74-आई० टी० जे०) तारीख 31-10-1974 का आंशिक रूप से उपालतरण करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड नियोग देता है कि उक्त अधिसूचना

को अनुसूची में क्रम संख्या 7, 8 और 9 पर प्रभिष्ठियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रधिष्ठियों द्वारा जाएँगी :—

### अनुसूची

क्रम सं०	रेज	प्राय-कर संकिल, वार्ड और जिले
1	2	3
7. रेज-I, मेरठ		(i) क और ख वार्ड, मेरठ। (ii) मुजफ्फरनगर नगर संकिल। (iii) क-वार्ड, संकिल-I, मेरठ। (iv) ख-वार्ड, संकिल-II, मेरठ। (v) संकिल-I (I), मेरठ। (vi) संकिल-II (I), मेरठ।
8. रेज-II, मेरठ		(i) क, ख और उ० वार्ड, मेरठ को छोड़कर मेरठ संकिल। (ii) क और ख वार्ड, मेरठ और संकिल I(i) और I(3), मेरठ को छोड़कर संकिल-I, मेरठ। (iii) ख-वार्ड, संकिल-II, मेरठ और संकिल-II(I), मेरठ को छोड़कर संकिल-II, मेरठ।
9. रेज-III, मेरठ		(i) श्रिंगेर सर्वेश्वर संकिल, मेरठ और विशेष वार्ड, संकिल-II, मेरठ। (ii) परियोजना संकिल, मेरठ। (iii) उ०-वार्ड, मेरठ। (iv) वेनत संकिल, मेरठ। (v) हापुर-संकिल। (vi) गाजियाबाद संकिल। (vii) उ०-वार्ड, संकिल-I, मेरठ। (viii) संकिल-I (3), मेरठ।

जहाँ इस अधिसूचना द्वारा कोई प्रायकर संकिल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेज से दूसरी रेज को प्रतियां हो गया हो वहाँ उस प्रायकर संकिल, वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में किए गए निधारणों के परिणामस्वरूप की गई अपीलें, जो इस अधिसूचना की तारीख से शीक पहले उस रेज के, जिससे वह प्रायकर संकिल वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक प्रायकर प्रायकर आपुक्त (प्रपील) के समक्ष लम्भित थीं, इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेज के, जिसकी उम्मत संकिल वार्ड या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक प्रायकर प्रायकर आपुक्त, (प्रपील को अन्तरित कर दी जाएंगी जो उनके संबंध में कार्यवाही करेगा।

यह अधिसूचना 16-6-1975 से प्रभावी होगी।

[संख्या 936-क० सं० 261/1/75-प्राइवेट०ज०]

New Delhi, 16th June, 1975

### INCOME-TAX

S.O. 4265 :—In exercise of the powers conferred by sub section (1) of Section 122 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in partial modification of notification No. 754 (F. No. 261/12/74-ITJ) dated 31-10-1974, the Central Board of Direct Taxes hereby

direct that the entries at Sl. Nos. 7, 8 and 9 in the Schedule to the said Notification shall be substituted by the following entries :—

### SCHEDULE

S. No.	Range	Income-tax Circles, Wards and Districts
1	2	3
7. Range-I, Meerut		(i) A & B Wards, Meerut. (ii) Muzaffarnagar Circle. (iii) A-Ward, Circle-I, Meerut. (iv) B-Ward, Circle-II, Meerut. (v) Circle-I(I), Meerut. (vi) Circle-II(I), Meerut.
8. Range-II, Meerut		(i) Meerut Circle excluding A, B & E-Wards, Meerut. (ii) Circle-I, Meerut excluding A & B-Wards, Meerut and Circle-I(I) & I(3), Meerut. (iii) Circle-II, Meerut excluding B-Ward, Circle-II, Meerut and Circle-II(I), Meerut.
9. Range-III, Meerut		(i) Special Survey Circle, Meerut and Special Ward, Circle-I, Meerut. (ii) Project Circle, Meerut. (iii) E-Ward, Meerut. (iv) Salary Circle, Meerut. (v) Hapur Circle. (vi) Ghaziabad Circle. (vii) E-Ward, Circle-I, Meerut. (viii) Circle-I(3), Meerut.

Where an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeals arising out of assessment made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax the range from whom that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner or Income-tax of the Range to whom that said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

The Notification shall take effect from 16-6-75.

### EXPLANATORY NOTE

The amendment has become necessary consequent on redesignation of various sub-charges in Circle I & II Meerut.

[No. 936-F. No. 261/1/75 ITJ]

तई दिल्ली, 30 जून, 1975

### प्राय-कर

का० आ० 4266 :—प्राय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों द्वारा उसे हस निमित्त समर्थ बनाने वाली अत्य सभी शक्तियों का प्रयोग

करने हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड अपनी अधिसूचना सं० 748 (फा० संख्या 261/7/74-आई० टी० ज०), तारीख (10 अक्टूबर, 1974 से उपायकर अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करता है:

1. सहायक आयुक्त (अपील), विशेष रेज़, जबलपुर, के सामने, क्रम संख्या 5 में, स्तरम् 3 के अधीन आने वाले "7-आयकर अधिकारी, क-वार्ड, सागर," ब्रैक और पदों को हटा दिया जाएगा और उसके पश्चात् क्रमानुसार आने वाले विधमान "(8), (9), (10) और (11)," ब्रैक और कोष्ठकों का क्रमानुसार आने वाले विधमान "(7), (8), (9), और (10)" के रूप में पुनर्संरचित किया जाएगा।

2. सहायक आयुक्त-कर आयुक्त (अपील), जबलपुर रेज़, जबलपुर (क्रम संख्या 6) के सामने स्तरम् संख्या 3 के अन्तर्गत निम्नलिखित जोड़ा जाएगा:

"(25) आयकर अधिकारी, क-वार्ड, सागर"

3. (अम संख्या 4) के सामने, स्तरम् संख्या 3 के अन्तर्गत निम्नलिखित जोड़ा जाएगा:

"आयकर अधिकारी, बेतन सकिल, भोपाल"

जहां इस अधिसूचना द्वारा कोई आयकर सकिल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेज़ से दूसरी रेज़ को अन्तरित हो गया हो वहां उस आयकर सकिल, वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में किए गए निर्धारणों के परिणामस्वरूप की गई अपीलें, जो इस अधिसूचना की तारीख से टीक घूमे उस रेज़ के, जिससे वह आयकर सकिल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयकर आयुक्त (अपील) के समक्ष लम्बित थीं, इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेज़ के, जिसको उक्त सकिल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयकर आयुक्त (अपील) को अन्तरित कर दी जाएगी जो उनके संबंध में कार्य वाही करेगा।

यह अधिसूचना 1-7-1975 से प्रभावी होगी।

[सं० 946-फा० संख्या 26/11/75-आई०टी०ज०]

New Delhi, the 30th June, 1975

#### INCOME-TAX

**S.O. 4266.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income tax Act, 1961(43 of 1961) and all other powers enabling it in this behalf, the Central Board of Direct Taxes hereby make the following further amendments in the Schedule appended to its Notification No. 748 (F. No. 261/7/74-ITJ) dated the 10th October, 1974, as amended from time to time:

1. The figure, bracket, letters and words "7-ITO, A-Ward, Sagar" appearing against the A.A.C., Special Range, Jabalpur, at S. No. 5, under Col. No. 3, shall be deleted and the existing figures and brackets "(8), (9), (10) and (11)" appearing serially thereafter shall be re-numbered as "(7), (8), (9) and (10)" respectively and serially.
2. Against A.A.C., Jabalpur Range, Jabalpur (S. No. 6) there shall be added the following under Col. No. 3:  
"(25) ITO A-Ward, Sagar".
3. Against (S. No. 4) there shall be added the following under Col. No. 3:  
"I.T.O. Salary Circle, Bhopal".

2. Where an I.T. Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range appeals arising out of assessments made in that I.T. Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the

A.A.C. of the Range from whom that I.T. Circle Ward or District or Part thereof is transferred shall from the date this Notification takes effect be transferred to and dealt with by the A.A.C. of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 1-7-75.

#### EXPLANATORY NOTE

The amendment has been made with a view to ensure equitable distribution of work load between the A.A.C.s Special Range & Jabalpur Range, Jabalpur because of the creation one new office at Bhopal viz. the I.T.O., Salary Circle, Bhopal with effect from 1-7-75.

(This does not form part of the Notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 946-F. No. 261/11/75-ITJ]

नई दिल्ली, 7, जून 1975

आयकर

का० आ० 4267.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और उसे इस निम्नित समर्थ बनाने वाली अत्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्षकर बोर्ड समय-समय पर अथात् विधित अपनी अधिसूचना सं० 728 (फा० संख्या 261/5-74 आई० टी० ज०), तारीख 30 सितम्बर, 1974 से उपायकर अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात्:—

उक्त अनुसूची में विशेष रेज़-II, III, IV और छ-रेज़, छ-रेज़, ट-रेज़ और ट-रेज़, नई दिल्ली के सामने स्तरम् 3 में की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

क्रम संख्या	रेज़	आयकर सकिल/वार्ड/जिले
1	2	3
1.	विशेष रेज़-II	(i) कम्पनी सकिल I, IV, VI, IX, XXI और XXII, नई दिल्ली। (ii) छ-II, जिला, नई दिल्ली। (iii) बकील सकिल, नई दिल्ली।
2.	विशेष रेज़-III	(i) कम्पनी सकिल III, X, XV, नई दिल्ली। (ii) विशेष सकिल IV और IV (प्रतिरिक्त), नई दिल्ली। (iii) बार्ड एकाउन्टेन्ट सकिल, नई दिल्ली।
3.	विशेष रेज़-IV	(i) कम्पनी सकिल V, VII, नई दिल्ली। (ii) विशेष सकिल 1, 1 (प्रतिरिक्त) और VII, नई दिल्ली।
4.	'छ' रेज़, नई दिल्ली	(i) जिला III (19), (20), (21), (22), और (23), नई दिल्ली। (ii) जिला VII (1), (2), (3) और (4) नई दिल्ली।

1	2	3	1	2	3
		(iii) विशेष संकिल VIII और VIII (प्रतिरिक्त) नई दिल्ली।			(3) और छ, नई दिल्ली।
		(iv) विशेष प्रमुखाग, नई दिल्ली			(iv) आयकर एवं धन-कर संकिल IX और X नई दिल्ली।
		(v) प्रतिवाप संकिल, नई दिल्ली			(v) ठेकेदार संकिल, नई दिल्ली।
		(vi) डॉक्टर संकिल, नई दिल्ली			
		(vii) जिला VII बाईं क, क(1) और ख, नई दिल्ली	4. 'ठ' रेंज, नई दिल्ली।		(i) जिला III (25), 25 (प्रतिरिक्त), (27), (28), (29), (30), (31), (32), (32) (प्रतिरिक्त), (33), (34) और (35) नई दिल्ली।
		(viii) जिला III बाईं क, क (प्रतिरिक्त), 1 'प' और 'ख' (प्रतिरिक्त) नई दिल्ली।			(ii) सर्वेक्षण संकिल, नई दिल्ली।
		(ix) जिला ख-I, ख-II(1), ग-I(1) ग-II, और ग-III, नई दिल्ली।			(iii) परिवहन संकिल, नई दिल्ली।
5.	'छ' रेंज, नई दिल्ली	(i) कलानी संकिल XI, XVII और XVIII, नई दिल्ली।			(iv) जिला III बाईं ज, झ, झ(1), झ(1), झ(1), और ट (1), नई दिल्ली।
		(ii) विशेष संकिल, II, II (प्रतिरिक्त) और IX नई दिल्ली।			(v) विशेष सहायक संकिल I, II, III, VI, VII, VIII और X नई दिल्ली।
		(iii) व्यास संकिल, नई दिल्ली।			(vi) विशेष सर्वेक्षण संकिल II, III, IV और IX, नई दिल्ली।
6.	'ज', रेंज, नई दिल्ली	(i) जिला VI(1), (2), (3), (4), (5), (6), (7), (8), (9), (10), (10) (प्रतिरिक्त), (11), (12), (13), (14) और (15) नई दिल्ली।			(vii) आय-कर एवं धन-कर संकिल II, नई दिल्ली।
		(ii) आय-कर-एवं-सम्पदा शुल्क संकिल, नई दिल्ली			(viii) ख-6, ख-7, ख-8 (प्रतिरिक्त) ख-9 और ख-9 (प्रतिरिक्त), नई दिल्ली।
		(iii) प्रतिरिक्त सम्पदा-शुल्क-एवं-आय-कर संकिल, नई दिल्ली			
		(iv) जिला VI, बाईं क, क (प्रतिरिक्त), क(I), क(II), ख(प्रतिरिक्त) ग, ग (प्रतिरिक्त), ग(I), ग(I) (प्रतिरिक्त), घ और झ, नई दिल्ली।			
7.	'ट' रेंज, नई दिल्ली	(i) जिला V (7), (8), (9), (10), (11), (11) (प्रतिरिक्त) (12), (12) (प्रतिरिक्त) (13), (13) (प्रतिरिक्त), (14), (15), 15 (प्रतिरिक्त), (16), (16) (प्रतिरिक्त), (17), (17) (प्रतिरिक्त) (18), (19) और (20), नई दिल्ली।			
		(ii) ख-XII और ख-XV जिले, नई दिल्ली।			
		(iii) जिला V बाईं क, क (प्रतिरिक्त), क(1), ख, ख (प्रतिरिक्त), ख(1) ग, ग(1), (घ), झ, झ, घ (1) च (1) (प्रतिरिक्त),			

जहाँ इस अधिसूचना द्वारा कोई आय-कर संकिल/बाईं या जिला या उसका कोई भाग एक रेंज से दूसरी रेंज को अन्तरित हो गया हो वहाँ उस आय-कर संकिल/बाईं या जिले या उसके किसी भाग में किए गए निर्धारणों के परिणामवरूप को गई भागों, जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेंज के, जिससे अह आय-कर संकिल/बाईं या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आय-कर आयुक्त (प्रपील) के समक्ष लम्बित हो; इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेंज के, जिसकी उक्त संकिल, बाईं या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आय-कर आयुक्त (प्रपील) को अन्तरित कर दी जाएगी, जो उनके संबंध में कार्यवाही करेगा।

यह अधिसूचना 7-7-1975 से प्रभावी होगी।

[सं. 956-फं सं. 261/4/75-आई० टी० ज०]

के० भार० राष्ट्रमन, सचिव

New Delhi, the 7th July, 1975

#### INCOME TAX

S.O.4267.—In exercise of the powers conferred by sub section (1) of Section 122 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments in the schedule appended to its notification No. 728 (F. No. 261/5/74-ITJ) dated the 30th September, 1974 as amended from time to time.

In the said schedule the entries in column 3 against Spl. Range II, III, IV & B-Range, G-Range, H-Range, K-Range and L-Range, New Delhi shall be substituted by the following :—

S. No.	Ranges	Income-tax Circles/Wards/ Districts	1	2	3
1	2	3			
1. Spl. Range-II.		(i) Companies Circles I, IV, VI, IX, XXI, & XXII, New Delhi. (ii) D-II, Distt., New Delhi. (iii) Lawyer's Circle, New Delhi.			(ii) B-XII & B-XV Distts. New Delhi. (iii) Distt. V, Wards A, A(Addl.), A(I), B, B(Addl.), B(I), C, C(I), D.E.F, F(I), F(I)(Addl.), F(III) & G, New Delhi. (iv) Income-tax-cum-Wealth tax Circles IX & X New Delhi. (v) Contractor's Circle, New Delhi.
2. Spl. Range-III		(i) Companies Circles III, X, XV, New Delhi. (ii) Spl. Circles IV & IV (Addl.) New Delhi. (iii) Chartered Accountant's Circles, New Delhi.			8. 'L' Range, New Delhi. (i) Distt. III(25), (25)(Addl.), (27), (28), (29), (30), (31), (32), (32) (Addl.), (33), (34) & (35), New Delhi. (ii) Survey Circle, New Delhi. (iii) Transport Circle, New Delhi. (iv) Distt. III, Wards, H, I, J, K, L, A(I), C(I), E(I), G(I), I(I), & K(I), New Delhi. (v) Special Asstt. Circles I, II, III, VI, VII, VIII & X, New Delhi. (vi) Special Survey Circles II, III, IV & IX, New Delhi. (vii) Income-tax-cum-Wealth tax Circle, II, New Delhi. (viii) B-VI, B-VII, B-VII(Addl.) B-IX & B-IX(Addl.) New Delhi.
3. Spl. Range-IV		(i) Companies Circles V & VIII, New Delhi. (ii) Special Circles I, I(Addl.) & VII, New Delhi.			
4. 'B' Range, New Delhi		(i) Distt. III(19), (20), (21), (22) & (23) New Delhi. (ii) Distt. VII(I), (2), (3) & (4) New Delhi. (iii) Special Circles VII & VIII(Addl.) New Delhi. (iv) Foreign Section, New Delhi. (v) Refund Circle, New Delhi. (vi) Doctor's Circle, New Delhi. (vii) Distt. VII Wards A, A(I) & B, New Delhi. (viii) Distt. III, Wards A, A(Addl.), A(Addl. I) 'O' & 'O' (Addl.) New Delhi. (ix) Distt. B-I, B-(I), C-I, C-(I), C-II & C-III. New Delhi.			Where an Income-tax Circle Ward or District or part thereof stands transferred by this notification from one Range to another Range appeals arising out of the assessments made in that Income-tax Circle Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this notification before the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Ranges from whom that Income-tax Circle Ward or District or part thereof is transferred shall from the date this notification takes effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.
5. 'G' Range, New Delhi		(i) Companies Circles XI, XVII & XVIII, New Delhi. (ii) Special Circles, II, II (Addl.) & IX New Delhi. (iii) Trust Circle, New Delhi.			This notification shall take effect from 7-7-75.
6. 'H' Range, New Delhi		(i) Distt. VI(I), (2), (3) (4), (5), (6), (7), (8), (9), (10), (10)(Addl.), (11), (12), (13), (14), & (15) New Delhi. (ii) Income-tax-cum-Estate Duty Circle, New Delhi. (iii) Addl. Estate Duty-Cum-Income-tax Circle New Delhi. (iv) Distt. VI, Wards A, A(Addl.), A(I), A(II), B(Addl.), C, C(Addl.), C(I), C(I)(Addl.), D&E, New Delhi.			EXPLANATORY NOTE
7. 'K' Range, New Delhi.		(i) Distt. V(7), (8), (9), (10), (11), (11)(Addl.), (12), (12)(Addl.), (13), (13)(Addl.), (14), (15), (15)(Addl.), (16), (16) (Addl.), (17), (17) (Addl.), (18), (19), & (20), New Delhi.			The amendment has become necessary consequent upon the creation of five new circles i.e. Chartered Accountant's Circle Lawyer's Circle, Transport Circle, Contractor's Circle and Doctor's Circle and also because of light work left with A.A.C. G-Range.

(The above note does not form a part of notification but is intended to be merely clarificatory).

[956/F No. 261/4/75-ITJ]

K.R. RAGHAVAN, Secy.

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1975

आयकर

का० का० 4268.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का० 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और उस निमित्त इसे समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों की प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोड अपनी अधिसूचना सं० 746 (का० सं० 261/19/74-प्राइंट टी० ज०) तारीख 10-10-1974, सं० 781 का० सं० 261/19/

74-प्राई टी जे) तारीख 25-11-1974 सं० 813 (फा० सं० 261/19/74-प्राई टी जे) तारीख 9-1-1975 से उत्तराखण्ड अनुसूची और तारीख 20-2-1975 के मुद्रित-पत्र में निम्नलिखित संशोधन करता है।

उक्त अनुसूची में निम्नलिखित परिवर्तन किया जाएगा।

क्रम सं० रेंज

जोड़ा गया आय-कर सकिल/वार्ड

6. ए०ए०सी० रेंज-6, अहमदाबाद एस प्राई सी 1 से 9, अहमदाबाद के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा।

(i) (क) कम्पनी सकिल 1 से 8, अहमदाबाद।

(ब) एस० प्राई सी० 1, 2, 8 और 9, अहमदाबाद।

यह प्रधिसूचना 21-7-1975 से प्रभावी होगी।

[सं० 976/फा० सं० 261/15/75-प्राई टी० जे०]

New Delhi, the 19th July, 1975

#### INCOME-TAX

S.O. 4268.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 122 of the Income-tax Act, 1961 and of all other powers enabling it in that behalf the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments in the schedule appended to its Notification No. 746 (F. No. 261/19/74-ITJ) dated 10-10-1974 No. 781 (F. No. 261/19/74-ITJ) dated 25-11-1974 No. 813 (F. No. 261/19/74-ITJ) Dated 9-1-1975 and corrigendum dated 20-2-1975.

In this said schedule the following alteration shall be made.

Sl. No.	Range	Income-tax Circle/Ward added
1	2	3
6. A.A.C. Range-VI, Ahmedabad.	The following shall be substituted in place of SIC. I to IX, Ahmedabad.	
	(i)(a) Companies Circle-I to VIII, Ahmedabad.	
	(b) SIC. I, II, VIII & IX, Ahmedabad.	

This notification shall take effect from 21-7-1975.

#### EXPLANATORY NOTE

The amendment has become necessary consequent upon the nomenclature of some of the circles and jurisdictions over some circles has been changed with effect from 2-6-1975.

(The above note does not form a part of notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 976/F No. 261/15/75-ITJ]

फा० प्रा० 4269.—आय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और उस निमित्त इसे समर्थनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा

बोर्ड की प्रधिसूचना सं० 790 (फा० सं० 261/3/74-प्राई टी० जे०) तारीख 13 दिसम्बर, 1974 का आंशिक उपालंतरण करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड नियोग देता है तिनीवें की सारणी के स्तरम् (2) में विनियोग रेंज के सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), उसके स्तरम् (3) में की तर्थंशंघी प्रतिविधियों में विनियोग आय-कर सकिलों, वार्डों और जिलों में आय-कर या अधिकर के तिए नियोगित सभी व्यक्तियों और आयों की बाबत अपने छल्यों का पात्रत करेंगे:—

अनुसूची		
क्रम सं०	रेंज	आय-कर वार्ड/सकिल और जिला
8. ज-रेंज, मुम्बई	1. ए-1 वार्ड	
	2. ए-वी वार्ड और	
	3. टी० पी० सकिल	

जहाँ इस प्रधिसूचना द्वारा कोई आय-कर सकिल वार्ड या जिला या उसका भाग एक रेंज से दूसरे रेंज को प्रभावित हो जाता है, वहाँ उस आय-कर सकिल वार्ड या जिला या उसके भाग में किए गए नियोगितों से उत्पन्न होने वाली और इस प्रधिसूचना की तारीख के ठीक पूर्व उस रेंज के, जिससे वह आय-कर सकिल, वार्ड, या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आयुक्त (अपील) के समक्ष लंबित अपीलें, उस तारीख से जिस तारीख को यह प्रधिसूचना प्रभावी होगी, उस रेंज के जिसे उक्त सकिल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आयुक्त (अपील) को अन्तरित कर दी जाएगी और उसके द्वारा उन पर कार्यवाही की जाएगी।

यह प्रधिसूचना 19-7-1975 से प्रभावी होगी।

[सं० 977/फा० सं० 261/9/75-प्राई टी० जे०]

एस० रामा स्वामी, प्रब्रह्म सवित्र

S. O. 4269.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act 1961, (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in partial modification of the Board's Notification No. 790 (F. No. 261/3/74-ITJ) dated the 13th December, 1974, the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that the Appellate Assistant Commissioners of Income-tax of the Range specified in column (2) of the schedule below shall perform their functions in respect of all persons and income assessed to Income-tax or Super-tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts, specified in the corresponding entry in column (3) thereof:—

#### SCHEDULE

Sl. No.	Range	Income-tax Ward/Circles & District
1	2	3
8.	H-Range, Bombay.	1. A-I Ward 2. A-V Ward and 3. T.P. Circle

Where an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward, or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioners of Range from whom that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof

is transferred shall, from the date this Notification shall take effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 19-7-1975.

#### EXPLANATORY NOTE

The amendment has become necessary consequent on creation a new circle namely "T.P. Circle".

(The above does not form a part of notification but is intended to be merely clarificatory.)

[No. 977-F. No. 261/9/75-ITJ]

S. RAMASWAMY, Under Secy.

नई विल्ली, 2 अगस्त, 1975

आयकर

**का० क्रा० 4270.**—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए समय-समय पर यथा संशोधित अपनी अधिसूचना सं० 679 (का० सं० 187/2/74-2 (ए० I) तारीख 29 जुलाई, 1974 से उपायद्र प्रत्यक्षी में निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात्:—

(क) आयकर आयकर, पश्चिमी बंगाल, IV से संबंधित क्रम सं० 23ग के सामने, स्तम्भ 3 में, 'हृष्टि संकिळ कलकत्ता' को 'जिला 8, कलकत्ता' के रूप में पुनः नामकरण किया जाएगा।

(ख) आयकर आयकर, पश्चिमी बंगाल VII से संबंधित क्रम सं० 23ग के सामने, स्तम्भ 3 में "5 न्यास संकिळ कलकत्ता" के पश्चात् "चार्टर्ड एकाउण्टेन्ट संकिळ कलकत्ता" जोड़ा जाएगा।

यह अधिसूचना 8 अगस्त 1975 से प्रभावी होगी।

[सं० 1011 का० सं० 187/12/75-आईटी० (ए० I)]

New Delhi, the 2nd. August, 1975

#### INCOME-TAX

**S.O. 4270.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments to the Schedule appended to its Notification No. 679 (F. No. 187/2/74-II(AI), dated the 20th July, 1974 as amended from time to time:—

(a) Against Sl. 23C relating to Commissioner of Income-tax, West Bengal-IV, in column 3 Hundi Circle, Calcutta, shall be re-named as Dist. VIII, Calcutta.

(b) Against Sl. 23F relating to Commissioner of Income-tax, West Bengal-VII, in Column 3, add "6 Chartered Accountants Circle, Calcutta" after "5. Trust Circle, Calcutta."

This notification shall take effect from 8th of August, 1975.

[No. 1011-F. No. 187/12/75-IT(AI)]

(आयकर)

**का० क्रा० 4271.**—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए समय-समय पर यथा संशोधित अपनी अधिसूचना सं० 679 (का० सं० 187/2/74-2 (ए० I) तारीख 29 जुलाई, 1974 से उपायद्र प्रत्यक्षी में निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात्:

क्रम संख्या 9 के सामने, स्तम्भ (1) (2) और (3) के नीचे की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियों रखी जाएंगी।

1	2	3
विल्ली (केन्द्रीय) नई विल्ली	(i) विल्ली स्थित केन्द्रीय संकिळ 1 से 15 तक।	
	(ii) भेरठ स्थित केन्द्रीय संकिळ 1 से 4 तक।	

यह अधिसूचना 4 अगस्त, 1975 से प्रभावी होगी।

[सं० 1012-का० सं० 187/2/74-आईटी० (ए० I)]

टी० पी० शुन्हुनवाला, सचिव

#### INCOME-TAX

**S.O. 4271.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment to the schedule appended to its Notification No. 679 (F. No. 187/2/74-II(AI) dated the 29th July 1974), as amended from time to time:

Existing entries under column (1), (2) and (3) against serial No. 9 shall be substituted by the following entries.

1	2	3
Delhi (Central)	New Delhi	(i) Central Circles I to XV at Delhi, and
		(ii) Central Circles I to IV at Meerut.

This Notification shall take effect from the 4th August, 1975.

[No. 1012-F. No. 187/2/74-IT(AI)]

T. P. JHUNJHUNWALA, Secy.

(आयकर आयकर कार्यालय, पटियाला-I,)

पटियाला, 22 अगस्त, 1975

आयकर

**का० क्रा० 4272.**—आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 287 के अधीन ऐसे करवाताओं, व्यक्तियों तथा हिन्दू अविश्वक फूट्सों की सूची जिनकी आय विद्युत वर्ष 1973-74 के दौरान 1 लाख रुपये तथा उससे अधिक निर्धारित की गई है—(i) हैमित के लिए, आई (I) व्यक्ति के लिए, एवं (H) हि० अवि० कुद० के लिए (ii) निर्धारण वर्ष के लिए, (iii) दो गई आम विवरणी/निर्धारित आय के लिए, (iv) करवाता द्वारा संदेय कर/करवाता द्वारा संक्त कर के लिए है।

1. श्री एच० आर० मोदी मार्फत पटियाला फ्लोर मिल्ज (प्रा०) लि०, पटियाला (i) अधिटि, (ii) 1973-74, (iii) 1,38,080/1,38,080, (iv) 85,896/85,896.
2. श्री चमल लाल मार्फत मैसर्जे आर० एन० गुप्ता एच० क०, लुधियाना (i) अधिटि, (ii) 1973-74, (iii) 1,02,350/1,02,350 61,534/61,534.
3. श्री हरबंस लाल मार्फत मैसर्जे कस्तूरी लाल हर लाल, लुधियाना, (i) अधिटि, (ii) 1973-74, (iii) 1,16,860/1,16,860 (iv) 70,711/70,711.
4. श्री कस्तूरी लाल मार्फत मैसर्जे कस्तूरी लाल हर लाल, लुधियाना, (i) अधिटि, (ii) 1973-74, (iii) 1,21,060/1,21,060, (iv) 70,175/70,175.
5. श्रीमती हृष्णा शाम लाल मार्फत मैसर्जे वाकी मल हुकुम चन्द, लुधियाना, (i) अधिटि, (ii) 1973-74, (iii) 1,02,538/1,03,070, (iv) 60,622/60,622.
6. श्री राज कुमार मार्फत मैसर्जे आर० एन० गुप्ता एच० क०, लुधियाना (i) अधिटि, (ii) 1973-74, (iii) 1,10,162/1,11,940, (iv) 69,376/69,376.
7. श्री रामनाथ मार्फत यथोपरि (i) अधिटि, (1973-74), (iii) 1,15,240/1,15,240, (iv) 66,871/66,871.
8. श्री रोशन लाल मार्फत यथोपरि (i) अधिटि, (ii) 1973-74, (iii) 1,05,790/1,05,790, (iv) 66,765/66,765.
9. श्री शाम लाल मार्फत, मैसर्जे वाकीमल हुकुम चन्द, लुधियाना (i) अधिटि, (ii) 1973-74, (iii) 1,15,107/1,15,107, (iv) 74,099/74,099.
10. मास्टर बेतत मार्फत मैसर्जे किरण सिनेमा, सेक्टर 22, चंडीगढ़ अधिटि (i) 1973-74, (iii) 1,62,856/1,62,856, (iv) 1,17,630/1,17,630.
11. श्री हीरा लाल सिन्हल, एडवोकेट, सेक्टर-4, चंडीगढ़ (i) अधिटि, (ii) 1973-74, (iii) 102,300/1,23,470, (iv) 81,393/81,393.
12. श्री जगद्वामय कौशल, एडवोकेट, चंडीगढ़ (i) अधिटि, (ii) 1972-73, (iii) 1,16,655/1,21,850, (iv) 82,738/82,738.
13. श्री जय भगवान गुप्ता मार्फत मैटल प्रोडक्ट्स ग्राम इण्डिया, 145, इण्डल एरिया, चंडीगढ़ (i) अधिटि, (ii) 1971-72, (iii) 2,668/1,74,617, (iv) 6,038/5,720.
14. श्री जयप्रकाश गुप्ता मार्फत यथोपरि (i) अधिटि, (ii) 1971-72, (iii) 6,769, (काति)/1,70,212, (iv) 3,886/4,220.
15. मैसर्जे दयानन्द एच० सन्धि मार्फत मैसर्जे मुन्जल सेल्ज कारपोरेशन, बी० टी० रोड, लुधियाना (i) हिन्दू भविं कु०, (ii) 1973-74, (iii) 1,27,560/1,28,730, (iv) 86,232/86,232.
16. श्रीमती सुवर्णन कुमारी मार्फत यथोपरि (i) अधिटि, (ii) 1973-74, (iii) 1,05,230/1,06,390, (iv) 65,679/65,679.
17. श्रीमती बेव वर्ती मार्फत यथोपरि (i) अधिटि, (ii) 1971-72, (iii) 1,02,605/1,09,570, (iv) 69,201/69,201.
18. श्री बाबू राम भगवाल, लुधियाना (i) हिंदू अधिं कु०, (ii) 1965-66, (iii) 72,237/1,46,880 (iv) 80,046/26,472 1965-66 (iii) 1,61,310/7,50,003, (iv) 3,96,966/63167.
19. श्री रमेश कुमार, लुधियाना (i) अधिटि, (ii) 1965-66, (iii) 55,541/2,62,250, (iv) 1,13,581/16,193.
20. श्री शिव कुमार, लुधियाना (i) अधिटि, (ii) 1965-66, (iii) 55,541/2,62,250, (iv) 1,13,581/शून्य
21. श्री मंगत राय, लुधियाना (i) अधिटि, (ii) 1964-65, (iii) 68,090/1,31,730, (iv) 70,861/22,454, (ii) 1965-66, (iii) 1,58,080/7,46,400, (iv) 3,95,004/61,954.
22. श्री इन्दर भोहन सिंह प्रेवाल, रतन बिल्डिंग, सिविल लाइन्ज, लुधियाना, (i) अधिटि, (ii) 1971-72, (iii) 95,732/1,00,350, (iv) 58,000/58,000.

[(का० सं० ₹क/प्रकाशन) संख्या I]

## OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX

Patiala, the 22nd August, 1975

## Income-Tax

**S.O. 4272.**—List of assessees, individuals, and HUFs assessed on an income of Rs. 1 lakh of and above during the financial year 1973-74 u/s 287 of the Income-tax Act, 1961—  
(i) is for status, 'I' for individual, 'H' for HUF, (ii) for assessment year, (iii) for income returned/income assessed, (iv) for tax payable by the assessee/tax paid by the assessee.

- Sh. H. R. Modi C/o Patiala Flour Mills (P) Ltd., Patiala, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) 1,38,080/1,38,989, (iv) 85,896/85,896.
- Sh. Chaman Lal C/o M/s. R. N. Gupta & Co., Ludhiana, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) 1,02,350/1,02,350, (iv) 61,534/61,534.
- Sh. Harbans Lal C/o M/s. Kasturi Lal Har Lal, Ludhiana, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) 1,16,860/1,16,860, (iv) 70,711/70,711.
- Sh. Kasturi Lal C/o M/s. Kasturi Lal Har Lal, Ludhiana, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) 1,21,060/1,21,066, (iv) 79,175/79,175.
- Smt. Krishna Sham Lal C/o M/s. Ghaki Mal Hukam Chand Ludhiana, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) 1,02,538/1,03,070, (iv) 60,622/60,622.
- Sh. Raj Kumar C/o M/s. R. N. Gupta & Co., Ludhiana, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) 1,10,162/1,11,940, (iv) 69,376/69,376.
- Sh. Ram Nath C/o above, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) 1,15,240/1,15,240, (iv) 66,871/66,871.
- Sh. Roshan Lal C/o above, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) 1,05,790/1,05,790, (iv) 66,765/66,765.
- Sh. Sham Lal C/o M/s. Ghaki Mal Hukam Chand, Ludhianan, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) 1,15,107/1,15,107, (iv) 74,099/74,099.
- Master Chetan C/o M/s. Kiran Cinema, Sector 22, Chandigarh, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) 1,62,856/1,62,856, (iv) 1,17,630/1,17,630.
- Sh. Hira Lal Sibbal, Advocate, Sector 4, Chandigarh, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) 1,20,300/1,23,470, (iv) 81,393/81,393.
- Sh. Jagan Nath Kaushal, Advocate, Chandigarh, (i) I, (ii) 1972-73, (iii) 1,16,655/1,21,850, (iv) 82,738/82,738.
- Sh. Jai Bhagwan Gupta C/o Metal Products of India, 145, Industrial Area, Chandigarh, (i) I, (ii) 1971-72, (iii) 2,668/1,74,617, (iv) 6,038/5,729.

14. Sh. Jai Parkash Gupta C/o above, (i) I, (ii) 1971-72, (iii) 6,769 (Loss)/1,70,212, (iv) 3,886/4,220.
15. M/s. Daya Nand & Sons C/o M/s. Munjal Sales Corporation, G. T. Road, Ludhiana, (i) H, (ii) 1973-74, (iii) 1,27,560/1,28,730, (iv) 86,232/86,232.
16. Smt. Sudershan Kumari C/o above, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) 1,05,230/1,06,390, (iv) 65,679/65,679.
17. Smt. Ved Wati C/o above, (i) I, (ii) 1971-72, (iii) 1,02,605/1,09,570, (iv) 69,201/69,201.
18. Sh. Babu Ram Aggarwal, Ludhiana, (i) H, (ii) 1965-66, (iii) 72,236/1,46,880, (iv) 80,046/26,472, (ii) 1965-66, (iii) 1,61,310/7,50,003, (iv) 3,96,966/63,167.
19. Sh. Ramesh Kumar, Ludhiana, (i) I, (ii) 1965-66, (iii) 55,541/2,62,250, (iv) 1,13,581/16,193.
20. Sh. Shiv Kumar, Ludhiana, (i) I, (ii) 1965-66, (iii) 55,541/2,62,250, (iv) 1,13,581/NIL.
21. Sh. Mangat Rai, Ludhiana, (i) I, (ii) 1964-65, (iii) 68,990/1,31,730, (iv) 70,861/22,454, (ii) 1965-66, (iii) 1,58,080/7,46,400, (iv) 3,95,004/61,954.
22. Sh. Inder Mohan Singh Grewal, Rattan Building, Civil Lines, Ludhiana, (i) I, (ii) 1971-72, (iii) 95,732/1,00,350, (iv) 58,000/58,000.

[F. No. Rec/Publication No. 1]

## आयकर

का० प्रा० 4273.—आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 287 के अधीन ऐसी सभी फार्मों, व्यक्तिसंगम तथा कम्पनियों की सूची, जिनकी आय वित्तीय वर्ष 1973-74 के दौरान 10 लाख रुपये से अधिक निर्धारित की गई है—

(i) हैसियत के लिए क. (coy) कम्पनी के लिए, 'क' फार्म के लिए (ii) निर्धारित वर्ष के लिए (iii) वही गई घन विवरणी/निर्धारित धन के लिए (iv) करवाता द्वारा संदेशकर/करदाता द्वारा संदर्भ कर के लिए है।

1. मैसर्ज नेशनल सोरियल्ज प्रोडक्ट्स लि०, सोलन (i) कम्पनी (ii) 1973-74 (iii) 10,27,190/10,32,340 (iv) 5,94,543/5,94,543.

2. मैसर्ज मोहन मेकन ब्रिकेरीज लि०, सोलन (i) कम्पनी (ii) 1972-73 (iii) 2,11,30,600/2,16,64,290 (iv) 1,22,14,059/1,22,14,059

3. मैसर्ज गिर्सन निटिंग बक्स, सबन बाजार, सूधियाना (i) फार्म (ii) 1965-66 (iii) 4,27,242/20,17,290 (iv) 2,82,690/53,722.

4. मैसर्ज पानीपत बूसम एण्ड जनरल मिल्ज (प्रा०) लि० खरू (समाप्त के अधीन) (i) कम्पनी (ii) 1971-72 (iii) 12,86,819 (सति)/17,45,550 (प्राय) (iv) 11,21,167/शून्य।

[का० सं० रैक/प्रकाशन सं० 2]

## INCOME-TAX

S.O. 4273.—List of all Fines, AOPs and companies assessed on an income over Rs. 10 lakhs during the financial year 1973-74 under section 287 of the I.T. Act, 1961—

(i) is for status, 'Coy.' for company, 'F' for firm, (ii) for assessment year, (iii) for income returned/income assessed, (iv) Tax payable by the assessee/Tax paid by the assessee.

- M/s. National Cereals Products Ltd., Solan (i) Coy. (ii) 1973-74, (iii) 10,27,190/10,32,340, (iv) 5,94,543/5,94,543.

- M/s. Mohan Meakins Breweries Ltd., Solan, (i) Coy. (ii) 1972-73, (iii) 2,11,30,600/2,16,64,290, (iv) 1,22,14,059/1,22,14,059.
- M/s. Girson Knitting Works, Saban Bazar, Ludhiana, (i) 'F', (ii) 1965-66, (iii) 4,27,242/20,17,290, (iv) 2,82,690/53,722.
- M/s. Panipat Woollen & General Mills (P) Ltd., Kharar (Under Liquidation) (i) Coy, (ii) 1971-72, (iii) 12,86,819/(Loss)/17,45,550 (Income), (iv) 11,21,167 NIL.

[F. No. Rec/Publication No. 2]

## आयकर

का० प्रा० 4274.—आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 287 के अधीन ऐसे करवाताओं की सूची जिन परिवर्तीय वर्ष 1973-74 के दौरान आय की विवरणी (Return) न फाइल करने अवधारणा वहियों को प्रस्तुत करने के कारण 5 हजार रुपये से अन्यून की शास्ति लगाई गई है, (i) हैसियत के लिए, 'प्राई' (I) व्यष्टि के लिए, 'एच' (H) हिं० अविं० कुटू० के लिए एक 'F' फार्म के लिए, (ii) निर्धारित वर्ष के लिए (iii) शास्ति की रकम के लिए है।

1. श्री बबू राम अवधारणा, तालाब मण्डी रोड, सूधियाना (i) दि० अविं० कुटू० (ii) 1967-68 (iii) 11,600

2. मैसर्ज गर्सन निटिंग बक्स, सबन बाजार, सूधियाना (i) फार्म (ii) 1969-70 (iii) 7,990/-

3. श्री जग भगवान, मैसर्ज मेटल प्रोडक्ट्स भाफ इंडिया के भागीदार, 145, इण्डिस्ट्रियल एरिया, चंडीगढ़, (i) व्यष्टि (ii) 1968-69 (iii) 14,175.

4. मैसर्ज मेटल प्रोडक्ट्स भाफ इंडिया, इण्डिस्ट्रियल एरिया, चंडीगढ़ (i) फार्म (ii) 1967-68 (iii) 19,567.

5. श्री पिंप कुमार गुप्ता मार्फत योगीपर. (i) व्यष्टि (ii) 1967-68 (iii) 15,115 (ii) 1968-69 (iii) 8,938.

## आयकर

[का० सं० रैक/प्रकाशन सं० 3.]

## INCOME-TAX

S.O. 4274.—List of assessee on whom a penalty of not less than Rs. 5 thousand was imposed for failure to file returns of income or to produce books of account during the financial year 1973-74 u/s 287 of I.T. Act, 1961—(i) Stands for status, 'I' for individual, 'H' for HUF, 'F' for Firm, (ii) for assessment year, (iii) for amount of penalty.

1. Sh. Babu Ram Aggarwal, Talab Mandi Road, Ludhiana, (i) H, (ii) 1967-68, (iii) 11,600.

2. M/s. Girson Knitting Works, Saban Bazar, Ludhiana, (i) F, (ii) 1969-70, (iii) 7,990.

3. Sh. Jai Bhagwan M/s. Metal Products of India, 145, Industrial Area, Chandigarh, (i) I, (ii) 1968-69, (iii) 14,175.

4. M/s. Metal Products of India, 145, Industrial Area, Chandigarh, (i) F, (ii) 1967-68, (iii) 19,567.

5. Sh. Shiv Kumar Gupta C/o above, (i) I, (ii) 1967-68, (iii) 15,115, (ii) 1968-69, (iii) 8,936.

[F. No. Rec/Publication No. 3]

## आयकर

क्रा० अा० 4275.—आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 287 के प्रधीन ऐसे करदाताओं की सूची जिन पर वित्तीय वर्ष 1973-74 के दौरान आय छिपाने के कारण पांच हजार रुपये से अन्यून भास्ति लगाई गई थी (i) हैसियत के लिए, एक (F) फर्म के लिए, एवं (H) हिं० अधि० कुटू० के लिए (ii) निर्धारण वर्ष के लिए (iii) भास्ति की रकम के लिए है।

1. मैसर्ज बन्ता सिंह करतार सिंह, मण्डी गोदानगढ़, (i) फर्म (ii) 1966-67, (iii) 32,188.

2. मैसर्ज मेटल प्रोडक्ट्स प्राफ इंडिया, 145, इन्डस्ट्रियल एस्ट्रिया, चण्डीगढ़ (i) फर्म (ii) 1966-67, (iii) 12,000.

3. श्री बाबू राम अग्रवाल, तालाब मण्डी रोड, सुधियाना (i) हिं० अधि० कुटू० (ii) 1967-68 (iii) 7,250 (ii) 1968-69 (iii) 54,526 (ii) 1969-70 (iii) 15,000.

4. मैसर्ज गिर्सन निटिंग बर्स, सबन बाजार, सुधियाना (i) फर्म (ii) 1968-69 (iii) 24,000 (ii) 1969-70 (iii) 17,437.

5. मैसर्ज राम प्रसाद किंदार नाथ, सबन बाजार, सुधियाना, (i) फर्म (ii) 1967-68 (iii) 5,000 (ii) 1968-69 (iii) 7,050 (ii) 1969-70 (iii) 5,300.

[का० स० रेक/प्रशासन सं. 4]

बी० पी० गुप्ता, आयुक्त

## सम्पत्ता कर आयुक्त कार्यालय विदर्भ एवं मराठवाडा

नागपुर, 10 सितम्बर, 1975

क्रा० अा० 4276.—धूकि केन्द्रीय सरकार की राय में यह आवश्यक और उचित है कि 1973-74 से प्रारम्भ होने वाले वित्तीय वर्ष में और उससे प्रारंभ की प्रथमित में जिन निर्धारितियों की 10 लाख रुपए से अधिक की निवल सम्पत्ता पर सम्पत्ता कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रत्यर्गत कर निर्धारण किया गया हो उनके नाम और उनसे सम्बन्धित अन्य ब्यौरे, जिनका इसके आगे उल्लेख किया गया है, लोकहित में प्रकाशित किये जाएः :

धूकि केन्द्रीय सरकार ने अपने तारीख 7-1-75 के प्रादेश से इन ब्यौरों को प्रकाशित करने का प्राधिकार तथा निर्देश दिया है।

अब, अतः, सम्पत्ता कर आयुक्त विदर्भ एवं मराठवाडा, नागपुर एवं द्वारा उन निर्धारितियों के नाम और उनसे सम्बन्धित अन्य ब्यौरे प्रकाशित करते हैं जिनकी 10 लाख से अधिक सम्पत्ता पर वित्तीय वर्ष 1974-75 के दौरान नीचे दिए अनुसार कर निर्धारण किया गया है :—

क्रम निर्धारिति का नाम संज्ञा और पता	हैसियत	निर्धारण वर्ष	विवरण में दिखाई गई	निर्धारित की गई सम्पत्ता	भासायरी योग्य कर	भ्राता किया गया कर	
1	2	3	4	5	6	7	8
1. बजाज विमलदेवी श्री मती वधा	व्यष्टि	1973-74	1057400	1056900	16707	16707	
2. बजाज मधुरकुमार, वधा	वही	1971-72	1665730	1710100	37404	37404	
3. -वही-	वही	1972-73	1733040	1733100	48643	48643	
4. -वही-	वही	1973-74	2028100	2028400	72248	72248	
5. बजाज शेखरकुमार वधा	वही	1971-72	1302000	1337100	24113	24113	
6. -वही-	वही	1972-73	1373100	1373000	26190	26190	
7. बजाज शेखरकुमार वधा	व्यष्टि	1973-74	1608200	1608200	38656	38656	
8. बजाज शिपिरकुमार, वधा ।	वही	1972-73	1826000	1826000	56080	56080	
9. -वही-	वही	1973-74	2218200	2218300	87464	87464	

## INCOME-TAX

S.O. 4275.—List of assessees of whom a penalty of not less than Rs. 5 thousand was imposed for concealment of income during the financial year 1973-74 under section 287 of I.T. Act, 1961—(i) stands for status, 'F' for firm, 'H' for HUF, (ii) stands for assessment year, (iii) for amount of penalty.

1. M/s. Banta Singh Kartar Singh, Mandi Gobindgarh, (i) F, (ii) 1966-67, (iii) 32,188.

2. M/s. Metal Products of India, 145, Industrial Area, Chandigarh, (i), (ii) 1966-67, (iii) 12,000.

3. Sh. Babu Ram Aggarwal, Talab Mandi Road, Ludhiana, (i) H, (ii) 1967-68, (iii) 7,250, (ii) 1968-69 (iii) 54,526, (ii) 1969-70, (iii) 15,000.

4. M/s. Girson Knitting Works, Saban Bazar, Ludhiana, (i) F, (ii) 1968-69, (iii) 24,000, (ii) 1969-70, (iii) 17,437.

5. M/s. Ram Parshad Kidar Nath, Saban Bazar, Ludhiana, (i) F, (ii) 1967-68, (iii) 5,000, (ii) 1968-69, (iii) 7,050, (ii) 1969-70, (iii) 5,300.

[F. No. Rec/Publication No. 4]

V. P. GUPTA, Commissioner.

1	2	3	4	5	6	7	8
10.	बजाज कमलनयन, वर्धा	हिन्दु प्रविभक्त परिवार	1973-74	1200500	1201200	21036	21015
11.	-वही-	-वही	1974-75	1458900	1458900	61713	61713
12.	बजाज रामकृष्णा, वर्धा	वही	1973-74	120200	1201200	21036	21036
13.	-वही-	वही	1974-75	1437800	1437800	60024	60024
14.	बजाज रघु रानी श्रीमती वर्धा	व्याप्ति	1972-73	1133100	1133800	19014	18993
15.	-वही-	वही	1973-74	1449000	1450000	28500	27924
16.	वही	वही	1972-74	1676600	1677300	44184	44126
17.	बजाज राहुलकुमार वर्धा	वही	1972-73	1913500	1913500	63080	63080
18.	वही	वही	1973-74	2471500	2471500	107720	107720
19.	वही	वही	1974-75	2697700	2697700	125816	125816
20.	बजाज राहुलकुमार वर्धा ।	हिन्दु प्रविभक्त परिवार	1974-75	1120200	1120200	34616	34616
21.	मधुकान्त, लक्ष्मीचन्द्र सेन्ट्रु।	व्याप्ति	1972-73	895330	1470000	29100	12907
22.	वही	वही	1974-75	958900	1650000	42000	14178
23.	मणिकात संग्रहालय, वर्धा	व्याप्ति	1972-73	905230	1650000	42000	13105
24.	वही	वही	1974-75	935500	1650000	42000	13710
25.	रतीलाल पदमसीरी सेन्ट्रु।	हिन्दु प्रविभक्त परिवार	1972-73	709840	1900000	62000	9196
26.	वही	वही	1974-75	535460	2000000	70,0000	11153

[सं० प्रकाशन/सम्पर्क/42-ए/74-75]

(Office of the Commissioner of Wealth-tax, Vidarbha and Marathawada)  
Nagpur, the 10th September, 1975

S.O. 4276.—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest to publish the names and other particulars hereinafter specified relating to assessees who have been assessed under the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) on net wealth exceeding Rs. 10 lakhs during the financial year commencing from 1973-74 and onwards;

And whereas the Central Government has authorised and directed to publish such particulars by their order dated 7-1-75;

Now, therefore, the Commissioner of Wealth-tax, Vidarbha and Marathwada, Nagpur hereby publishes the names and other particulars relating to assessees who have been assessed on a net wealth exceeding Rs. 10 lakhs during the financial year 1974-75 as under:

Sl. No.	Name and address of the assessee	Status	Assmt. Year	Wealth returned	Wealth assessed	Tax payable	Tax paid
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Bajaj Vimaladevi Smt., Wardha	Indl.	1973-74	10,57,400	10,56,900	16,707	16,707
2.	Bajaj Madhukumar, Wardha	Do.	1971-72	16,65,730	17,10,100	37,404	37,404
3.	Do.	Do.	1972-73	17,330,040	17,33,100	48,643	48,643
4.	Do.	Do.	1973-74	20,28,100	20,28,400	72,248	72,248
5.	Bajaj Shekharkumar, Wardha	Do.	1971-72	13,02,000	13,37,100	24,113	24,113
6.	Do.	Do.	1972-73	13,73,100	13,73,000	26,190	26,190
7.	Do.	Do.	1973-74	16,08,200	16,08,200	38,656	38,656
8.	Bajaj Shishirkumar, Warhda	Do.	1972-73	18,26,000	18,26,000	56,080	56,080
9.	Do.	Do.	1973-74	22,18,200	22,18,300	87,464	87,464
10.	Bajaj Kamalnayan, Wardha	H.U.F.	1973-74	12,00,500	12,01,200	21,036	21,015
11.	Do.	Do.	1974-75	14,58,900	14,58,900	61,713	61,713
12.	Bajaj Ramkrishna, Wardha	Do.	1973-74	12,01,200	12,01,200	21,036	21,036
13.	Do.	Do.	1974-75	14,37,800	14,37,800	60,024	60,024

1	2	3	4	5	6	7	8
14.	Bajaj Ruparani Smt., Wardha	.	Indl.	1972-73	11,33,100	11,33,800	19,014
15.	Do.	.	Do.	1973-74	14,49,000	14,50,000	28,500
16.	Do.	.	Do.	1974-75	16,76,600	16,77,300	44,184
17.	Bajaj Rahulkumar, Wardha	.	Do.	1972-73	19,13,500	19,13,500	63,080
18.	Do.	.	Do.	1973-74	24,71,500	24,71,500	1,07,720
19.	Do.	.	Do.	1974-75	26,97,700	26,97,700	1,25,816
20.	Do.	.	H.U.F.	1974-75	11,20,200	11,20,200	34,616
21.	Madhukant Laxmichand, Sailu	.	Indl.	1972-73	8,95,330	14,70,000	29,100
22.	Do.	.	Do.	1974-75	9,58,900	16,50,000	42,000
23.	Manikant Laxmichand, Sailu	.	Do.	1972-73	9,05,230	16,50,000	42,000
24.	Do.	.	Do.	1974-75	9,35,500	16,50,000	42,000
25.	Ratilal Padamsey, Sailu	.	H.U.F.	1972-73	7,09,840	19,00,000	62,000
26.	Do.	.	Do.	1974-75	5,35,460	2,00,000	70,000
							11,153

[No. Publication/WT/42-A/74-75]

का० आ० 4277.—चूंकि केन्द्रीय सरकार की राय में लोकहित में यह प्राधिक और उचित है कि विस्तीय वर्ष 1974-75 के बौराम निम्नलिखित प्रकार के निर्धारितियों के नाम और भन्य घोरे। जिनका इसके आगे उल्लेख किया गया है, प्रकाशित किए जाएँ :—

(1) घटि या हिन्दू ग्रविभक्त परिवार, जिनकी आय 1 लाख रुपए से अधिक निर्धारित की गई हो, और

(2) फर्म, कम्पनिया या अन्य घटि संगम जिनकी आय 10 लाख रुपये से अधिक निर्धारित की गई हो।

और चूंकि आयकर घटिनियम 1981 की धारा 287 (1961 का 43) द्वारा प्रवस्थ शक्तियों तथा अन्य ऐसी सभी शक्तियों द्वारा जिनसे इसके लिए उसको समर्थ किया गया हो, प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग से केन्द्रीय सरकार ने इत घटीयों को प्रकाशित करने का प्राधिकार और निर्वेश किया है;

अब, भरत: आयकर आयुक्त, विवर्भ एवम् मराठवाडा, नागपुर एवम् द्वारा यहां संलग्न की गई अनुसूची i और ii के अनुसार ऐसे निर्धारितियों के नाम और उनसे सम्बन्धित अन्य घोरे प्रकाशित करते हैं :—

#### अनुसूची—I.

ऐसे सभी घटियों और हिन्दू ग्रविभक्त परिवारों के नाम जिनकी आय विस्तीय वर्ष 1974-75 के बौराम 1 लाख रुपए से अधिक निर्धारित की गई है।

क्रम सं०	निर्धारिती का नाम और पता	हैसियत	निर्धारण वर्ष	विवरणी में दिलाई गई आय	निर्धारित की गई आय	निर्धारिती द्वारा प्रदायगी योग्य कर	निर्धारितीद्वारा विद्या गया कर
1	2	3	4	5	6	7	8
				रु०	रु०	रु०	रु०
1.	श्री भविनी कुमार पटेल, कुडवा साइन, गोविया	घटि	1974-75	1,33,754	1,34,200	80305	80305
2.	श्री भणोक कुमार पटेल, कुडवा साइन, गोविया ग्रविभक्त परिवार गोविया	घटी	1974-75	1,38,020	138470	87550	87550
3.	श्री भ्रसगर भली हसन भली, नागपुर	घटि	1972-73	174070	192744	142450	142450
4.	बजाज मधुर कुमार बधी।	घटी	1973-74	162470	162480	117281	117281
5.	श्री बजाज राहुलकुमार बधी।	घटी	1973-74	218280	218280	1696381	169638
6.	श्री बजाज सिविरकुमार बधी।	घटी	1973-74	119280	119280	77537	77537
7.	श्री बजाज शेखरकुमार बधी।	घटी	घटी	123140	123140	81089	81089
8.	श्री फ़क्तुहीन मो० भली प्रोप० मैसर्जे जनरल इंजीनियरिंग बिला, स्टोर्मसे, नागपुर।	घटी	1972-73	66135	107570	87311	कुछ नहीं

1	2	3	4	5	6	7	8
9.	श्री हाजी सल्तार, मार्फत अधिकारी सैन्य दूजी लतीक गर्मी प्रदौड़ी नागपुर।	वही	1973-74	262775	264890	213036	211092
10.	श्री हाजी शेली मोहूरा, रंगारी मोहूला, धोराजी।	वही	1973-74	251430	253343	202237	199946
11.	श्री हाजी गकार रंगारी मोहूला, धीराजी	वही	1973-74	258425	257719	206223	206223
12.	श्री हीरालाल एन० हिरानी, वही।	वही	1972-73	73548	103980	68941	6800
13.	श्री इकबाल हुसेन अस गरम्पाली, भानिसार मै० अस्लाबक्षी एण्ड सस्स, छतबारा, नागपुर।	वही	1973-74	106730	106730	65875	65875
14.	श्री बन्द्रकान्त भोर, हिन्दू अधिकारी तुमसर परिवार	वही	1955-56	63904	325252	243134	कुछ नहीं
15.	श्री मोर जमनाधर, अधिकारी तुमसर।	वही	1968-69	68095	101946	73036	7070
16.	श्री मोर रामनारायण तुमसर	वही	1955-56	47789	421076	319084	कुछ नहीं
17.	श्री रामनारायण भोर स्व० फतेचन्द्र भोर के विधि प्रतिनिधि, तुमसर	वही	1955-56	6109	334156	248625	कुछ नहीं
18.	श्री फडके एम० एन० तिथिल साईन, नागपुर	वही	1974-75	144930	147935	113282	100993
19.	श्री रावजी भाई धोरी माई रेल टोली, गोविया	वही	1973-74	218870	218870	173781	170245
20.	वही	वही	1974-75	106175	106730	66637	66637
21.	मैसंस रामकृष्ण राम नाथ, कामदी	हिन्दू अधिकारी परिवार	1956-57	152054	631010	316215	कुछ नहीं
22.	वही	वही	1957-58	108537	1500760	935454	कुछ नहीं
23.	सकीनावाई, पल्ली मुस्क अली, श्रीमती नागपुर	अधिकारी	1973-74	111100	118566	77574	68230
24.	श्री दाढ़ेरा चूम्हीलाल, हिरंजी काटपे साईन गोविया	वही	1974-75	182950	162980	118921	118921
25.	श्री उमिल बेवर, अस्लारपुर	वही	1974-75	344080	712660	660092	660092

## अनुसूची-II

ऐसे सभी फर्मों, अक्षित संगमों, (एगोसिएशन आफ पसंस और कम्पनियों के नाम जिनकी आय वित्तीय वर्ष 1974-75 के दौरान खस लाभ रपा से अधिक निर्धारित की गई है।

क्रम संख्या	निर्धारिती का नाम और पता	हसियत	निर्धारण वर्ष	विवरण में दियाई गई आय	निर्धारित की गई आय	निर्धारिती प्राप्त अदायगी योग्य कर	निर्धारिती प्राप्त दिया गया कर
1	2	3	4	5	6	7	8
कुछ नहीं							

S.O. 4277—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest to publish the names and other particulars hereinafter specified relating to assessees:

(i) being Individuals, or Hindu Undivided Families, who have been assessed on an income of more than one lakh of rupees, and

(ii) being Firms, Companies, or other Association of persons, who have been assessed on an income of more than ten lakhs of rupees during the financial year 1974-75;

And whereas in exercise of the powers conferred by Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling them in this behalf the Central Govt. has authorised and directed to publish such particulars;

Now, therefore, the Commissioner of Incometax, Vidarbha and Marathwada, Nagpur hereby publishes the names and other particulars relating to such assessees as in Schedule-I and II hereto annexed:—

#### SCHEDULE I

Names of all Individuals and Hindu Undivided Families assessed on income of over Rs. 1 lakh during the financial year 1974-75

Sl. No.	Name and address of the assessee	Status	Asstt Year	Income returned	Income assessed	Tax payable by the assessee	Tax paid by the assessee
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Shri Ashwanikumar Patel, Kudwaline Gondia	Indl.	1974-75	1,33,754	1,34,200	80,305	80,305
2.	Shri Ashokkumar Patel, Kudwaline, Gondia	H.U.F.	1974-75	1,38,020	1,38,470	87,550	87,550
3.	Shri Ashgarali Hasanali, Nagpur	Indl.	1972-73	1,74,070	1,92,744	1,42,450	1,42,450
4.	Bajaj Madhurkumar, Wardha	Do.	1973-74	1,62,470	1,62,480	1,17,281	1,17,281
5.	Shri Bajaj Rahulkumar, Wardha	Do.	1973-74	2,18,280	2,18,280	1,69,638	1,69,638
6.	Shri Bajaj Shishirkumar, Wardha	Do.	1973-74	1,19,280	1,19,280	77,537	77,537
7.	Shri Bajaj Shekharkumar, Wardha	Do.	1973-74	1,23,140	1,23,140	81,089	81,089
8.	Shri Fakruddin Mohd. Ali, Prop. M/s. General Engg. Mill, Stores Nagpur	Do.	1972-73	66,135	1,07,570	87,311	Nil.
9.	Shri Haji Sattar, C/o. M/s. Haji Latif Gani Kachhi, Nagpur	Do.	1973-74	2,62,775	2,64,690	2,13,036	2,11,092
10.	Shri Haji Wali Mohd. Rangari Mohalla, Dhoraji	Do.	1973-74	2,51,430	2,53,343	2,02,237	1,99,946
11.	Shri Haji Gaffar, Rangari Mohalla, Dhoraji	Do.	1973-74	2,58,425	2,57,719	2,06,223	2,06,223
12.	Shri Hiralal N. Hirani, Wani	Do.	1972-73	73,548	1,03,980	68,941	6,600
13.	Shri Iqbal Hussain Asgharali, M/s. Allabuxji & Sons, Itwari, Nagpur	Do.	1973-74	1,06,730	1,06,730	65,875	65,875
14.	Shri Chandrakant, Mor, Tumsar	H.U.F.	1955-56	63,904	3,25,252	2,43,134	Nil.
15.	Shri Mor Jamnadhar, Tumsar	Indl.	1968-69	68,095	1,01,946	73,036	7,070
16.	Shri Mor Ramnarayan, Tumsar	Do.	1955-56	47,789	4,21,076	3,19,084	Nil.
17.	Shri Ramnarayan Mor-L/Representative of Late Shri Fatechand Mor, Tumsar	Do.	1955-56	6,109	3,34,156	2,48,625	Nil.
18.	Shri Phadke, M.N., Civil Lines, Nagpur	Do.	1974-75	1,44,930	1,47,935	1,13,282	1,00,993
19.	Shri Raojibhai Dhoribhai, Railtoly, Gondia	Do.	1973-74	2,18,870	2,18,870	1,73,781	1,70,245
20.	Do.	Do.	1974-75	1,06,175	1,06,730	66,637	66,637
21.	M/s. Ramkrishna Ramnath, Kamptee	HUF	1956-57 (—)	1,52,054	6,31,010	3,16,215	Nil.
22.	Do.	Do.	1957-58 (—)	1,08,537	15,00,760	9,35,454	Nil.
23.	Sakinabai W/o. Yusufali, Smt. Nagpur	Indl.	1973-74	1,11,100	1,18,566	77,574	68,230
24.	Shri Wadera Chunnilal Hirji, Katangi-Line, Gondia	Do.	1974-75	1,62,950	1,62,980	1,18,921	1,18,921
25.	Shri Emil Webar, Ballarpur	Do.	1974-75	3,44,080	7,12,660	6,60,092	6,60,092

#### SCHEDULE II

Names of all firms, Association of persons and Companies assessed on income of over Rs. 10 lakhs during the Financial year 1974-75

Sl. No.	Name & address of the assessee	Status	Asstt. Year	Income returned	Income assessed	Tax payable by the assessee	Tax paid by the assessee
1	2	3	4	5	6	7	8
—NIL—							

का० आ० 4278—बूँकि केन्द्रीय सरकार की राय में यह आवश्यक और उचित है कि जिन निधारितियों पर विशेष वर्ष 1974-75 के शीरान कम से कम 5,000 रुपये का अर्थ दण्ड लगाया गया था, उनके नाम और उनसे सम्बन्धित अन्य व्यारे, जिनका इसके आगे उल्लेख किया गया है, प्रकाशित किए जाएं।

और बूँकि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा, 287 (1961 का 43) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा अन्य ऐसी सभी शक्तियों द्वारा, जिनसे की उसके लिए उनको समर्थ किया गया हो, प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग से केंद्रीय सरकार ने इन व्योरों को प्रकाशित करने का प्राधिकार और तिर्देश दिया है।

प्रब, प्रत, आयकर आयुक्त, विवर्भ एवम् मराठवाडा, नागपुर यहां संघर्षन अनुसूची के अनुसार ये व्योरे प्रकाशित करते हैं—:

### अनुसूची

क्रम सं०	निधारिती का नाम और पता	हैसियत	निधारण वर्ष	दण्ड की राशि	धारा जिसके अन्तर्गत दण्ड लगाया गया
1	2	3	4	4	6
1.	मैसर्स बलाराम तोलुराम कर्ता आर० एम० सेठ, गोपी किपन हिन्दू अविभक्त परिवार अग्रवाल, तुमसर ।	हिन्दू अविभक्त परिवार	1971-72	रु 27,000	271(1)(सी)
2.	मैसर्स लोहिया ब्रदर्स, कामटी	रजिस्टर्ड फर्म	1970-71	रु 30,457	271(1)(ए)
3.	—व्ही—	—व्ही—	1970-71	रु 10,000	140A(3)
4.	मैसर्स रामकृष्ण राम नाथ, कामटी	हिन्दू अविभक्त परिवार	1952-53	रु 20,000	271(1)(बी)
5.	—व्ही—	—व्ही—	1953-54	रु 40,000	271(1)(बी)
6.	—व्ही—	—व्ही—	1954-55	रु 10,000	271(1)(बी)
7.	श्री डी० एम० श्रीपाद स्व० बी० एम० श्रीपाद के विधि उत्तराधिकार, नागपुर	व्हिट	1970-71	रु 6,000	271(1)(सी)

[सं० एस०आई०/287/2/74-75]  
कलवंतराय, प्रायुक्त

S.O. 4278—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient to publish the names and the other particulars hereinafter specified relating to assessees on whom penalty of not less than Rs. 5000 was imposed during the financial year 1974-75;

And whereas in exercise of the powers conferred by the Section 287 of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling them in this behalf the Central Government has authorised and directed to publish such particulars;

Now, therefore, the Commissioner of Incometax, Vidarbha and Marathwada, Nagpur publishes such particulars as in the Schedule hereto annexed :—

### SCHEDULE

Sl. No.	Name and address of the assessee	Status	Ass'tt. Year	Amount of penalty	Sec. under which the penalty was imposed.
1	2	3	4	5	6
1.	M/s. Balaram Karta R.S. Seth Gopikisan Agarwal, Tumsar.	H.U.F.	1971-72	27,000	271(1)(c)
2.	M/s. Loiya Brothers, Kamptee	R.F.	1970-71	30,457	271(1)(a)
3.	Do.	Do.	1970-71	10,000	140A(3)
4.	M/s. Ramkrishna Ramnath, Kamptee	H.U.F.	1952-53	20,000	271(1)(b)
5.	Do.	Do.	1953-54	40,000	271(1)(b)
6.	Do.	Do.	1954-55	10,000	271(1)(b)
7.	Shri D.M. Shripad-Legal Heir of late B.M. Shripad, Nagpur	Indl.	1970-71	6,000	271(1)(c)

[No. SIB/287/2/74-75]  
KALWANT RAI, Commissioner

## वाणिज्य भवानस्य

ग्रादेश

मई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 1975

**का०मा० 4279**—केन्द्रीय सरकार की नियाति (कवालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय है कि भारत के नियाति व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक या सभींकी है कि नियाति से पूर्व रोजिन का निरीक्षण किया जाय।

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनियिष्ट प्रस्ताव बनाया है और उन्हें नियाति (कवालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम II के उपनियम (2) द्वारा व्याप्रयोक्ति नियाति निरीक्षण परिषद को भेज दिया है।

प्रतः केन्द्रीय सरकार इव, उक्त उपनियम के अनुसरण में, उक्त प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनका उनसे प्रभावित होना सम्भाव्य है।

2. यह सूचना की जाती है कि उक्त प्रस्तावों के बारे में, कोई आवेदन या सुझाव देने की इच्छा रखने वाला कोई व्यक्ति, इस ग्रादेश के राजपत्र में प्रकाशित होने की वारीब से तीस दिन के भीतर, उन्हें नियाति निरीक्षण परिषद 'वल्ड ट्रेड सेन्टर', 14/1-बी, एचरा स्ट्रीट, (सातवीं मंजिल), कलकत्ता-1 को भेज सकेगा।

## प्रस्ताव

(1) यह अधिसूचित करना कि नियाति से पूर्व रोजिन का निरीक्षण करना होगा;

(2) (क) इस ग्रादेश के उपबन्ध-1 में विए गए रोजिन के लिए विनियंत्रणों को, रोजिन के लिए मानक विनियंत्रणों के रूप में मान्यता देना।

(ख) नियाति संविदा में विनियंत्रणों को मान्यता देना वहाँ कि ऐसे विनियंत्रण उक्त उपबन्ध में विनियिष्ट अपेक्षाओं से कम न हों;

(3) इस ग्रादेश के उपबन्ध 2 में विए गए रोजिन के नियाति (निरीक्षण) नियम, 1975 के प्रारूप के अनुसार नियाति की रीति को नियाति की ऐसी रीति के रूप में विनियिष्ट करना जो कि ऐसे रोजिन पर लागू होगी;

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में ऐसे रोजिन के नियाति का तब तक नियंत्रण करना, जब तक कि उसके साथ नियाति (व्यापाली नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अन्तर्गत स्थापित, नियाति निरीक्षण अधिकरणों में से किसी एक द्वारा दिया गया इस ग्रादेश का प्रमाण-पत्र न हो कि रोजिन पूर्वोक्त मानक विनियंत्रणों के अनुरूप है।

2. इस ग्रादेश की कोई भी वात भू-मार्ग, जल-मार्ग या वायु-मार्ग द्वारा रोजिन के नमूनों के भावी प्रेतावानों को किए गए नियाति को लागू नहीं होगी, परन्तु परेण का पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य 120 रुपए से अधिक नहीं होगा।

## स्पष्टीकरण :

इस ग्रादेश में रोजिन से ऐसा पदार्थ अभियेत है, जिसे उसका कुछ भी नाम हो, जो चीड़ के तेलीय राल से प्राप्त हो जो पारदर्शी या छोड़-छोड़े पारभासी कच्चे पिण्ठ के रूप में हो सकेगा और कांच के समान टूटने वाला होगा।

## उपाधंष्ट 1

1. प्रतोर—सामग्री का नियन लीन में से कोई एक वर्ण होगा :—

- (क) फीला
- (ख) मध्यम, तथा
- (ग) गहरा

2. श्रेणी—सामग्री के तीन प्रकारों के अन्तर्गत सामग्री निम्नलिखित ग्राउंड में से किसी भी एक वर्ण की होगी, वर्णों के मानक निम्नलिखित वर्णों के लोकी ब्राउंड कार्बों के वर्ण के समान के होने और वे कनाढ़ा बालसम से आपस में जुड़े होंगे :—

वर्ण	श्रेणी	लोकी व्याप्त वर्ष मान		
		सास	फीला	नीला
(क) फीला	एक्सा	1.35	13.0	—
	डब्ल्यू-डब्ल्यू	1.85	19.5	—
	डब्ल्यू औ	2.6	30.0	—
	एन	3.6	41.0	—
(ख) मध्यम	एम	4.9	51.0	—
	के	6.2	60.0	—
	एच	12.0	100.0	—
(ग) गहरा	झी	75.0	160.0	—

3. अलनशीलता—सामग्री अल्कोहल, ईमर, पेट्रोलियम हाइड्रो-कार्बन यिलायक तथा तारपीन के तेल में घोड़ा सा ही गर्म करने पर पूरी तरह छुल जाएगी।

4. सामग्री नीबू की सारणी में दी गई अपेक्षाओं के अनुरूप भी होगी :—

क्रम मं०	विशेषताएँ	प्रकार के लिए अपेक्षा			
		फीली	मध्यम	गहरी	
(1)	वर्ण	सम्बन्धित लोकी व्याप्त वर्ष मान 3.2 के अनुरूप या सम्बन्धित स्थायी कांच मानक से भेल जाते हुए।			
(2)	भृत्यकरण चिन्ह °सें०	60-75	60-75	60-75	
(3)	सम्बन्धित चन्द्र 30°/ 30°सें०	1.05 से 1.08	1.05 से 1.08	1.10	
(4)	न्यूनतम अम्ल मात्रा	160	155	155	
(5)	वाल्पशील पदार्थ के भार का अधिकतम प्रतिशत	2.00	2.00	2.00	
(6)	रात्र के अंग के भार का अधिकतम प्रतिशत	0.05	0.20	0.5	
(7)	टोल्यूहन में भ्रष्टलनशील पदार्थ के भार का अधिकतम प्रतिशत	0.10	0.40	1.00	
(8)	असाक्षात्कारणीय पदार्थ का भार के अनुसार अधिकतम प्रतिशत	6.0	8.0	6.0	

## उपर्युक्त 2

नियाति (क्षासिटी नियंत्रण प्रौर निरीक्षण) प्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) को धारा 1917 के अन्तर्गत बनाए जाने वाले प्रस्तावित प्राप्त नियम।

1. संक्षिप्त नाम :—इन नियमों का संक्षिप्त नाम रोजिन नियाति (निरीक्षण) नियम, 1975 है।

2. परिभाषा :—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से, अन्यथा अपेक्षित नहीं हो :—

(क) "अधिनियम" से नियाति (क्षासिटी नियंत्रण प्रौर निरीक्षण) प्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है।

(ख) "अभिकरण" से प्रधिनियम की धारा 7 के अन्तर्गत स्थापित नियाति निरीक्षण अभिकरणों में से कोई अभिकरण अभिप्रेत है।

(ग) 'रोजिन' से चौड़ी से प्राप्त वड, लेखीय राल अभिप्रेत है, जो आवश्यक या छोटे-छोटे पारमार्थी पिण्ड के रूप में हो सकेगा और कांच समान दृटने वाला हो।

3. निरीक्षण का आधार :—रोजिन का निरीक्षण यह सुनिश्चित करने के विचार से किया जाएगा कि वह, अधिनियम की धारा 6 के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त विनियोगों के अनुरूप है।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया :—(1) रोजिन के नियाति करने की इच्छा रखने वाला अविक्षित, ऐसा करने के अपने आवश्यकीय की सूचना लिखित रूप में संबंधित नियाति निरीक्षण अभिकरण को देगा तथा ऐसी सूचना के साथ नियाति संविदा या आदेश की एक प्रति अभिकरण के निकटतम कार्यालय को देगा जिससे वह नियम 3 के अनुसार निरीक्षण कर सके।

(2) उप-नियम (1) के अन्तर्गत प्रत्येक सूचना पोत-लकड़ान की प्राप्ति तारीख से कम से कम सात दिन पहले ही जाएगी।

(3) उप-नियम (2) के अन्तर्गत सूचना के प्राप्त होने पर, अभिकरण, नियम 3 तथा पार्टिव्ह द्वारा समय-समय पर आरी किए गए नियमों के अनुसार निरीक्षण होगा।

(4) यदि निरीक्षण के पश्चात, अभिकरण ने अपना यह समाधान कर लिया है कि नियाति किए जाने वाले रोजिन का पोषण नियम 3 की अपेक्षाओं के अनुरूप है, तो वह उप-नियम (2) के अन्तर्गत सूचना प्राप्त होने के सात दिन के भीतर, नियाति कर्ता को यह घोषणा करते हुए प्रमाण-पत्र देगा कि परेषण नियाति योग्य है।

परन्तु यदि, जहाँ अभिकरण ने अपना इस प्रकार का समाधान नहीं किया है, तो वह उक्त मात्र विस्तों की अविधि के भीतर ऐसा प्रमाण पत्र देने से इंकार कर देगा तथा ऐसे इंकार की सूचना उसके कारण सहित नियातिकर्ता को देगा।

5. निरीक्षण का स्थान :—इन नियमों के अन्तर्गत प्रत्येक निरीक्षण या तो विनियोग के परिसरों पर या उन विस्तों पर, जहाँ नियातिकर्ता द्वारा माल प्रस्तुत किया गया है, उस दणा में किया जाएगा जबकि वहाँ इस प्रयोजन के लिए प्रयोगित सुविधाएं हों।

6. निरीक्षण फीस :—इन नियमों के अन्तर्गत प्रत्येक परेषण के लिए 50 रुपए की अधिकारम दीमा में रहते हुए सामग्री के प्रति किलोग्राम के लिए दो पैसा की दर से फीस निरीक्षण फीस के रूप में दी जाएगी।

7. अपील :—(1) नियम (4) के उप-नियम (4) के पश्चात निरीक्षण अभिकरण के प्रमाण पत्र देने से इंकार करने से अधिकतम उसके द्वारा ऐसे इंकार की सूचना प्राप्त होने के दस दिनों के भीतर कम से कम तीन किन्तु सात से अनधिक ऐसे विशेषज्ञों के पैनल की अपील कर सकेगा जिसे केन्द्रीय सरकार ने हस्त प्रयोजन के लिए नियुक्त किया हो।

(2) पैनल में, विशेषज्ञों के पैनल की कुल संख्या के कम से कम दो तिक्काई द्वारा सरकारी-सदस्य होंगे।

(3) पैनल की गणपुति तीन से होगी।

(4) अपील प्राप्ति से 15 दिनों के भीतर निपटा दी जाएगी।

[सं. 67(17)/74-नि०नि० तथा श०सं०]

क० श्री शास्त्रज्ञानियम, उप निदेशक

## MINISTRY OF COMMERCE ORDER

New Delhi, the 4th October, 1975

S.O. 4279.—Whereas, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do for the development of the export trade of India, that rosin should be subject to inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council, as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within thirty days of the date of publication of this Order in the official Gazette to the Export Inspection Council, 'World Trade Centre', 14/1B, Ezra Street (7th floor), Calcutta-1.

### PROPOSALS

(1) To notify that rosin shall be subject to inspection prior to export;

(2) to recognise—

(a) the specifications for rosin as set out in Annexure-1 to this Order, as the standard specifications for rosin;

(b) the specifications in the export contract, provided that such specifications do not fall below the requirements specified in the said Annexure;

(3) To specify the type of inspection in accordance with the draft Export of Rosin (Inspection) Rules, 1975, set out in annexure II to this Order as the type of inspection which would be applied to such rosin;

(4) to prohibit the export in the course of international trade of such rosin, unless the same is accompanied by a certificate, issued by any of the Export Inspection Agencies, established under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) to the effect that the rosin conforms to the aforesaid standard specifications.

2. Nothing in this Order shall apply to the export by land, sea or air of samples of rosin to the prospective buyers provided the F.O.B. value of the consignment does not exceed rupees one hundred and twenty five.

### Explanation :

In this Order 'Rosin' means the material by whatever name called, derived from oleoresin of pine which may be in the form of transparent or slightly translucent brittle lumps with a glassy fracture.

## ANNEXURE-I

(1) Type—The material shall be one of the following 3 types :—

- (a) Pale.
- (b) Medium, and
- (c) Dark.

(2) Grades—The material shall be any one of the following 8 colour grades under the 3 types of the material, the colour standards being equivalent to Lovibond glasses of the following colour values and cemented together with Canada balsam.

Lovibond colour value

	1	2	3	4	5
Type	Lovibond colour value				
	Grade	Red	Yellow	Blue	
(a) Pale	X	1.35	13.0	—	
	WW	1.85	19.5	—	
	WG	2.6	30.0	—	
	N	3.6	41.0	—	
(b) Medium	M	4.9	51.0	—	
	K	6.2	60.0	—	
	H	12.0	100.0	—	
(c) Dark	D	75.0	160.0	3.0	

(3) Solubility—The material shall be wholly soluble in alcohol, ether, petroleum hydrocarbon solvent and oil of turpentine under slight warming.

(4) The material shall also comply with the requirements given in the Table below :—

TABLE  
(Requirements for Rosin)

Sl. No. Characteristics	Requirement for Type		
	Pale	Medium	Dark
(1) Colour	Equivalent to corresponding Lovibond colour value 3.2 or matching colour of corresponding permanent glass standard.	3.2	—
(2) Softening point °C	60-75	60-75	60-75
(3) Relative density 30°/30°C	1.05 to 1.08	1.05 to 1.08	1.05 to 1.10
(4) Acid value, Min	160	155	155
(5) Volatile matter, percent by weight, Max	2.00	2.00	2.00
(6) Ash content, percent by weight, Max	0.05	0.20	0.5
(7) Matter insoluble in toluene, percent by weight, Max	0.10	0.40	1.00
(8) Unsaponifiable matter, percent by weight, Max	6.0	6.0	6.0

## ANNEXURE-II

(Draft rules proposed to be made under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963)

1. Short title:—These rules may be called the Export of Rosin (Inspection) Rules, 1975

2. Definitions:—In these rules unless the context otherwise requires—

- (a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).
- (b) "Agency" means any one of the Export Inspection Agencies, established under section 7 of the Act.
- (c) "Rosin" means the material derived from oleoresin of pine which may be in the form of transparent or slightly translucent brittle lumps with a glassy fracture.

3. Basis of inspection—Inspection of rosin shall be carried out with a view to ensuring that the quality of the same conforms to the specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act.

4. Procedure of inspection—(1) The exporter intending to export rosin shall give intimation in writing of his intention so to do to the concerned Export Inspection Agency and submit along with such intimation a copy of the export contract or order to the nearest office of the Agency to enable it to carry out the inspection in accordance with rule 3.

(2) Every intimation under sub-rule (1) shall be given not less than seven days before the expected date of shipment.

(3) On receipts of the intimation under sub-rule (2) the Agency shall carry out the inspection in accordance with rule 3 and instructions issued by the Council from time to time.

(4) If after the inspection, the Agency is satisfied that the consignment of rosin to be exported complies with the requirements of rule 3, it shall, within seven days of the receipt of the intimation under sub-rule (2) issue a certificate to the exporter declaring the consignment as export-worthy;

Provided that where the Agency is not so satisfied, it shall within the said period of seven days refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter along with the reasons therefor.

5. Place of inspection—Every inspection under these rules shall be carried out either at the premises of the manufacturer or at the premises at which the goods are offered by the exporter provided adequate facilities for the purpose exist therein.

6. Inspection fee—Subject to minimum of Rs. 50 for each consignment a fee at the rate of two paise for each kilogram of the material shall be paid as inspection fee under these rules.

7. Appeal—(1) Any person aggrieved by the refusal of the inspection agency to issue a certificate under sub-rule (4) of rule 4, may, within ten days of receipt of the communication of such refusal by him, prefer an appeal to a panel of not less than three but not more than seven such experts as may be appointed for the purpose by the Central Government.

(2) At least two-thirds of the total membership of the panel of experts shall consist of non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed of within fifteen days of its receipt.

[No. 6(17)/74-EI & EP.]  
K. V. BALASUBRAMANIAN, Dy Director

मुख्य नियंत्रण, आयात-नियंत्रण का कार्यालय

आवेदन

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1975

कांग्रो 4280.—राज्य आपार निगम को सामान्य मुद्रा थेट से निम्न घनत्व का से पालिएथिलीन मोल्डिंग पाउडर का आयात करने के लिए 75000 रुपए मूल्य का एक लाइसेंस सं० जी/टी/1060869 दिनांक 10-7-73 प्रशन किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति उक्त कांग्रो 4280 को गई है। लाइसेंसधारी ने आगे यह बताया है कि उक्त लाइसेंस भारत के किसी भी पत्तन पर पंजीकृत नहीं कराया गया है।

मपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। निम्नलिखित संतुष्ट है कि लाइसेंस सं० जी/टी/1060869 दिनांक 10-7-73 की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति खो गई है और नियंत्रण दिया है कि उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति अनुलिपि प्रति उक्त लाइसेंसधारी को प्रदान की जानी चाहिए। उक्त

लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति को इस के द्वारा रख दिया जाता है।

लाइसेंस सं. जी/टी/1060869 दिनांक 10-7-73 की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुमति प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[मंद्या एम टी सी/विविध-289-298/73-74/ग्राम एम संत]

के० ग्राम श्रीनिवासन, उप-मुद्रा नियंत्रक

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS

ORDER

New Delhi, the 15th September, 1975

**S.O. 4280.**—The S. T. C. of India Ltd., New Delhi were granted licence No. G/T/1060869 dated 10-7-73 for the import of Low Density Polyethylene Moulding Powder from Q. C. A. to the value of Rs. 75,000. They have requested for the issue of duplicate Exchange Control Copy of the above licence on the ground that the original Exchange Control copy of the above licence has been lost by them. It has been further reported by the licensee that the licence has not been registered with any port in India.

In support of their contention, the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that Exchange Control copy of licence No. G/T/1060869 dated 10-7-73 has been lost and direct that Exchange Control copy of the said licence should be issued to them. The Exchange Control copy of the licence is hereby cancelled.

Exchange Control copy of the licence No. G/T/1060869 dated 10-7-73 is being issued separately.

[File No. STC/Misc-289-298/73-74/RM Cell]

K. R. SRINIVASAN, Dy. Chief Controller

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1975

**का० आ० 4281.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में मलाया पत्तन से उत्तर प्रवेश में मधुगा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय तेल निगम लिमिटेड द्वारा बिकाई जानी जाएँ।

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों की विघ्नने के प्रयोजन के लिए एतदुपादान अनुमति में बिंदित भूमि में उपयोग का अधिकार अंजित करना आवश्यक है।

अतः, अब, पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अंजित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन विघ्नने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय तेल निगम लिमिटेड, मलाया कोयाली/मधुगा पाइपलाइन प्रोजेक्ट, "डोसी"/33/बी, हरिहर सोसाइटी, राजकोट को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनियिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुमति

तालुका : ग्रानन्द

जिला : खेदा

राज्य : गुजरात

गांव	मर्वेश्वर मं०	तक
	पंच	ए वर्गमील
ग्रामाद	876	0-0-9-14
	1+2+3	878
		0-0-5-10

[सं. 12017/4/74एल० एण्ड एल०/1]

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS

New Delhi, the 16th September, 1975

**S.O. 4281.**—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now; therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyali/Mathura Pipeline Project, "DOLI" 33-B, Harihar Society, Rajkot.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Taluka : Anand	Dist : Kheda	State : Gujarat
Village	Survey No.	Extent
	H.A. Sq. M.	
Vasad	867	0-0-9-14
	1+2+3	878
		0-0-5-10

[No. 12017/4/74/L&L/I]

गुद्धि-पत्र

**का० आ० 4282.**—पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अन्तर्गत गुजरात राज्य के जिला खेदा, तालुका ग्रानन्द के लिये भारत के राजपत्र के भाग II, खंड 3(ii) के पृष्ठ संख्या 2525 से 2532 तक दिनांक 12-7-75 को प्रकाशित का० आ० संख्या 2203 के द्वारा भारत सरकार, पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 12017/4/74-एल० एण्ड एल०/1 दिनांक 20-6-75 के साथ संलग्न अनुमति के स्थान पर अब से इसके साथ संलग्न अनुमति को पढ़ें।

## प्रान्तिकी

गांव : अदोद तालुका : आनन्द ज़िला : खेडा गुजरात राज्य  
के लिए पर्याप्त

क्रमांक	तक	क्रमांक	तक
	एवं ए वर्गमील		एवं ए वर्गमील
456/2	0-07-08	456/2	0-07-08
461	0-04-32	463	0-04-32
गांव : हेडगुड तालुका : आनन्द ज़िला : खेडा गुजरात राज्य			
29/2	0-04-00	29/1/2	0-04-00
29/1	0-01-60	29/1/1	0-01-60
गांव बकरोल तालुका : आनन्द ज़िला : खेडा गुजरात राज्य			
2136/2	0-00-96	2135/2	0-00-96
[संख्या 12017/4/74-एल० एण्ड एल०/2]			

## ERRATUM

S.O. 4282—In the schedule appended to the notification of the Government of India, Ministry of Petroleum & Chemicals No. 12017/4/74-L&L/I dt. 20-6-75 published vide S.O. No. 2203 dated 12-7-75 from page no. 2525 to 2532 of the Gazette of India part II, Section 3(ii) for Taluka Anand Dist. Kheda Gujarat State, under sub-section (1) of Section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) read as per the schedule annexed hereto.

## SCHEDEULE

Village: Vadod Taluka : Anand Dist: Kheda Gujarat State  
For Read

Sl. No.	Extent	Sl. No.	Extent
	H.A.Sq.M.		H.A.Sq.M.
456/2	0-07-08	465/2	0-07-08
461	0-04-32	463	0-04-32
Village: Hadgood Taluka:Anand Dist: Kheda Gujarat State			
29/2	0-04-00	29/1/2	0-04-00
29/1	0-01-60	29/1/1	0-01-60
Village:Bakrol Taluka:Anand Dist: Kheda Gujarat State			
2136/2	0-00-96	2135/2	0-00-96

[No. 12017/4/74-L&L/II]

## पुष्टि पत्र

का० आ० 4283.—पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के प्रधिकार का प्रजन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 8 की उपधारा (1) के अन्तर्गत गुजरात राज्य के ज़िला राजकोट, तालुका पधारी के लिये भारत के राजपत्र के भाग-II, अंड 3(ii) के पृष्ठ सं 2532 से 2534 के तक दिनांक 12-7-75 को प्रकाशित का० आ० 2204 के द्वारा भारत सरकार, पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय की प्रधिसूचना संख्या 12017/4/74-एल एण्ड एल०/3 दिनांक 20-6-75 के साथ संलग्न अनुसूची के स्थान पर अब से इसके साथ संलग्न अनुसूची को पढ़ें।

## प्रान्तिकी

गांव : हेदमातिया तालुका : पधारी ज़िला : राजकोट गुजरात राज्य  
के लिए पर्याप्त

क्रमांक	तक	क्रमांक	तक
	एवं ए वर्गमील		एवं ए वर्गमील
136	0-23-69	136	0-23-96
गांव : मोसी चनोल तालुका : पधारी ज़िला : राजकोट गुजरात राज्य			
55/1	0-19-76	50/1	0-19-76
गांव : पधारी तालुका : पधारी ज़िला : राजकोट गुजरात राज्य पधारी			

[मं० 12017/4/74-एल एण्ड एल०/3]

New Delhi, dated 16th September 1975

## ERRATUM

S.O.4283—In the schedule appended to the notification of the Government of India, Ministry of Petroleum & Chemicals No. 12017/4/74-L&L-III dt. 20-6-75 published vide S.O. No. 2204 dated 12-7-75 from page No. 2532 to 2534 of the Gazette of India part II Section 3(ii) for Taluka Paddhari Dist. Rajkot Gujarat State, under Sub-section (1) of Section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) read as per the schedule annexed hereto.

## SCHEDULE

Village:Hedmatia Taluka:Paddhari Dist.:Rajkot Gujarat State  
For Read

Sl. No.	Extent	Sl. No.	Extent
	H.A.Sq.M.		H.A.Sq.M.
136	0-23-69	136	0-23-96
Village: Moti-Chanol Taluka:Paddhari Dist. Rajkot Gujarat State Paddhari			
5/1	0-19-76	50/1	0-19-76

[No. 12017/4/74-L&L/III]

का० आ० 4284.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सलाया पत्तन से उत्तर प्रदेश में मधुरा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय तेल नियम लिमिटेड द्वारा नियमित आवश्यक है।

प्रीर यह: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एन्ड्रामार्ग अनुसूची में विनाय भूमि में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करना आवश्यक है।

अतः, यह, पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का प्रजन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त प्रक्रियाओं का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का प्रधिकार प्रजित करने का प्रयत्न आवश्यक एतद्वारा घोषित किया है।

उक्त भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आवश्यक सभी प्राधिकारी, भारतीय तेल नियम लिमिटेड, सलाया कोशली/मधुरा पाइपलाइन प्रोजेक्ट, "डॉली"-33-री, हरिहर सोसाइटी, राजकोट को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

ऐसा प्राधेय करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विश्रि व्यक्तिशः की सार्कत।

## प्रान्तिकी

तालुका : बादोदरा ज़िला : बादोदरा गुजरात राज्य

गांव	संखेध्य नं०	तक
पदमाला	738	एवं ए वर्गमील 0--03-20

[मं० 12017/4/74-एल एण्ड एल०/2]

**S.O. 4284.**—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And Whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyalji/Mathura Pipeline Project, "DOLI" 33-B, Harihar Society, Rajkot.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### SCHEDULE

Taluka: Vadodara	Dist: Vadodara	Gujarat State
Village	Survey No.	Extent
Padmala	738	0-03-20

[No. 12017/6/74-L&L/JI]

**का० आ० 4285.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावधानक है कि गुजरात राज्य में मलाया पतन से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय सेवा निगम लिमिटेड द्वारा बिल्ड जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि एसी लाइंसों को बिछाने के प्रयोगन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अब, पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आप्य एतद्वारा घोषित किया है।

उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए प्राथमिक सक्षम प्राप्तिकारी, भारतीय नेतृत्व निगम लिमिटेड, मलाया कोयानी/मथुरा पाइपलाइन प्रोजेक्ट, "डोली" - 33-बी, हरिहर सोसाइटी, राजकोट को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

ऐसा प्राप्तेप करने वाला हर व्यक्ति विनिष्ट यह भी कथन करेगा कि व्या वह यह आहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवस्थापी भी मार्फत।

#### अनुसूची

तालुका : सानन्द	जिला : अहमदाबाद	गुजरात राज्य
गांव	गवर्धन नं०	तक
पक्ष ए वर्गीय		

सानन्द 1657/पी 2 0-04-80

[मे० 12017/2/75-एल० एप्ल० एल०]

New Delhi, 16 Sept., 1975

**S.O. 4285.**—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And Whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its Intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyalji/Mathura Pipeline Project, "DOLI" 33-B, Harihar Society, Rajkot.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### SCHEDULE

Taluka : Sanand	Dist : Ahmedabad	Gujarat State
Village	Survey No.	Extent
Sanand	1657/P2	0 — 04 — 80

[No. 12017/2/75-L & L]

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1975

**का० आ० 4286.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावधानक है कि गुजरात राज्य में जी जी एस कार्ड से जी जी एस सोसाइट तक दूंक लाइन मिलाते हुए एत के 76 से एत के 77 से जी जी एस कम सी दी एक कार्ड तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिल्ड जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइंसों को बिछाने के प्रयोगन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अब, पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बास्ते कि उक्त भूमि में हितखु कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आवेदन संक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड बरौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आवेदन करने वाला हर व्यक्ति विनियिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि अवसाधी की मार्फत।

#### अनुसूची:

जो जी एस कादी से जी जी एस सोभासन तक ट्रक लाइन बिछाने हुए थे न० पन के 76 से पन के 77 तक जी जी एस कम सी टी एफ कादी तक पाइपलाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तालुका : मेहसाना और कादी

गाँव	सर्वेक्षण नं	हेक्टर	ऐप्पार्टमेंट	काठे
मेहसानपुरा	354	0	13	50
	351	0	12	00
छालासन	161	0	12	00
	162	0	04	00
	187	0	07	00
	188/1	0	01	00
	191/P	0	03	00
	192/P	0	03	00
	192/P	0	03	00
	195	0	09	50
काटे ट्रक	0	05	00	

[सं. 12016/12/75-एल एण्ड एल-1]

New Delhi, the 17th September, 1975

S.O.4286.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from d.s. NK-76 to NK-77 to GGS Cum CTF Kadi connecting with Trunk line From GGS Kadi to GGS Sobhasan in Gujarat State, pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

2. And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the Right of User in the Land described in the schedule annexed hereto;

3. Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of User therein;

4. Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Baroda-9;

5. And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### SCHEDULE

For laying pipeline from well No. NK-76 to NK-77 to GGS-Cum-CTF Kadi connecting with trunk line from GGS Kadi to GGS Sobhasan.

State : Gujarat	District : Mehsana	Taluka : Mehsana & Kadi.		
Village	Survey No.,	Hec.	Are	Centiare
Mehsinadpura	354	0	13	50
	351	0	12	00
Chalasan	161	0	12	00
	162	0	04	00
	187	0	07	00
	188/1	0	01	00
	191/P	0	03	00
	192/P	0	03	00
	192/P	0	03	00
	195	0	09	50
Cart-track	0	05	00	

[No. 12016/12/75-L & LI]

का० आ० 4287.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सोभासन जी जी एस कम सी टी एफ द्रव्यासागर डायरी गैस पाइपलाइन पर अनोड ब्रेड से कैथो-विक प्रोटेक्शन स्टेशन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यह यह प्रतीत होता है कि ऐसे लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वाबद्ध अनुसूची में बिंगल भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः यब पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्रयोजन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त प्रक्रियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार से उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का प्राप्तवाय एतद्वारा घोषित करती है।

बास्ते की उक्त भूमि में हितखु कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आवेदन संक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड बरौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आवेदन करने वाला हर व्यक्ति विनियिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई करने वाला व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसाधी की मार्फत।

#### अनुसूची

जो जी एस कम सी टी एफ से द्रव्यासागर डायरी गैस पाइपलाइन तक आवेदन की गयी अनुसूची में बिंगल भूमि से कैथो-विक प्रोटेक्शन स्टेशन तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला : मेहसाना	तालुका : मेहसाना		
गाँव	लालक नं	हेक्टर	ऐप्पार्टमेंट	काठे
मुआसन	126	0	00	35.5
	बांड	0	00	11.5
	146/1/ए/पी	0	09	47.5

[सं. 12016/12/75-एल एण्ड एल-2)

S.O. 4287.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from d.s. Anode Bed to Cathodic Protection station on sobhasan GGS Cum CTF To Dudhsagar Diary Gas Pipeline in Gujarat State, pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

2. And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the RIGHT OF USER in the land described in the schedule annexed hereto;

3. Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of User therein;

4. Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Baroda-9;

5. And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### SCHEDULE

For laying pipeline from anode bed to cathodic protection station on Sobhasan G.G.S. Cum C.T.F. to dudhsagar diary gas pipeline.

State : Gujarat	District : Mehsana	Taluka : Mehsana	
Village	Block No.	Hec. Are	Centiare
Punasan	126	0 00	35.5
Road		0 00	11.5
146/I/A/P		0 09	47.5
[No. 12016/12/75-L&L/II]			

प्रा० आ० 4288.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भावशक है कि गुजरात राज्य में अनोड बेड और वाइर बेड के लिए पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिश्वाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्यावद् प्रानुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

प्रतः अब पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आपाय एतद् द्वारा घोषित किया है।

ब्राह्मण की उस भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आयोग सकार अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड बरोदा-9 को इस प्रानुसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आयोग करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### प्रानुसूची

प्रानोड बेड और वाइर बेड के लिए भूमि उपयोग के अधिकार का अर्जन राज्य: गुजरात	जिला: मेहसाना	तालुका काढी	
गांव	रावेश्वर नं०	हेक्टर	ऐप्रारई सेन्टीए आरई
काढी	1975	0 00	17
	1977/पी	0 00	75
	1977/पी	0 00	27
	1976/पी	0 00	50
	कार्ट्रैक	0 00	16

[मे० 12016/12/75 एल एण्ड एल/3]

S.O. 4288.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum for Anode Bed and Wire Bed in Gujarat State, pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

2. And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

3. Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of User therein;

4. Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Baroda-9;

5. And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### SCHEDULE

Acquisition of right of user for anode bed and Wire Bed.

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kadi

Village	Survey No.	Hec.	Arc.	Cen-tlate
Kadi	1975	0 00	17	
	1977/P	0 00	75	
	1977/P	0 00	27	
.	1976/P	0 00	50	
	Cart Track	0 00	16	

[No. 12016/12/75-L & L/II]

प्रा० आ० 4289.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भावशक है कि गुजरात राज्य में कैंयोडिक प्रोटेक्शन स्टेशन से अनोड बेड घार० प्रा० पू० तक वाइर बेड के लिए पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिश्वाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों के बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्यावद् प्रानुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

प्रतः अब पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आपाय एतद् द्वारा घोषित किया है।

ब्राह्मण की उस भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आयोग सकार अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग निमाण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड बरोदा-9 को इस प्रानुसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आयोग करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## मनुसूची

कैथोडिक प्रोटेक्शन स्टेशन से अनोड बेड आर यू तक वार्ड बेड बिछाने के लिए आर आर यू का अर्जन

राज्य गुजरात	जिला: बड़ौदा और बरोआच	तालुका: कारजन और बरोआच
गांव	ब्लॉक नॉ.	हेक्टर एकार्ड सेटीए आरई
गांव मानपुर	जिला बड़ौदा	तालुका कारजन
	132	0 00 93
गांव नामीपुर	जिला बरोआच	तालुका बरोआच
	सर्वेक्षण नॉ.	
	247/1	0 61 00

[सं 12016/15/75-एल एण्ड एल]

**S.O. 4289.**—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the Wire bed from Cathodic Protection Station to Anode bed Rau in Gujarat State, pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

2. And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

3. Now therefore, In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of User therein;

4. Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & maintenance Division, Makarpura Road, Baroda-9;

5. And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

## SCHEDULE

Acquisition of R.O.U. for wire bed from Cathodic Protection Station to Anode Bed R.O.U  
State : Gujarat District Baroda & Broach Taluka : Karjan & Broach

Village	Block No.	Hectare	Acre	Cent	tiare
Village : Manpur	District : Broada	Taluka : Karjan			
	132	0 00	93		
Village : Nabipur	District : Broach	Taluka : Broach			
	Survey No.				
	247/1	0 01	00		

[No. 12016/15/75-L & L]

नई दिल्ली 18 सितम्बर, 1975

का० आ० 4290.—यस: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में के 171 से जी जी एस 7 अप से कुएं के नॉ 136 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेस तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाइ जानी चाहिए।

और यह: यह प्रतीत होता है कि ऐसी साइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वाबद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार प्राप्ति करना आवश्यक है।

अतः, यह पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्राप्ति) प्राथमिक, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार प्राप्ति करने का अपना आवश्य एतद्वारा घोषित किया है।

वास्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्तम प्राधिकारी तेस प्राकृतिक गैस आयोग नियमण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड बरोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह जाहाज है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## मनुसूची

डी एस के 171 से जी जी एस 7 अप से कुएं नॉ के-136 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य गुजरात	जिला गांधी नगर	तालुका गांधीनगर
गांव	ब्लॉक नॉ.	हेक्टर एकार्ड सेटीए आरई
गांव मुनोरासन	जिला गांधीनगर	तालुका गांधीनगर
	334	0 07 15
	335	0 09 00
	332	0 06 00
गांव उवारसद	जिला गांधीनगर	तालुका गांधीनगर
सर्वेक्षण नॉ.		
	1255	0 28 80
	1253	0 14 25
	1252	0 22 45
	1251	0 11 17

[सं 12016/14/75-एल एण्ड एल] डी० पी० सुबहमनियन, प्रबन्ध सचिव

New Delhi the 18 September, 1975

**S.O. 4290.**—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from d.s. K 171 to GGS VII upto Well No. K 136 in Gujarat State, pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

2. And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed thereto;

3. Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of User therein;

4. Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Baroda-9;

5. And every Person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

## SCHEDULE

For Laying Pipeline from D.S. K-171 to G.G.S.VII up to well  
No. K-136

State: Gujarat District: Gandhinagar Taluka: Gandhinagar

Village Block No. Hec. Arc Centire

Village : Pundrasan	District : Gandhinagar	Taluka : Gandhinagar
334	0	07 15
335	0	09 00
332	0	06 00

Village : Uversad	District : Gandhinagar	Taluka : Gandhinagar
Survey No.		
1253	0	28 80
1253	0	14 25
1252	0	22 45
1251	0	11 17

[No. 12016/14/75-L & L]

T. P. SUBRAMANYAN, Under Secy.

## ऊर्जा भवालय

## कोयला विभाग

नई ब्रिली, 11 सितम्बर, 1975

का० आ० 4291.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रसीद होता है कि उन भूमियों से जो इससे उपायुक्त अनुसूची में वर्णित हैं, कोयला अभियास किए जाने की संभाव्यता है;

अतः अब, कोयला वाले भेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) वारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उनमें कोयले के लिए पूर्वोक्त करने के अपने आशय की सूचना देती है।

इस अधिनियम के प्रत्यर्पत आने वाले भेत्र के रेखांक का निरीक्षण, राष्ट्रीय कोयला विकास निगम लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) के कार्यालय दरभंगा हाउस, रांची में या कलकटा, नागपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक के कार्यालय, 1 कौंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता में किया जा सकता है।

इस अधिनियम के प्रत्यर्पत आने वाली भूमि में हितबद्ध सब व्यक्ति, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सब मानविक चार्ट और अन्य दस्तावेज़े इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से नव्वे दिन के भीतर राजस्व अधिकारी, राष्ट्रीय कोयला विकास निगम लिमिटेड, दरभंगा हाउस, रांची को परिवर्त कर देंगे।

## अनुसूची

बीना भाल कम्नी कोयला भेत्र महाराष्ट्र

[जी० आर० जी० सं० राजस्व/16/75]

दिनांक 2-6-75

(जिसमें पूर्वोक्त के लिए अधिसूचित भूमियां दर्शित हैं)

क्रम सं०	ग्राम	तहसील	मोजा सं०	जिला	भेत्र टिप्पणी
1. बीना		मोनेर	136	नागपुर भाग	
2. भानिगांव		यथोक्त	168	" "	

3. बिचौली	मोनेर	77	"	"
4. सिलेवाडा	यथोक्त	224	"	"
5. छद्कापुर	यथोक्त	71	"	"
6. सहोली	रामटेक	351	"	"
7. झोर्ली	यथोक्त	142	"	"

कुल क्षेत्र :— 3008.00 एकड़ (लगभग)  
या :— 1217.28 हेक्टेयर (लगभग)  
या :— 4.70 वर्गमील (लगभग)

## सीमा वर्णन :

ए-बी लाइन सहोली ग्राम में कन्हन नदी से होकर प्रथात् कोयला वाले भेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन प्रजित काम्पटी ब्लाक ए की आंशिक सामान्य सीमा के साथ-साथ जाती है।

बी-सी लाइन कन्हन नदी की (जो सिलेवाडा और सहोली ग्रामों की आंशिक सामान्य सीमा है और साथ ही को० वा० क्षेत्र० (प्र० और वि०) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन प्रजित काम्पटी ब्लाक 'ए' की आंशिक सामान्य सीमा भी है) आंशिक मध्य रेखा के साथ-साथ जाती है।

सी-डी-ई लाइन सिलेवाडा और छद्कापुर ग्रामों से होकर प्रथात् को० वा० क्षेत्र० (प्र० और वि०) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन प्रजित काम्पटी ब्लाक 'ए' की आंशिक सामान्य सीमा के साथ-साथ जाती है।

ई-एफ लाइन छद्कापुर और बिचौली ग्रामों में रेल की आंशिक सीमा के साथ-साथ जाती है।

एफ-जी लाइन बिचौली और भानिगांव ग्रामों में सङ्क की आंशिक उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है।

जी-एच लाइन भानिगांव और बीना ग्रामों से होकर जाती है।

एच-आर० लाइन कन्हन नदी की (जो बीना और जूरी ग्रामों काम्पटी की आंशिक सामान्य सीमा है) आंशिक मध्य रेखा के साथ-साथ जाती है।

एच-ओ लाइन कन्हन नदी की (जो बीना और जूरी काम्पटी ग्रामों की आंशिक सामान्य सीमा, बीना और घटोहन ग्रामों की सामान्य सीमा और साथ ही कोयला वाले भेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 7(1) के अधीन प्रजित काम्पटी 'सी' की आंशिक सामान्य सीमा भी है) आंशिक मध्य रेखा के साथ-साथ जाती है।

जे-ए लाइन झोर्ली और सहोली ग्रामों में कन्हन नदी की आंशिक उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है।

[सं० 19/22/75-सैल]

एस० आर० ए० [रज्जी, उप सचिव

## MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 11th September, 1975

S.O. 4291.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan of the area covered by this notification can be inspected in the office of the National Coal Development Corporation Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi or at the office of the Collector, Nagpur (Maharashtra) or at the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, National Coal Development Corporation Limited, Darbhanga House, Ranchi within ninety days from the date of publication of this notification.

#### SCHEDULE

Bina Block Kamptee Coalfield Maharashtra

Drg. No. Rev/16/75  
Dated 2-6-75

(Showing lands notified for prospecting).

Serial No.	Village	Tahsil	Mouza number	District	Area	Remarks
1. Bina	Saoner	156	Nagpur	Part		
2. Bhanagaon	-do-	168	"	Part		
3. Chichouli	-do-	77	"	Part		
4. Silewara	-do-	224	"	Part		
5. Chadkapur	-do-	71	"	Part		
6. Saholi	Ramtek	351	"	Part		
7. Dorli	-do-	142	"	Part		

Total area :—3008.00 acres (approximately)  
or 1217.28 hectares (approximately)  
or 4.70 Sq. miles (approximately)

#### Boundary description

- A-B line passes through River Kanhan in village Saholi (i.e. along the part common boundary of Kamptee Block Acquired under section 9(1) of C.B.A. (A & D) Act, 1957.
- B-C line passes along the part central line of River Kanhan (which is the part common boundary of villages Silewara and Saholi and also the part common boundary of Kamptee Block 'A' acquire u/s 9 (1) of C.B.A. A & D Act, 1957.
- C-D-E lines pass through villages Silewara and Chadkapur (i.e. along the part common boundary of Kamptee Block 'A' acquired u/s 9 (1) of the C.B.A. (A & D) 1957.
- E-F line passes along the part boundary of the Railway in villages Chadkapur and Chichouli.
- F-G line passes along the part northern boundary of Road in villages Chichouli and Bhanagaon.
- G-H line passes through villages Bhanagaon and Bina.
- H-I line passes along the part central line of River Kanhan (which is the part common boundary of village Bina and Juni Kampti).
- I-J line passes along the part central line of River Kanhan (which is the part common boundary of villages Bina and Juni Kampti common boundary of villages Bina and Ghatothan and also part common boundary of Kamptee Block 'C' notified under section 7(1) of C.B.A. (A & D) Act, 1957.
- J-A line passes along the part northern boundary of River Kanhan in villages Dorli and Saholi.

[No. 19 (22)/75-CEL]  
S.R.A. RIZVI, Dy. Secy.

उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1975

का० आ० 4292.—केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के गृह मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 208 (प्र), तारीख 16 मई, 1975 के अनुसरण में 1 सितम्बर, 1975 को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिस तारीख को संप्रतीकों और नामों का (अनुचित प्रयोग निवारण) अधिनियम, 1950 (1950 का 12) सिविकम राज्य में प्रवृत्त होगा।

[का० सं० 23(16)-ग्राइ.टी/75]

पू० एस० राणा, उप सचिव।

#### MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies and Cooperation)

New Delhi, the 16th, September, 1975

S.O. 4292.—In pursuance of the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. S.O. 208 (E) dated the 16th May, 1975, the Central Government hereby appoints the 1st day of September 1975, as the date on which the Emblems and Names (Prevention of Improper Use) Act, 1950 (12 of 1950) shall come into force in the State of Sikkim.

[F. 23(16)-IT/75]

U. S. RANA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 1975

का० आ० 4293.—केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के गृह मंत्रालय की अधिसूचना संलग्न का० आ० 452 (प्र) दिनांक 26 अगस्त, 1975 के अनुसरण में, 2 अक्टूबर, 1975 की उस तारीख के रूप में नियत करती है जिस तारीख की राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम अधिनियम, 1962 (1962 का 26) सिविकम राज्य में प्रवृत्त होगा।

[संख्या एल-12012/19/73-सी०एम०पी०]

New Delhi, the 22nd September, 1975

S.O. 4293.—In pursuance of the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. S.O. 452 (E), dated the 26th August, 1975, the Central Government hereby appoints the day of October, 1975, as the date on which the National Cooperative Development Corporation Act, 1962 (26 of 1962), shall come into force in the State of Sikkim.

[No. L-12012/19/73-CMP]

का० आ० 4294.—केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम अधिनियम 1962 (1962 का 26) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नियंत्रण देती है कि राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम नियम, 1975 सिविकम राज्य में 2 अक्टूबर, 1975 से विस्तारित हो और प्रवृत्त हो जाएँ।

[संख्या- एल 12012/19/73-सी०एम०पी०]

ए० दास, संयुक्त सचिव

S.O. 4294.—In exercise of the powers conferred by section 22 of the National Cooperative Development Corporation Act, 1962 (26 of 1962), the Central Government hereby

directs that the National Cooperative Development Corporation Rules, 1975, shall extend to, and come into force in, the State of Sikkim with effect on and from the 2nd day of October, 1975.

[No. L 12012/19/73-CMP]

A. DAS, Jt. Secy.

## (श्रीधोगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1975

का० आ० 4295—राष्ट्रपति केन्द्रीय सिविल सेवा वर्गीकरण, (नियंत्रण प्रीर अभीन) नियम, 1964 के नियम 10 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए धोषणा करते हैं कि, जहां तक हस्तका संबंध श्रीधोगिक विकास विभाग के लघु उद्योग विकास संगठन से है, शाश्वा लघु उद्योग सेवा संस्थानों/उत्पादन केन्द्रों/विस्तार केन्द्रों का भारत साधक उपनिवेशक अपने अधीन कार्य करने वाले वर्ग 3 और वर्ग 4 के सरकारी सेवक को नियंत्रित नहीं कर सकता। राष्ट्रपति यह भी धोषित करते हैं कि नियंत्रित के सभी ऐसे आदेश, जब तक अगले उच्चतर प्राधिकारी, अर्थात् जहां उन आस्थानों पर जहां निवेशक पद पर हैं, निवेशक/विकास आयुक्त (एस० एस० आई०) द्वारा आवेदों की तारीख से एक मास की अवधि के भीतर पृष्ठ नहीं कर दिए जाते, आस्था से ही शून्य हो जाएंगे। राष्ट्रपति यह और धोषणा करते हैं कि नियंत्रित करने की शक्ति का प्रयोग लघु उद्योग सेवा संस्थानों/शाश्वा लघु उद्योग सेवा संस्थानों/उत्पादन केन्द्रों के निवेशक के पद का चालू भारत साधन करने वाले उपनिवेशक द्वारा भी किया जाएगा।

[का० सं० 8/1/75-बी आई जी]

एस० एस० तयारजी, उप सचिव

## (Department of Industrial Development)

## ORDER

New Delhi, the 17th September, 1975

S. O. 4295.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 10 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1964, the President hereby declares that so far as it relates to the Small Industry Development Organisation in the Department of Industrial Development, Deputy Director Incharge of Branch Small Industries Service Institute/Production Centres/Extension Centres, may place a Government servant belonging to Class III and Class IV working under them under suspension. The President further declares that all such orders of suspension would become ab-initio void unless confirmed by the next higher authority viz. the Director in stations where Director is in position/Development Commissioner (SSI), within a period of one month from the date of orders. The President further declares that the power of suspension shall also be exercised by the Deputy Director holding current charge of the post of Director of Small Industries Service Institutes/Branch Small Industries Service Institutes/Production Centres.

[File No. 8/1/75/Vig]

H. H. TYABJI, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1975

का० आ० 4296.—भूतपूर्व भारी उद्योग मंत्रालय को अधिसूचना जिसे विनांक 24-8-74 के राजपत्र के भाग 2 के पृष्ठ 2339 में का० आ० सं० 2181 के अधीन प्रकाशित किया गया, में आंशिक उपायोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एनवडारा थी ए० एल० कपूर के पदनाम और उनके नियंत्रणाधीन प्रधिकारिता की सीमा के संबंध में निम्नलिखित संशोधन करती है :-

## प्रधिकारी का नाम

श्री ए० एल० कपूर,  
प्रबंधक (विस.),  
सेंट्रल फाउंड्री कोर्जे प्रोफैक्ट,  
भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड,  
रानीपुर, हरिद्वार (उ० प्र०)

सर्वेजिकल परिसर की कोटि  
तथा अधिकारिता की स्थानीय  
सीमा

कारखाने की इमारतों को छोड़कर  
हरिद्वार में भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स  
लिमिटेड के एककों से संबंधित तथा  
प्राणासनिक नियंत्रण के अधीन  
परिसर।

पूर्ववर्ती अधिसूचना में उल्लिखित अन्य अधिकारियों से संबंधित पदनाम और अधिकारिता की सीमाएं अपरिवर्तित रहीं।

[का० सं० 14-3/74-एच ई एम]

प्रै० ब० सक्सेना, अवर सचिव

New Delhi, the 11th September, 1975

S.O. 4296.—In partial modification of the notification issued by the erstwhile Ministry of Heavy Industry, published under S.O. 2181 on page 2339 in part II of Gazette dated 24-8-1974 The Central Government hereby makes following amendments in respect of designation of Sh. A.L. Kapur and the limits of jurisdiction under his control :

## Designation of the officer

## Categories of public premises and local limits of jurisdiction

Shri A. L. Kapur, Manager (Finance), Central Foundry Project, Bharat Heavy Electricals Ltd., Ranipur, Electricals Ltd., Ranipur, Hardwar (U.P.)

Premises belonging to and under the administrative control of Bharat Heavy Electricals Ltd., Units at Hardwar excluding the area of the factory buildings.

The designation and limits of jurisdiction in respect of other officers mentioned in the earlier notification remain unaltered.

[No. F 14-3/74-HEM]

P. B. SAXENA, Under Secy.

## संचार मंत्रालय

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 1975

का० आ० 4297.—नगरोता टेलीफोन एक्सेंज प्रणाली के स्थानीय क्षेत्र में संशोधन किए जाने के सम्बन्ध में एक सर्वेजिक सूचना नगरोता में प्रचलित समाचारपत्रों में प्रकाशित की गई थी, जैसा कि भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 (iii) (ख) में घोषित है ; वे सभी व्यक्ति जिन पर इस संशोधन का प्रभाव पहने की सम्भावना है, अपनी आपत्ति और सुनाव इस सूचना के समाचारपत्रों में प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिन के भीतर भेजने का कष्ट करें।

जनसाधारण की जानकारी के लिए उक्त सूचना 8, 9 और 11 फरवरी, 1975 को क्रमांक "इमारत" "सन्देश" तथा "कोमी आवाज" द्वितीय समाचार पत्रों में निकाली गई थी।

उक्त सूचना पर जनसा से कोई भी आपत्ति और सुनाव प्राप्त नहीं हुआ है। अतः आब उक्त नियम के नियम 434 (iii) (ख) द्वारा प्रस्तु व्यक्तियों ना प्रयोग करते हुए डाक तार महानिवेशक एनवडारा धोषणा करते हैं कि 1-10-75 से नगरोता का संशोधित स्थानीय छेद निम्न प्रकार होगा:-

नगरोता टेलीकोन एक्सचेंज प्रणाली :

नगरोता का स्थानीय थोक वही होगा जोकि नगरोता टेलीफोन एक्सचेंज से 5 कि. मी० अरीय दूरी के भीतर पड़ता है। किन्तु वक्षिण परिचम में यह सीमा जम्मू नगरपालिका की सीमा तक सीमित होगी।

[सं० 3-16/74-ग्र० एच० शी०]  
एच० सी० माधुर, निदेशक

### MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P & T Board)

New Delhi, the 9th September, 1975

**S.O. 4297.**—Whereas a public notice for revising the local area of Nagrota Telephone Exchange System was published as required by rule 434 (III) (bb) of the Indian Telegraph Rules, 1951 in the Newspapers in circulation at Nagrota, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, whithin a period of 30 days from the date of publication of the notice in the Newspapers;

And whereas the said notice was made available to the public on 11th February 1975 in Daily "Quami Awaz", on 8th February, 1975 in Daily "Imarat" and on 9th February 1975 in Daily "Sandesh" Newspapers;

And whereas no objections and suggestions have been received from the public on the said notice;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by rule 434 (III), (bb) of the said Rules, the Director General Posts and Telegraphs hereby declares that with effect from 1-10-75 the revised local area of Nagrota shall be as under;

**Nagrota Telephone Exchange System.**—The local area of Nagrota shall cover as area falling within 5 Kms. radial distance from the Nagrota Telephone Exchange:

Provided that in the South West this limit shall be restricted to Jammu Municipality boundary.

[No. 3-16/74-PHB]

H.C. MATHUR, Director.

### मौथृत्य और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1975

**का० आ० 4298.**—सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के निर्माण, शाशास और नगर विकास मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० 1093 तारीख 26 मार्च, 1966 को अधिकृत करते हुए, केन्द्रीय सरकार नीचे जी सारणी के स्तम्भ (1) में उल्लिखित अधिकारी को, सरकार का राजपत्रित अधिकारी होने के नाते, उक्त अधिनियम के प्रयोगियों के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है, जो उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में की तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों की आबत अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर उक्त अधिनियम द्वारा या के अधीन सम्पदा अधिकारी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेगा और अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेगा।

1	2
सम्पदा अधिकारी नव मंग-	नव मंगालोर पत्तन की सीमाओं के भीतर
लोर पत्तन, पत्तन्नूर।	केन्द्रीय सरकार के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन भवन, भूमियां और अन्य परिसर।

[सं० 5-पी० जी० शी० (3)/72-पीटी०]  
न्यूटन प्रकाश लक्ष्मी, अवर सचिव

### MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 12th September, 1975

**S. O. 4298.**—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Promises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Works, Housing and Urban Development, No.S.O. 1093, dated the 26th March, 1966, the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, being a Gazetted Officer of the Government, to be Estate Officer for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on Estate Officers by or under the said Act, within the local limits of his jurisdiction in respect of the public premises specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table.

#### TABLE

Designation of Officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
1	2
The Estate Officer, Port of New Mangalore, Panambur.	Buildings, lands and other premises under the administrative control of the Central Government within the limits of the Port of New Mangalore.

[No. 5-PGB (3)/72-PT]  
N.P. Rustagi, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1975

गुरुदि पत्र

**का० आ० 4299.**—16 अगस्त, 1975 के भारत के राजपत्र के भाग 2, खण्ड 3(2) में प्रकाशित भारत सरकार, मौद्यहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना का० आ० सं० 2680 दिनांक 28-7-1975 में—मद (2) तथा (3) के सामने—“20 प्रतिशत से कम नहीं” शब्दों के स्थान पर “25 प्रतिशत से कम नहीं” शब्द रखे जायें। मद संज्ञा (5) के सामने “25 प्रतिशत से अधिक न हो” शब्दों के स्थान पर “20 प्रतिशत से अधिक न हो” शब्द रखे जायें।

[एस० डब्ल्यू० एस० (10)/75 एस० टी०]  
दीवान अन्व अधीर, अवर सचिव

New Delhi, the 15th September, 1975

#### CORRIGENDUM

**S.O. 4299.**—In the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) S.O. No. 2680, dated the 28th July, 1975 published in part II Section 3 (ii) of the Gazette of India dated the 16th August, 1975—

Against item (ii) and (iii), the words "Not less than 20 per cent" shall be substituted by the words "Not less than 25 per cent".

Against item (v), the words "Not exceeding 25 per cent" shall be substituted by the words "Not exceeding 20 per cent".

[MWS(10)/75-MT]  
D. C. AHIR, Under Secy.

दिल्ली विकास प्राधिकरण

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 1975

सार्वजनिक सूचना

**का० आ० 4300.**—केन्द्रीय सरकार दिल्ली मुख्य योजना में निम्नलिखित संशोधन करने का विचार कर रही है। इसे सार्वजनिक सूचना के लिए प्रकाशित किया जा रहा है। इस संशोधन के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को आपत्ति/सुझाव देना हो तो वे अपने आपत्ति/सुझाव हम शापान के 30 विन के भीतर सचिव, दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली विकास भवन, इन्द्रप्रस्था इस्टेट, नई दिल्ली के पास लिखित रूप में भेज सकते हैं। जो व्यक्ति अपनी आपत्ति/सुझाव दें वे अपना नाम व पूरा पता भी लिखें।

संशोधन

"लगभग 4.05 हेक्टेयर (10 एकड़े) का क्षेत्र जो पूर्व में नार्वन रिंग रोड, उत्तर में रीजनल पार्क, उत्तर-पश्चिम में में मलका गंज, आवासीय क्षेत्र तथा विश्वास्थापनमें जी०टी० रोड द्वारा घिरा हुआ है, इसे अब 'व्यवसायिक' (फल एवं सब्जी मण्डी से 'सार्वजनिक एवं अर्थमार्गजनिक' सुविधाओं में परिवर्तित करने का प्रस्ताव है।"

शनिवार को छोड़कर समस्त कार्यशील दिनों में दिल्ली विकास प्राधिकरण के कार्यालय, दिल्ली विकास भवन, इन्द्रप्रस्था इस्टेट, नई दिल्ली, में उक्त अवधि में ग्राहक प्रस्तावित संशोधन के मानचित्र का निरीक्षण किया जा सकता है।

[सं० एफ 3(86)/70-एम०पी०]

#### DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

New Delhi, the 4th October, 1975

#### PUBLIC NOTICE

**S.O. 4300.**—The following modification which the Central Government proposes to make to the Master Plan for Delhi is hereby published for public information. Any person having any objection or suggestion with respect to the proposed modification may send his objection or suggestion in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, Delhi Vikas Bhawan, Indrapratha Estate, New Delhi, within a period of thirty days from the date of this notice. The person making the objection or suggestion should also give his name and full address.

#### MODIFICATION :

"An area measuring about 4.05 hect. (10 acres) bounded by Northern Ridge Road in the East, Regional Park in the North, Malka Ganj Residential Area in the North-west and G. T. Road in the South-west is proposed to be changed from 'commercial' (wholesale fruit and vegetable market) to 'public and semi-public facilities'.

The plan indicating the proposed modification will be available for inspection at the office of the Authority, Delhi Vikas Bhawan, Indrapratha Estate, New Delhi, on all working days except Saturdays, within the period referred to above.

[No. F. 3(86)/70-M.P.]

#### सार्वजनिक सूचना

**का० आ० 4301.**—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली मुख्य योजना में आवासीय सूचनों पर लागू किये जाने वाले भेदीय नियमों में निम्नलिखित संशोधन करने का विचार कर रही है। इसे सार्वजनिक सूचना के लिए प्रकाशित किया जा रहा है। इन संशोधनों के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को आपत्ति या सुझाव देना हो तो वे अपने आपत्ति/सुझाव हम शापान के 30 दिन के भीतर सचिव, दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली विकास भवन, इन्द्रप्रस्था इस्टेट, नई दिल्ली के पास लिखित रूप में भेज सकते हैं। जो व्यक्ति अपने आपत्ति/सुझाव दें वे अपना नाम तथा पूरा पता भी लिखें।

#### संशोधन

पृष्ठ 55 में बाईं प्रोटर तीसरी पंक्ति में, 'किस्तु कम नहीं', पास्टों को निम्न प्रकार रखा जायेगा।

"दो आवास इकाईयों के लिये जो प्रत्येक मंजिल पर एक सथा प्रत्येक आवास इकाई के लिए लगभग 33 वर्ग मीटर (40 वर्ग गज) क्षेत्र बिना बरसाती के दो मंजिला भवन।"

शनिवार को छोड़कर समस्त कार्यशील दिनों में दिल्ली विकास प्राधिकरण के कार्यालय, विकास भवन, इन्द्रप्रस्था इस्टेट, नई दिल्ली में उक्त अवधि में ग्राहक प्रस्तावित संशोधन का निरीक्षण किया जा सकता है।

[संदर्भ एफ 20 (4)/75-एम०पी०]

हवाय नाथ फोटेदार, सचिव

#### PUBLIC NOTICE

**S.O. 4301.**—The following modification, which the Central Government proposes to make to the zoning regulations applicable to the residential plots in the Master Plan for Delhi, is hereby published for public information. Any person having any objection or suggestion with respect to the proposed modification may send his objection or suggestion in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, Delhi Vikas Bhawan, Indrapratha Estate, New Delhi, within a period of thirty days from the date of this notice. The person having any objection or suggestion should also give his name and full address.

#### MODIFICATION :

For the words 'but not less' occurring on page 55, right-hand side, line 4 top, the following will be substituted :—

"for two dwelling units, one on each oor. And about 33 sq. metres (40 sq. yds.) for single dwelling unit—two storey building without a barsati floor".

The proposed modification will be available for inspection at the office of the Authority, Delhi Vikas Bhawan, Indrapratha Estate, New Delhi, on all working days except Saturdays, within the period referred to above.

[No. F. 20(4)/75-M.P.]

H. N. FOTEDAR, Secy.

## अमंत्रालय

भारत

नई दिल्ली, 11 अगस्त, 1975

**S.O. 4302.**—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपर्युक्त अनुसूची में विनियोगित विषयों के बारे में पूर्व बासुरिया कोलियरी, डाकघर बांसजोरा, जिला धनबाद के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रौद्धोगिक विवाद विचारात् है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

अतः, भव, श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार श्रौद्धोगिक अधिकरण संघ्या 2, धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

## अनुसूची ।

यथा हास्ट बासुरिया कोलियरी कम्पनी प्राइवेट लिं. नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1 की हास्ट बासुरिया कोलियरी, डाकघर बांसजोरा, जिला धनबाद, जिसका प्रबन्ध केन्द्रीय सरकार द्वारा 17 मार्च 1971 से ग्रहण कर लिया गया था और जो अब मैसर्स भारत कोलिंग कोल लिमिटेड सिजुआ विहार बिल्डिंग, डाकघर, बासुरिया, जिला धनबाद के प्रबन्ध के प्रधीन है, के प्रबन्धतंत्र की, भी और 10 रहमान मियां, खनिक को 4 जुलाई, 1970 से पदबद्धत करते की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[संघ्या ए.ल-20025/17/75-डी-3-ए]

## MINISTRY OF LABOUR

## ORDER

New Delhi, the 11th August, 1975

**S.O. 4302.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of East Basuria Colliery, Post Office Bansjora, District Dhanbad and their workman in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad constituted under section 7-A of the said Act.

## SCHEDELE

Whether the action of the management of East Basuria Colliery, Post Office Bansjora, District Dhanbad, of The East Basuria Colliery Company Private Limited, Netaji Subhas Road, Calcutta-1, taken over by the Central Government from 17th October, 1971 and now under the management of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Sijua, Vihar Building, Post Office Jharia, District Dhanbad, in dismissing Shri Ch. Rahman Mia, Miner, with effect from the 4th July, 1970, is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?

[No. L-20025/17/75-D. III. A]

भारत

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 1975

**S.O. 4303.**—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपर्युक्त अनुसूची में विनियोगित विषयों के बारे में मैसर्स भारत कोलिंग कोल लिं. की तेतुलमारी कोलियरी के मौड़ल अंगारपाथरा सेक्शन, डाकघर सिजुआ, जिला धनबाद के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रौद्धोगिक विवाद विचारात् है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

अतः, भव, श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार श्रौद्धोगिक अधिकरण, संघ्या 2, धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

## अनुसूची

यथा मैसर्स भारत कोलिंग कोल लिमिटेड की तेतुलमारी कोलियरी के मौड़ल अंगारपाथरा सेक्शन, डाकघर सिजुआ, जिला धनबाद के प्रबन्धतंत्र की, श्री मकबुल मियां, राज को 31 मार्च, 1973 से काम से रोकने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[संघ्या ए.ल-20012/15/75-डी-3-ए]

एल.के.० नारायणन, अनुभाग अधिकारी (विवेष)

## ORDER

New Delhi, the 19th August, 1975

**S.O. 4303.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Model Angarpathera Section of Tetulmari Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sijua, District Dhanbad, and their workman in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Dhanbad, constituted under section 7-A of the said Act.

## SCHEDULE

Whether the action of the Management of Model Angarpathera Section of Tetulmari Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sijua, District Dhanbad, in stopping Shri Makbul Mian, Mason, from work with effect from the 31st March, 1973 is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?

[No. L-20012/15/75/D-III A]

New Delhi, the 17th September, 1975

**S.O. 4304.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2 Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management to Jamadoba Washery Plant of M/s. Tata Iron and Steel Company Limited, Jamadoba and their workmen which was received by the Central Government on the 16th September, 1975.

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD**

Reference No. 17 of 1975

In the matter of an industrial dispute under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

(Ministry's Order No. L-2012/174/74-LRII, dated 10th February, 1975.)

**PARTIES :**

Employers in relation to the management of Jamadoba Washery Plant of M/s. Tata Iron & Steel Co. Limited, Jamadoba, District Dhanbad.

AND

Their Workmen

**APPEARANCES :**

On behalf of the Employers—Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

On behalf of the Workmen—Shri J. D. Lall, Advocate.

State : Bihar

Industry : Coal Washery Plant

**AWARD**

In this reference which was sent by the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi to this Tribunal for adjudication of industrial dispute two issues were framed viz.

"(1) Whether the management of Jamadoba Washery Plant of Tata Iron and Steel Company, Post Office Jamadoba, District Dhanbad are justified in dismissing from service Shri Lachhu Turi, General Mazdoor with effect from 9th August, 1974 ?

(2) If not, to what relief is the workman entitled ?"

2. In this reference the written statements were filed by both sides and the case proceeded according to its course. Ultimately Shri S. S. Mukherjee, Advocate representing the employers and Shri J. D. Lall, Advocate representing the workmen filed a memorandum of settlement signed by both sides with a prayer that an award may be passed in terms of the memorandum of settlement. I heard both sides on the memorandum of settlement and it is submitted by both sides that without prejudice to the contentions of the parties concerned the dispute has been amicably settled. The memorandum of settlement appears to have been signed by both sides and it appears that the terms of settlement are beneficial to the parties and therefore, nothing stands in the way of an award being passed in terms of the settlement.

3. In the result, I pass an award in respect of the industrial dispute under reference in terms of the memorandum of settlement which do form part of the award.

8th Sept. 1975

K. K. SARKAR, Presiding Officer.

**BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. II, DHANBAD**

Reference No. 17 of 1975

The Employers in relation to M/s. Tata Iron & Steel Co. Ltd., Jamadoba, P.O. JAMADABA, Distt. Dhanbad.

V/s

Their Workmen

The parties above named beg to submit as follows :—

1. That the dispute about the dismissal of Sri Lachhu Turi was raised by the concerned workman under section 2(a) of the Industrial Disputes Act and has been referred to this Hon'ble Tribunal for adjudication.

2. That the concerned workman Sri Lachhu Turi has since approached the management and without prejudice in their respective written statement the pending dispute has been amicably settled on the following terms :—

- That Shri Lachhu Turi will be reinstated in his original job as Category I Mazdoor with effect from the date he reports for duty.
- That Sri Lachhu Turi will have to report for duty within a period of 7 days from the date of this settlement, failing which he will have no claim of reinstatement and his dismissal with effect from 9-8-1974 will stand.
- That the period from the date of dismissal of Sri Lachhu Turi till the date of his reinstatement will be treated as if he was on leave without any wages for the purpose of continuity of service only.
- That Sri Lachhu Turi will not be entitled to any wages or compensation for the period of his idleness.
- That the parties will bear their own respective cost of the proceeding.
- That the above terms settle the pending dispute in the present reference and there remains no other dispute which needs any further adjudication.

It is therefore humbly prayed that the above terms of settlement may kindly be accepted and an Award passed in terms thereof.

Concerned workman.

For Employer.

Sd/-  
(Illegible)

(Sri Lachhu Turi)

[No. 20012/174/74-LRIII  
L. K. NARAYANAN, Section Officer, (Spl.)

भावेश

नई दिल्ली, 14 अगस्त, 1975

का० आ० 4305.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाधिकार अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में भारतीय स्टेट बैंक के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रौवोगिक विवाद विद्यमान है ;

और यह केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

अतः, अब, ग्रौवोगिक विवाद प्रधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रवत्त गतियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा उक्त विवाद की उक्त प्रधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार ग्रौवोगिक अधिकरण कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या भारतीय स्टेट बैंक कलकत्ता के प्रबन्धतंत्र के लिए श्री गोड मोदक को 1 जनवरी, 1974 से दफतरी भत्ता का सदाय बन्द करना चाहिए ? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस प्रनुतीष का हकदार है ?

[सं. एल-12012/30/74-एल० आर० 3]

**ORDER**

New Delhi, the 14th August, 1975

**S.O. 4305.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in

relation to the State Bank of India and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7-A of the said Act.

#### SCHEDULE

Whether the Management of State Bank of India Calcutta is justified in discontinuing the payment of Daftary allowance from 1st January, 1974 to Shri Gour Modak? If not to what relief is the said workman entitled?

[No. L. 12012/30/74/LRIII]

#### आवेदन

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 1975

का० आ० 4306.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपबद्ध अनुसूची में विनिविष्ट विषयों के बारे में बैंक ऑफ बड़ौदा, मुम्बई के नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रौथोगिक विवाद विद्यमान है;

और यह, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

अतः, ग्रब, ग्रौथोगिक विवाद प्रधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त प्रधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार ग्रौथोगिक प्रधिकरण, मुम्बई (सं० 1) को न्यायनिर्णयन के लिए निर्वेशित करसी है।

#### अनुसूची

क्या बैंक ऑफ बड़ौदा, मुम्बई के प्रबन्धतंत्र की श्री एम० थी० भगवत, लिपिक को उक्त बैंक की ठाकुरद्वारा शाखा से भापेरा हाउस शाखा के लिए स्थानान्तरित करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुसूच का हकदार है?

[सं० एल-12012/90/75-डी 2/ए]

#### ORDER

New Delhi, the 18th August, 1975

**S.O. 4306.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Bank of Baroda, Bombay and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal No. 1, Bombay constituted under section 7-A of the said Act.

#### SCHEDULE

Whether the action of the Management of Bank of Baroda, Bombay, on transferring Shri M. V. Bhgwt, Clerk from Thakurdwar Branch to Opera House Branch of the said Bank is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?

[No. L-12012/90/75-DII/A]

#### आवेदन

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 1975

का० आ० 4307.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपबद्ध अनुसूची में विनिविष्ट विषयों के बारे में बैंक ऑफ इण्डिया, बम्बई, के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रौथोगिक विवाद विद्यमान है;

और यह, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

अतः, ग्रब, ग्रौथोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त प्रधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार ग्रौथोगिक प्रधिकरण, मुम्बई (सं० 1) को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

#### अनुसूची

क्या बैंक ऑफ इण्डिया, मुम्बई के प्रबन्धतंत्र की श्री थी० एम० भाटिया को 28 अप्रैल, 1971 से सेवामुक्त करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[सं० एल-12012/107/74-एल० आर० 3]

#### ORDER

New Delhi, the 19th August, 1975

**S.O. 4307.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Bank of India, Bombay and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal No. 1, Bombay, constituted under section 7-A of the said Act.

#### SCHEDULE

Whether the action of the Management of the Bank of India, Bombay is justified in discharging from service Shri B. M. Bhatia with effect from 28th April 1971? If not, to what relief is the said workman entitled?

[No. L-12012/107/74/LRIII]

#### आवेदन

का० आ० 4308.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपबद्ध अनुसूची विनिविष्ट विषयों के बारे में बैंक ऑफ बड़ौदा से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रौथोगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

अतः, ग्रब, ग्रौथोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक ग्रौथोगिक प्रधिकरण गठित करती है, जिसके ठाठीनीन प्रधिकारी श्री ई० पालानिप्रभन होंगे जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद का उक्त प्रधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्वेशित करती है।

## अनुसूची

क्या बैंक आँफ बड़ौदा के प्रबन्धतंत्र को, श्री आर० जयबालन शार्क एवं सिपिक को प्राकलिन प्रभाव से एक वेतनवृद्धि की कटौती के दण्ड के प्रतिरिक्षणेष्ठा की हानि सहित कोयम्बटूर शाखा से नम्बियूर शाखा में स्थानात्मकता करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[सं० एल-12012/50/75-डी/2/ए]

## ORDER

**S.O. 4308.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Bank of Baroda and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7-A, and clause (d) of sub-section (1) of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri T. Palaniappan shall be the Presiding Officer, with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

## SCHEDELE

Whether the action of the Management of the Bank of Baroda, Madras in transferring Shri R. Jayabalan, Shorff-cum-Clerk from Coimbatore Branch to Nambiyur Branch with loss of seniority, in addition to the punishment of one increment cut with cumulative effect is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?

[No. L-12012/50/75-D/II/A]

## आदेश

**क्या० आ० 4309.**—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाध्य अनुसूची में विनिविष्ट विषयों के बारे में स्टेट बैंक आँफ इण्डिया से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रौशोगिक विवाद विभागान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चांडीनीय समझती है;

अतः, अब, ग्रौशोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एक ग्रौशोगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री क० एन० श्रीवास्तव होंगे, जिनका मुख्यालय कानपुर में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

## अनुसूची

क्या स्टेट बैंक आँफ इण्डिया के लिए उक्त बैंक की विद्यालय शाखा के रक्षक, श्री विरेन्द्र प्रतापसिंह की सेशांओं को 16 अगस्त, 1973 से समाप्त करना न्यायोचित है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[सं० एल-12012/75/सी 2/ए]

## ORDER

**S.O. 4309.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in

relation to the State Bank of India and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7-A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri K. N. Srivastava shall be the Presiding Officer, with headquarters at Kanpur and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

## SCHEDULE

Whether the Management of the State Bank of India is justified in terminating the services of Shri Virendra Pratap Singh, Guard at the Vindhya Branch of the said Bank with effect from the 16th August 1973? If not, to what relief is the said workman entitled?

[No. L-12012/75/75/D-II A]

## आदेश

**क्या० आ० 4310.**—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाध्य अनुसूची में विनिविष्ट विषयों के बारे में सेट्रल बैंक आँफ इण्डिया, चण्डीगढ़ से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रौशोगिक विवाद विभागान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चांडीनीय समझती है;

अतः, अब, ग्रौशोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एक ग्रौशोगिक अधिकरण गठित करती है? जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एच० आर० सोधी होंगे, जिसका मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

## अनुसूची

क्या सेट्रल बैंक आँफ इण्डिया, चण्डीगढ़ के प्रबन्धतंत्र को, श्री एच० एल० कश्युरिया को लिपिक-एवं-टक्क के रूप में पदाधिकृत करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[सं० एल० 12012/80/75-सी-2/ए]

## ORDER

**S.O. 4310.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Central Bank of India, Chandigarh and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7-A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri H. R. Sodhi shall be the Presiding Officer, with headquarters at Chandigarh and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

## SCHEDULE

Whether the action of the management of the Central Bank of India, Chandigarh in designating Shri H. L. Kathuria as clerk-cum-typist is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?

[No. L. 12012/80/75-DII/A]

## प्रावेश

का० आ० 4311.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाधिकरण अनुसूची में विनिविष्ट विषयों के बारे में बैंक आफ इंडिया के नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रौद्धोगिक विवाद विद्यमान है;

और यह, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

अतः, प्रब्र, श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (b) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार श्रौद्धोगिक प्रधिकरण, धनबाद (सं० 1) को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करते हैं।

## अनुसूची

क्या बैंक आफ इंडिया, पश्चिम झज्जर, उत्तर प्रदेश के प्रशंस्तंत्र के लिए सर्वक्री परवेश कुमार एबट, स्वामी दास, राजेन्द्र सिंह, पी० गुप्त, एल० सी० योद्धा, एस० सी० जैन, अमरजीत सिंह अहलुवालिया, फ० ऊषा कुमारी तथा कुमारी मधुबला शर्मा की सेवायें 29 जनवरी, 1975 से समाप्त करना न्यायोचित है? यदि नहीं तो उक्त कर्मकार किस अनुदोष के हक्कार हैं?

[सं० एल 12012/84/75—डी 2/ए]

## ORDER

S.O. 4311.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Bank of India and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Delhi, constituted under section 7A of the said Act.

## SCHEDULE

“Whether the management of Bank of India, U.P. Region, Lucknow, is justified in terminating the services of Sarva Shri Parvesh Kumar Abot, Swami Dass, Rajendra Singh, R. P. Gupta, S. C. Goel, S. C. Jain, Amarjit Singh Ahluwalia, Miss Usha Kumari and Miss Madhu Bala Sharma with effect from 29th January, 1975? If not, to what relief are the said workmen entitled?

[No. L. 12012/84/75-DII/A]

## प्रावेश

का० आ० 4312.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाधिकरण अनुसूची में विनिविष्ट विषयों के बारे में पंजाब नेशनल बैंक के नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रौद्धोगिक विवाद विद्यमान है;

और यह, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

अतः, प्रब्र, श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (b) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार श्रौद्धोगिक प्रधिकरण, धनबाद (सं० 1) को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करते हैं।

## अनुसूची

क्या पंजाब नेशनल बैंक के प्रशंस्तंत्र को, उसकी जैहानावाद शाखा कार्यालय के अधीन तेहता स्थित श्री जी० एल० दास, लिपिक एवं भृष्टार रक्षक को पुष्ट न मानने तथा उसको सेवाओं को 26 अगस्त, 1974 से समाप्त करने की कारबाई न्यायोचित है, यदि नहीं तो उक्त कर्मकार किस अनुदोष का हक्कार है?

[सं० एल 12012/85/75—डी 2/ए]

आर० कुंजिथापादम, अवर सचिव

## ORDER

S.O. 4312.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Punjab National Bank and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, No. 1, Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

## SCHEDULE

Whether the action of the Management of the Punjab National Bank in not treating Shri G. L. Das, Clerk-cum-godown keeper at Tehta under its Branch Office Jehanabad as confirmed and in terminating his services with effect from the 26th August, 1974 are justified? If not, to what relief is the said workman entitled?

[No. L. 12012/85/75-DII/A]

R. KUNJITHAPADAM, Under Secy.

## प्रावेश

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1975

का० आ० 4313.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाधिकरण अनुसूची में विनिविष्ट विषयों के बारे में मैसेस टाटा कैमिलस लिमिटेड, डाक घर रानाप्राप्त, जिला जूनागढ़, गुजरात के प्रशंस्तंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रौद्धोगिक विवाद विद्यमान है;

और, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

अतः, प्रब्र, श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7 की और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (b) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक श्रौद्धोगिक प्रधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एम० य० शाह होंगे, जिनका मुख्यालय अहमदाबाद में होगा, और उक्त विवाद की उपत श्रौद्धोगिक प्रधिकरण की न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

## अनुसूची

यद्या टाटा केमिकल्स लिमिटेड, डाकघर, रानावाव, जिला जूनगढ़ के प्रबंधतंत्र का पत्थर खदान, रानावाव के टैक्टर चालक, श्री मुरा गिगा की सेवाएँ 25 दिसम्बर, 1974 से समाप्त करना न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुसूची का हकदार है ?

[मं. एल-29011/88/75-डी-३५१]

## ORDER

New Delhi, the 23rd August, 1975

**S.O. 4313.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs. Tata Chemicals Limited Post Office Ranavav District Jhunagadh Gujarat and their workman in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri M. U. Shah as Presiding Officer with head-quarters at Ahmedabad and refers the said dispute for adjudication to the said Industrial Tribunal.

## SCHEDULE

Whether the termination of services of Shri Mura Giga, a Tractor Driver of Stone Quarry, Ranavav with effect from 25-12-74 by the management of Tata Chemicals Limited Post Office Ranavav, District Junagadh, is justified ? If not, to what relief is the said workman entitled ?

[No. L-29011/88/75/DIII8]

## आवेदण

**का० आ० 4314.**—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाख्य अनुसूची में विलिंगट विषयों के बारे में मैसर्स लालजी लिमिटेड, रजिस्ट्रीड कार्यालय, xx/137, लोला बाग, सिविल लाइन्स रोड, त्रिभुवन-4 नामक स्थापन जिसके अन्तर्गत —

और, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णय के लिए निर्देशित करना बांधीय समझती है ;

अतः, ग्रव, और्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 द्वी प्रधारा (1) के छण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त यक्षियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार और्योगिक अधिकरण, संख्या 2, सुन्दरी को न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करती है ।

## अनुसूची

यद्या मैसर्स लालजी लिमिटेड के प्रबंधतंत्र की, उनकी गिलबर्ट पहाड़ी पत्थर खदान, अन्धेरी, सुन्दरी में नियोजित श्री आर० आर० श्रीवास्तव लिपिक को 24 दिसम्बर, 1974 से पदच्युत करने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुसूची का हकदार है ?

[मं. एल-29011/107/75-डी-३५१]

एम० एस० एस० अश्वर अनुभाग अधिकारी (विशेष)

## ORDER

**S.O. 4314.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in

relation to the management of Messrs Lalji Brothers, Gilbert Hill Avenue, Andheri, Bombay 400058, and their workman in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudicate ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Bombay constituted section 7A of the said Act.

## SCHEDULE

Whether the action of the management of Messrs Lalji Brothers in dismissing Shri R. R. Srivastava, Clerk employed in their Gilbert Hill Stone Quarry, Andheri, Bombay from 24th December 1974, is justified ? If not, to what relief is the said workman entitled ?

[No. I-29011/107/75-D.IIIB]

S. H. S. IYER, Section Officer (Spl.)

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1975

**का० आ० 4315.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि विकेल स्टेट फाइब्रेशन एन्ट्रप्राइज लिमिटेड, रजिस्ट्रीड कार्यालय, xx/137, लोला बाग, सिविल लाइन्स रोड, त्रिभुवन-4 नामक स्थापन जिसके अन्तर्गत —

- (1) ई०सी० 22/682, हरिविलास, कार्बनेट रोड, विवेन्द्रम्,
- (2) नील बिलिंग, प्राइंटिंगल,
- (3) विवेनेन डिस्ट्रिक्ट कोआपरेटिव बैंक बिलिंग, विवेनेन,
- (4) जयभारतम् बिलिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, पुन्नलूर,
- (5) एलेपी डिस्ट्रिक्ट कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड, एलेपी,
- (6) XVII/125-बी, मार्केट रोड, एनकिलम्,
- (7) एम० डी० कम्पिंगल सेंटर, कोट्टायम्,
- (8) थोडूपूजा जंगान, थोडूपूजा,
- (9) हैंडीकाप्ट बिलिंग, राऊन्ड बेस्ट, त्रिभुवन-1,
- (10) हायर पर्सन डिवीजन, परमेक्षु देयसंघम् बिलिंग, पेनेस रोड, त्रिभुवन-1,
- (11) लिजी लैन्ड, गुरुवरपूर रोड, कुन्नमकुलम्,
- (12) 10/276, सुलतानपेट, पालबाट-1,
- (13) मूर रोड, कालीकट,
- (14) म्युनिसिपल शापिंग सेंटर बिलिंग, तीसरी मंजिल, आउनहिल, मालापुरम्
- (15) पी० एम० 142, प्रथाम् वालम रोड, नारायण पार्क, कन्नामोर, स्थित उसकी शाखाएँ भी आती हैं, से मंबंध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या हम बात पर सहमत हो गई हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि-अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ।

अतः, ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त यक्षियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1974 की जनवरी के प्रथम विन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[मं. एल-35019(171)/74-पी०एफ०२]

New Delhi, the 17th September, 1975

**S.O. 4315.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as The Kerala State Financial Enterprises Limited, Registered Office, XX/137, Leela Baugh, Civil Lines Road, Trichur-4, including its branches situated at:—

- (1) T. C. 22/682, Harivilas, Convent Road, Trivendrum,
- (2) Neela Building, Attingal,
- (3) Quilon District Co-operative Bank Building, Quilon,
- (4) Jayabharatham Buildings, Near Railway Station, Punalur,
- (5) Alleppey District Co-operative Bank Building, Alleppey,
- (6) XVII/125 B, Market Road, Ernakulam,
- (7) M. D. Commercial Centre, Kottayam,
- (8) Thodupuzha Junction, Thodupuzha,
- (9) Handicrafts Buildings, Round West, Trichur-1,
- (10) Hire Purchase Division, Paramekkavu Devaswom Building, Palace Road, Trichur-1,
- (11) Lizy Land, Guruvayoor Road, Kunnamkulam,
- (12) 10/276, Sultanpet, Palghat-1.
- (13) Mo-voor Road, Calicut,
- (14) Municipal Shopping Centre Building, 2nd Floor, Downhill Malappuram,
- (15) P.M. 142, Payyambalam Road, Narayana Park, Cannanore,

have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1974.

[No. S-35019/171/74-PF. II]

**का० आ० 4316.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आटोमोबाइल स्पेयर मैनुफैक्चर्स, 11 अग्रीत इन्डस्ट्रियल स्टेट, (पार्ट-1) नागरवेल हनुमान रोड, रखियाल, अहमदाबाद, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए:

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के सितम्बर, के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019 (126)/75-पी० एफ० 2]

**S.O. 4316.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Automobiles Spares Manufacturers, 11, Ajit Industrial Estate, (Part-I) Nagarvel Hanuman Road, Rakhial, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1974.

[No. S. 35019(126)/75-PF. II]

**का० आ० 4317.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सन्चेम प्रॉटेस्ट्राइजेज ब्लॉक नं० 11-ए पारिख, स्टेट, नागरवेल हनुमान रोड, अहमदाबाद, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की मई के इकातीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019 (130)/75-पी० एफ० 2]

**S.O. 4317.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sanchem Enterprises, Block No. 11, A. M. Parikh Estate, Nagarvel Hanuman Road, Rakhial, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtyfirst day of May, 1973.

[No. S. 35019(130)/75-PF. II]

**का० आ० 4318.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स राजेश फैब्रिक्स सी-३६ उद्योग नगर नक्सारी जिला बुलसर, नामक स्थान से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 की फरवरी के मठाहसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019 (131)/75-पी० एफ० 2]

**S.O. 4318.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rajesh Fabrics, C-36, Udyognagar, Navsari, District Bulsar, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-eighth day of February, 1975.

[No. S-35019(131)/75-PF. II]

**का० आ० 4319.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हैराल मैटल कारपोरेशन, जी० पी० ओ सलपस रोड के पास, अहमदाबाद, नामक स्थान से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर

सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की फरवरी के अठाइसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35019-(132) 75-पी० एफ० 2]

**S.O. 3219.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Herold Metal Corporation, Near G.P.O. Salapas Road, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-eighth day of February, 1973.

[No. S-35019(132)/75-PF. II]

**का०आ० 4320.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नीदामंगलम, कोओपरेटिव मिल सप्लाई सोसाइटी लिमिटेड, जैड०, सी० 30—नीदामंगलम, तंजौर जिला, नामक स्थान से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35019/(135)/75-पी० एफ० 2(i)]

**S.O. 4320.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Needamangalam, Co-operative Milk Supply Society Limited Z.C. 30 Needamangalam, Tanjore District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1975.

[No. S-35019(135)/75-PF-II(i)]

**का०आ० 4321.**—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक धारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् नीदामंगलम, कोओपरेटिव मिल सप्लाई सोसाइटी लिमिटेड, जैड०, सी० 30, नीदामंगलम, तंजौर जिला नामक स्थापन को

प्रथम जनवरी, 1975 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के सिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. एस-35019 (135)-75 पी० एफ० 2(ii)]

**S.O. 4321.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of January, 1975, the establishment known as Messrs Needamangalam, Co-operative Milk Supply Society Limited, Z.C. 30, Needamangalam, Tanjore District, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019 (135)/75-PF.II(ii)]

**का० आ० 4322.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रायल मैटल इंडस्ट्रीज, बेल्डरवाड, शाहपुर बहाई सेन्टर शाहपुर अहमदाबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की फरवरी के अठाइसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस० 35019(113)/75-पी० एफ० 2]

**S.O. 4322.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Royal Metal Industries, Belderwad, Shahpur Bahai Centre, Shahpur, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-eighth day of February, 1973.

[No. S. 35019(113)/75-PF. II]

**का० आ० 4323.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स डीलर प्रिन्टर्स, 20, सुप्रभात ग्राहोगिक स्टेट, रटियापुर गेट के बाहर, अहमदाबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के विसम्बर के इक्टीसवें विन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस० 35019(117)/75-पी०एफ० 2]

**S.O. 4323.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Dilal Printers, 20, Juprabhat Industrial Estate, Outside Dariapur Gate, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1973.

[No. S. 35019(117)/75-PF. II]

**का० आ० 4324—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स निकोलोपाइट प्लाट सं. ए०-१०/२३ रोड सं. ४ इण्डस्ट्रियल एस्टेट उद्धन जिला सूरत, नामक स्थान से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।**

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 की जनवरी के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस०-35019(120)/75-पी०एफ०-२]

**S.O. 4324.—**Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Nicolyte Plot No. A-10/23, Road No. 4, Industrial Estate, Udhna, District Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtyfirst day of January, 1974.

[No. S. 35019 (120)/75 PF.II]

**का० आ० 4325—**केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स माझन सिल्क फैक्टरी (प्राइवेट) लिमिटेड, 208 शोब्राज पार्क, निकोल रोड, थक्कर बापानगर के सामने, शहरबाजाद नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 की फरवरी के अठाइसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस०-35019(120)/75 पी०एफ०-२]

**S.O. 4325.—**Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Modern Silk Factory (Private) Limited, 208, Shobraj Park, Nicol Road, Opposite Thakkar Bapanagar, Ahmedabad, have agreed

that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-eighth day of February, 1974.

[No. S. 35019 (120)/75-PF. II]

**का० आ० 4326—**यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ग्राफाइट इण्डिया लिमिटेड, डोडानेकुण्डी ग्रोवोरिंग क्लेन ग्राफाइट फील्ड रोड, महादेवपुरम डाकघर, बंगलोर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस०-35019(36)/75-पी०एफ०-२]

**S.O. 4326.—**Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Graphite India Limited Doddanekkundi Industrial Area, whitefield Road, Mahadevapuram P.O. Bangalore, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the paid establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1975.

[No. S. 35019 (36)/75-PF. II]

**का० आ० 4327—**यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स देशा० ए०४७ एसीशियेट (प्राइवेट) लिमिटेड, 122, वम्बई ऐयर कल्डरिशन मार्किट लारदेव मैन रोड, मुम्बई -34 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एकत्रापा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के अक्टूबर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस०-35018(18)/75-पी०एफ०-२]

**S.O. 4327.—**Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Desai and Associates (Private) Limited, 122, Bombay Air Conditioned Market, Tardeo Main Road, Bombay-34, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family

Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1973.

[No. S. 35018 (18)/75-P.F. II]

**का० आ० 4328.**—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परस्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् प्रथम प्रक्रिया, 1973 से मैसर्स इन्डिया बुक हाउस रिप्रिंट्स एण्ड बैक बाल्यूम्स कम्पनी, 29, वोड हाउस रोड, मुम्बई-400001, नामक स्थापन को उक्त परस्तुक के प्रयोगनों के लिए विनिरिष्ट करती है।

[संख्या एस० 35018(18)/75-पी०एफ०(ii)]

**S.O. 4328.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of October, 1973, the establishment known as Messrs Desai and Associates (Private) Limited, 122, Bombay Air Conditioned Market, Tardeo Main Road, Bombay-34 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018 (18)/75-PF. II (ii)]

**का० आ० 4329.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इन्डिया बुक हाउस रिप्रिंट्स एण्ड बैक बाल्यूम्स कम्पनी, 29 वोड हाउस रोड मुम्बई-400001 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के दिसम्बर, के इकलीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या एस०-35018(21)/75-पी० एफ० II(i)]

**S.O. 4329.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs India Book House Reprints and Back Volumes Company 29, Wode House Road, Bombay-400001, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1972.

[No. S. 35018/21/75-PF. II(i)]

**का० आ० 4330.**—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा

6 के प्रथम परस्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 31 दिसम्बर, 1972 से मैसर्स इन्डिया बुक हाउस रिप्रिंट्स एण्ड बैक बाल्यूम्स कम्पनी, 29, वोड हाउस रोड, मुम्बई-400001, नामक स्थापन को उक्त परस्तुक के प्रयोगनों के लिए विनिरिष्ट करती है।

[संख्या एस० 35018(21)/75-पी०एफ० II(ii)]

**S.O. 4330.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty-first day of December, 1972 the establishment known as Messrs India Book House Reprints and Back Volumes Company '29' Wode house Road, Bombay-400001, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018/21/75-PF. II(ii)]

**का० आ० 4331.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हाबीब इस्माइल ट्रस्ट, हाबीब हाउस, 159, जेल रोड, मुम्बई-400009 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के अगस्त, के इकलीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या एस०-35018(28)/75-पी० एफ० II]

**S.O. 4331.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Habib Esmail Memorial Trust, Habib House, 159, Jail Road, Bembay-400009 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of August, 1973.

[No. S. 35018/28/75-PF. II]

**का० आ० 4332.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मगनलाल श्रीरामदास सन्स, 395/97, वरसी नाम स्ट्रीट, कठा आजार, मुम्बई-9 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के दिसम्बर, के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या एस० 35018(38)/75-पी० एफ० 2]

**S.O. 4332.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Maganlal Shriramdas Sons, 395/97, Narsi Natha Street, Katha Bazar, Bombay-9 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1974.

[No. S. 35018/39/75-PF. II]

**का० घा० 4333.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स न्यू एंग्री सीडस एंड सर्विस कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड, अकोला, जिसमें (1) मृत्युजय मार्केट, धारसाड, कनटिक (2) जी० टी० रोड, धारांज, इलाहाबाद में स्थित इसकी शाखाएँ भी सम्मिलित हैं नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को सागू किए जाने चाहिए;

अतः, प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को सागू करती है।

यह प्रधिसूचना 1974 की जुलाई के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35018(41)/75-पी० एफ० II(i)]

**S.O. 4333.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs New Agro Seeds and Service Company (Private) Limited, Akola, including its branches at (1) Mritunjay Market Dharwar, Karnataka (2) G.T. Road, Daraganj, Allahabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1974.

[No. S. 35018/41/75-PF. II(i)]

**का० घा० 4334.**—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परत्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जुलाई, 1974 से मैसर्स न्यू एंग्री सीडस एंड सर्विस कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड, अकोला, जिसमें (1) मृत्युजय मार्केट, धारसाड, कनटिक (2) जी०टी० रोड, धारांज, इलाहाबाद में स्थित इसकी शाखाएँ भी सम्मिलित हैं, नामक स्थापन को उक्त परत्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस०-35018(41)/75-पी० एफ० II(ii)]

**S.O. 4334.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st day of July, 1974 the establishment known as Messrs New Agro Seeds

and Service Company (Private) Limited Akola including its branches at (1) Mritunjay Market, Dharwar, Karnataka (2) G.T. Road, Daraganj, Allahabad for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018/41/75-PF. II(ii)]

**का० घा० 4335.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स प्रोटेक्टो इंजीनियरिंग (प्राइवेट) लिमिटेड, 26 गवर्नरेण्ट इंडस्ट्रियल स्टेट, कांडिवली, मुम्बई-400067 नामक स्थान से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि प्रधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को सागू किए जाने चाहिए;

अतः, प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतदादारा सागू करती है ?

यह प्रधिसूचना 1973 के प्रगत के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या एस०-35018(111)/74-पी० एफ०-2(i)]

**S.O. 4335.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Protecto Engineering (Private) Limited, 26, Government Industrial Estate, Kandivli, Bombay-400067 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of August, 1973.

[No. S. 35018(111)/74-PF. II(i)]

**का० घा० 4336.**—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि, प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परत्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् इकतीस प्रत्ता, 1973 से मैसर्स प्रोटेक्टो इंजीनियरिंग (प्राइवेट) लिमिटेड, 26 गवर्नरेण्ट इंडस्ट्रियल स्टेट, कांडिवली, मुम्बई-400067 नामक स्थापन को उक्त परत्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[संख्या एस०-35018(111)/74-पी० एफ०-2(ii)]

**S.O. 4336.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty-first day of August, 1973 the establishment known as Messrs Protecto Engineering (Private) Limited, 26, Government Industrial Estate, Kandivli, Bombay-400067 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018(111)/74-PF. II(i)]

**का० घा० 4337.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गर्डेन बुड्डीक एजेंसीज (प्राइवेट) लिमिटेड संख्या 1/21, नार्थ बीच रोड, मद्रास [जिसके अन्तर्गत संख्या 45, पोतुरेंगम रोड (वेस्ट) प्रार० एस० पुरम कोयमबद्द-2 (2) संख्या 7-2-200, गजमुण्डी रोड

सिकन्दराबाद-3, (3) संख्या 29, मगारथ रोड, बंगलौर-25, (4) डायोनल रोड, पोर्ट एरिया विशाखापत्तनम्-1 और (5) 23/1593-सी पालियम रोड पो. बा० संख्या 1767 अनंकुलम कोवीन-16 स्थित इसकी शाखाएँ भी हैं] नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 1974 के मार्च, के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई रामबाणी आयगी।

[संख्या एस० 350/19(70)/74-पी०-एफ०-2]

**S.O. 4337.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs, Gorden Woodroffe Agencies (Private) Limited, No. 1/21 North Beach Road, Madras, including branches at (1) No. 45, Ponnurengam Road (West), R.S. Puram, Coimbatore-2, (2) No. 7-2-200, Gazmundi Road, Secunderabad-3, (3) No. 29, Magarath Road, Bangalore-25, (4) Diagonal Road, Port Area, Visakapatnam-1 and (5) No. XXIII/1593-C, Paliam Road, P.B. No. 1767, Ernakulam, Cochin-16 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1974.

[No. S. 35019(70)/74-PF. II]

**का० घा० 4338.**—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि, प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 मार्च, 1974 से मैसर्स गोडेन बुडरोक एजेन्सी (प्राइवेट) लिमिटेड संख्या 1121 नार्थ बीच रोड, मद्रास [जिसमें संख्या 45 पोनुरेंगम रोड (पार्सिम) आरा० एस० पुरम कोयम्बूरू-2 (2) संख्या-7-2-200, गजमुंडी रोड, सिकन्दराबाद-3 (3) संख्या 29 मगारथ रोड बंगलौर-25 (4) डायोनल रोड, पोर्ट एरिया विशाखापत्तनम्-1 और (5) 23/1593-सी पालियम रोड पो. बा० संख्या 1767 अनंकुलम कोवीन-16 स्थित इसकी शाखाएँ भी सम्मिलित हैं] नामक स्थापन की उक्त परन्तुके प्रयोजनों के लिए विविष्ट करती है।

[संख्या एस० 35019(70)/74-पी०-एफ०-2(ii)]

**S.O. 4338.**—In exercise of the powers conferred by first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st March, 1974, the establishment known as Messrs Gorden Woodroffe Agencies (Private) Limited, No. 1/21, North Beach Road, Madras including branches at (1) No. 45, Ponnurengam Road (West), R.S. Puram, Coimbatore-2, (2) No. 7-2-200, Gazmundi Road, Secunderabad-3, (3) No. 29, Magarath Road, Bangalore-25, (4) Diagonal Road, Port Area, Visakapatnam-1 and (5) No. XXIII/1593-C, Paliam Road, P.B. No. 1767, Ernakulam, Cochin-16 for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019(70)/74-PF. II(ii)]

**का० घा० 4329.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ट्रायिकल एस० सिस्टम (प्राइवेट) लिमिटेड, 530/2, बी० वानगरम रोड एथिपेट मद्रास-58, जिसके प्रत्यंत सं० 6 रस्तेलैंग गेट, II स्ट्रीट मद्रास 600006 स्थित इसका मुख्य कार्यालय भी है नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 1974 के सितम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई रामबाणी आयगी।

[सं० एस० 35019(248)/74-पी० एफ० 2 (i)]

**S.O. 4339.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Tropical Agrosystems (Private) Limited, 530/2B, Vanagaram Road, Athipet Madras-58 including its Head office at No. 6, Rutland Gate, II Street, Madras-600006 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1974.

[No. S. 35019/248/74-PF. II(i)]

**का० घा० 4340.**—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 सितम्बर, 1974 से मैसर्स ट्रायिकल एस० सिस्टम (प्राइवेट) लिमिटेड 530/2 बी० वानगरम रोड एथिपेट मद्रास-58 जिसके प्रत्यंत सं० 6 रस्तेलैंग गेट, II स्ट्रीट, मद्रास-600006 स्थित इसका मुख्य कार्यालय भी है नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों सिए विविदिष्ट करती है।

[सं० एस० 35019(248)/7-पी०-एफ०-2 (ii)]

**S.O. 4340.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952) the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of September, 1974, the establishment known as Messrs Tropical Agro System (P.) Ltd, Athipet Madras-58 including its Head Office at No. 6, Rutland Gate Street, Madras-600006 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/248/74-PF. II(ii)]

**का० घा० 4341.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हिमालय प्रेस स्टेट फारेस्ट कारपोरेशन लिमिटेड बिलो बैंक, माल, शिमला नाम स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के प्रकाशन के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समस्ती जायेगी।

[संख्या एस० 350/19/250/74-पी०एफ० 2(i)]

**S.O. 4341.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Himachal Pradesh State Forest Corporation, Limited, Willow Bank, the Mall, Simla have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1974.

[No. S. 35019/250/74-PF.II(i)]

**का० पा० 4342.**—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब वेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तु द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 अक्टूबर 1974 से मैसर्स हिमाचल प्रदेश स्टेट फारेस्ट कारपोरेशन लिमिटेड बिलो बैंक माल, शिमला नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए अधिनियम करता है।

[सं० एस० 350119/250/74 पी०एफ०-2(ii)]

**S.O. 4342.**—In exercise of the powers conferred by first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of October, 1974, the establishment known as Messrs Himachal Pradesh State Forest Corporation Limited, Willow Bank, The Mall Simla-1 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/250/74-PF-II(ii)]

**का० पा० 4343.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पापीहरस कारपोरेशन, 175/1, माउन्ट रोड, मद्रास-2 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब वेशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपर्युक्त उक्त स्थापन को एतद्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के जून के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समस्ती जायेगी।

[संख्या एस० 35019(2)/75-पी० एफ-2(i)]

**S.O. 4343.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Papyrus Corporation, 175/1, Mount Road, Madras-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1974.

[No. S. 35019/2/75-PF.II(i)]

**का० पा० 4344.**—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब वेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् प्रथम जून, 1974 से मैसर्स पापीहरस कारपोरेशन, 175/1, माउन्ट रोड, मद्रास-2 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए अधिनियम करती है।

[संख्या एस० 35019(2)/75-पी०एफ० 2(ii)]

**S.O. 4344.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of June, 1974, the establishment known as Messrs Papyrus Corporation, 175/1, Mount Road, Madras-2 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/2/75-PF.II(ii)]

**का० पा० 4345.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गिरिसेन प्रासेस, 105, रेलवे फीडर रोड, सिवकाशी नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब वेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहियें;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 की जनवरी, के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समस्ती जायेगी।

[संख्या एस० 35019(5)/75-पी० एफ०-2(i)]

**S.O. 4345.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Girisen Process, 105, Railway Feeder Road, Sivakasi, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1975.

[No. S. 35019/5/75-PF.II(i)]

**का० पा० 4346.**—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब वेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तु द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जनवरी, 1975 से मैसर्स गिरिसेन, प्रासेस, 105, रेलवे फीडर रोड, सिवकाशी नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए अधिनियम करती है।

[संख्या एस० 35019(5)/75-पी० एफ०-2(ii)]

**S.O. 4346.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter

hereby specifies with effect from the first day of January, 1975 the establishment known as Messrs Girisen Process, 105, Railway Feeder Road, Sivakasi, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/5/75-PF.II(ii)]

**का० आ० 4347.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एस० एस० बी० ट्रेडिंग कम्पनी 31/497, एम० जी० रोड कोचीन-11 जिसमें 4/10 वेस्ट राजा स्ट्रीट बेदीनयानाकर जिला मदुरई स्थित इसकी शाखा भी सम्मिलित है नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 की जनवरी, के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[संख्या एस० 35019(15)/75-पी० एफ०-2(i)]

**S.O. 4347.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs S.S.B. Trading Company, 31/497, M.G. Road, Cochin-11 including its branch at 4/10, West Raja Street, Bodinayakur Madurai have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1975.

[No. S. 35019/15/75-PF.II (i)]

**का० आ० 4348.**—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जनवरी, 1975 से मैसर्स एस० एस० बी० ट्रेडिंग कम्पनी, 31/497 एम० जी० रोड कोचीन 11 जिसमें 4/10 वेस्ट राजा स्ट्रीट बेदीनयानाकर जिला मदुरई स्थित इसकी शाखा भी सम्मिलित है नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35019(15)/75-पी० एफ० 2(ii)]

**S.O. 4348.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of January, 1975 the establishment known as Messrs. S.S.B. Trading Company, 31/497, M.G. Road, Cochin-11 including its branch at 4/10, West Raja Street, Bodinayakur Madurai District for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/15/75-PF.II(ii)]

**का० आ० 4349.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मराट पोलिमर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 11 राजभवन रोड बंगलौर-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन

निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 की जनवरी, के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[संख्या एस० 35019(29)/75-पी० एफ०-2(i)]

**S.O. 4349.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Maratt Polymers (Private) Limited, 11, Rajbhavan Road, Bangalore-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of February, 1975.

[No. S. 35019 (29)/75-PF.II(1)]

**का० आ० 4350.**—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 फरवरी, 1975 से मैसर्स मराट पोलिमर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 11, राजभवन रोड बंगलौर-1 नामक स्थापन को परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35019(29)/75 पी० एफ०-2(ii)]

**S.O. 4350.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of February, 1975, the establishment known as Messrs Maratt Polymers (Private) Limited, 11, Rajbhavan Road, Bangalore-1, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/(29)/75-PF. II(ii)]

**का० आ० 4351.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स होली क्राइस्ट स्कूल, 10 मेन, 4 लालक जयनगर, बंगलौर-11, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक प्रौद्योगिक कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(31)/75-पी० एफ०-2 (i)]

**S.O. 4351.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Holy Christ School 10th Main, 4th Block, Jayanagar, Bangalore-11 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1975.

[No. S. 35019/31/75-PF.II(i)]

**का० आ० 4352.**—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परत्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में प्रावश्यक जांच करने के पश्चात् प्रथम जनवरी, 1975 से मैसर्स होली काइस्ट स्कूल, 10 मेन, 4 ब्लॉक, जयानगर, बंगलोर-11, नामक स्थापन की उक्त परत्तुके प्रयोजनों के लिए विनियोजित करती है।

[सं० एस० 35019(31)/75-पी० एफ०-2(ii)]

**S.O. 4352.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of January, 1975, the establishment known as Messrs Holy Christ School, 10th Main 4th Block, Jayanagar, Bangalore-11 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/31/75-PF.II(ii)]

**का० आ० 4353.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इन्टरकान इंडीनियर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 30/55, ग्रीष्मोगिक उपनगर, यशवंतपुर, बंगलोर-560022 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के नवम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(39)/75-पी० एफ०-2]

**S.O. 4353.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Intercon Engineers (Private) Limited, 30/55, Industrial Suburb, Yeshwanthpur, Bangalore-560022 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1974.

[No. S. 35019/39/75-PF. II]

**का० आ० 4354.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नियन्त्रक कार्यालय कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड, "महालक्ष्मी" 209, क्यू-बोर्डेट मेन रोड, बंगलोर-2 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(45)/75-पी० एफ०-2]

**S.O. 4354.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Comptrollers Office Co-operative Bank Limited, "Mahalakshmi" 209, Cubbonpet Main Road, Bangalore-2 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1975.

[No. S. 35019/45/75-PF. II]

**का० आ० 4355.**—यह: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पायनियर मैच वर्क्स (स्टॅटर) [एशियान मैच कल्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड, स्टॅटर का एक निकाय] नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 के प्रवृत्त के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(46)/75-पी० एफ०-2]

**S.O. 4355.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Pioneer Match Works (Sattur [A Unit of Asia Match Company (Private) Limited, Sattur] have agreed that the provisions of Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1975.

[No. S. 35019/46/75-PF. II]

**का० आ० 4356.**—यह: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बाल्ड गाम प्राटो इण्डस्ट्रीज (प्राइवेट) लिमिटेड, 14-18, ग्रीष्मोगिक एस्टेट, जोधपुर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के मार्च के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35019(92)/75-पी०एफ०-2]

**S.O. 4356.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bald Gaum Auto Industries (Private) Limited, 14-16, Industrial Estate, Jodhpur, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1974.

[No. S. 35019/92/75-PF. II]

**का० आ० 4357**—यतः, केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बरगढ़ को-आपरेटिव शुगर मिल्स लिमिटेड, बरगढ़, जिला-सम्बलपुर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

ग्रातः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के विवर के प्रथम विन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस. 35019(98)/75-पी०एफ०-2]

**S.O. 4357.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bargarh Co-operative Sugar Mills Limited, Bargarh, District Sambalpur have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1973.

[No. S. 35019(98)/75-PF. II]

**का० आ० 4358**—यतः, केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कालपेन प्रीडेक्ट्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 309, रघुनाथपुर-23 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

ग्रातः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के मई के इकाईसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस. 35019(107)/75-पी०एफ०-2]

**S.O. 4358.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Calpen Products (Private) Limited, 309, Rakhiyal Road, Ahmedabad-23 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of May, 1974.

[No. S. 35019/107/75-PF. II]

**का० आ० 4359**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गुजरात रोड लाइन्स, एस्टोडिया गेट के बाहर, पुराना लाटी बाजार, रघुनाथपुर, भ्रह्मवाबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

ग्रातः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के नवम्बर, के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस. 35019(123)/75-पी०एफ०-2(i)]

**S.O. 4359.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Gujarat Road Lines, Outside Astodia Gate, Old Lati Bazar, Raghunathpura, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1974.

[No. S. 35019(123)/75-PF. II (i)]

**का० आ० 4360**—यतः, केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तु धारा-प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषयों में ग्राम्यक जांच करने के पश्चात्, तीस नवम्बर, 1974 से मैसर्स गुजरात रोड लाइन्स, एस्टोडिया गेट के बाहर, पुराना लाटी बाजार, रघुनाथपुर, भ्रह्मवाबाद नामक स्थापन को उक्त परन्तु के प्रयोजन के लिए विनियोजित करती है।

[सं. एस. 35019(123)/75-पी०एफ०-2(ii)]

**S.O. 4360.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirtieth day of November, 1974 the establishment known as Messrs. Gujarat Road Lines, Outside Astodia Gate, Old Lati Bazar, Raghunathpura, Ahmedabad for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(123)/75-PF. II (ii)]

**का० आ० 4361.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स राम कनफेक्शनरी वर्क्स, सैजपुर बोगा, अहमदाबाद नामक स्थापन से सम्बन्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पैण्डन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवरत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के फरवरी, के अद्वाराईवं दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[संख्या एस० 35019/125/75-पी० एफ०-2]

**S.O. 4361.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Rama Confectionery Works, Saijpur Bogha, Ahmedabad have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-eighth day of February, 1973.

[No. S. 35019/125/75-PF. II]

**का० आ० 4362.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नटराजा, 92, अम्मन सन्नाथी, मदुराय नामक स्थापन से सम्बन्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पैण्डन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवरत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के सितम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस० 35019/236/74-पी० एफ०-2]

**S.O. 4362.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Nataraja's, 92, Amman Sannathi, Madurai, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1974.

[No. S. 35019/236/74-PF.II]

**का० आ० 4363.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कुमारन कैलेंडियरिंग मिल्स 309 नारायण, बालासू डाकघर-डिण्डल (चाया) ईरोड-4 नामक स्थापन से सम्बन्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पैण्डन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः अब, उक्त संस्थान की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवरत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के नवम्बर, के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[संख्या एस० 35019/238/74-पी० एफ०-2]

राम प्रसाद नरुला, प्रबंध सचिव

**S.O. 4363.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Kumaran Calendering Mills, 302, Narayana Valasu, Post Officer Dindal, (via) Erode-4 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1974.

[No. S. 35019/238/74-PF. II]

R. P. NARULA, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 1975

**का० आ० 4364.**—केन्द्रीय सरकार द्वारा न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 (1948 का 11) की धारा 4 की उपधारा (i) के खण्ड (iii) के साथ पठित धारा 3 की उपधारा (i) के खण्ड (क) के द्वारा प्रवरत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कोमाइट की खानों में नियोगित कर्मकारों के उन प्रवर्गों को, जो इससे उपराष्ट्र अनुसूची के स्तरभ 1 में विनिष्टिष्ट हैं, वेय मजदूरों की न्यूनतम वर्तों को, जैसे कि वे उपरोक्त अनुसूची के स्तरभ 2 में तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिष्टिष्ट हैं नियत करते के लिये की गई नियमित प्रस्थापनाओं को उक्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (i) के खण्ड (ख) की अपेक्षानुसार उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिये प्रकाशित किया जा रहा है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है। यह सूचना भी दी जाती है कि उक्त प्रस्थापनाओं पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन मासके अवधान के पश्चात विचार किया जायेगा।

ऊपर विनिष्टिष्ट अवधि के प्रवसान के पूर्व उक्त प्रस्थापनाओं के संबंध में जो भी आक्षेप या सुमात्र प्राप्त होंगे केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

#### अनुसूची

कार्य का वर्गीकरण	प्रतिवित मजदूरी की न्यूनतम दर
-------------------	-------------------------------

1

2

ओमाइट खाने

रु० पै०

#### प्रक्रमाल

आया, परिचर, बेकर (इस्त साधकों का प्रयोग करने वाला), बेलवार (कैटीन), छीनीवार, बलीनर, रसो-इया सहायक, हयोडिया, भारवाहक, लौरी सहायक, द्विमर मजदूर (पुरुष या स्त्री), कार्यालय परिचर, घण-रासी। संवेद वाहक, सर्वेक्षण खलासी, बालू कश (पुरुष

1	2
या स्त्री), सफाई परिवर्त, सर्फेस लैडर, पानी बाला, पानी बाहुक, लकड़हारा, अन्य प्रवर्ग जो अकुणल हैं, चाहे वे किसी भी नाम से जात हों।	४० ४०
अद्य-कुणल या अकुणल पर्वेशी	५. ८०
उत्स्फोटक (ब्लास्टर) का सहायक, फिटर का सहायक, सहायक ड्रिल प्रचालक, परिक्षर प्रवर्ग 'ग', सहायक यांत्रिक बैंकमैन, ब्रेकर (यांत्रिक साधिकों का प्रयोग करने वाला), बटलर एवं रसोइया, रखवात, रसोइया, चैकर, चार्जक तथा सहायक, औषधालय सहायक, मरदगार (बड़ई, लुहार, राजगीर, यांत्रिक खनन), हथीडिया, बत्तोधर सहायक, पर्स्प्र प्रचालक, माली, खनन संगी, यांत्रिक सहायक, हरकारा, पोएट्समैन प्रतियक (सेम्पलर), टैलीफोन परिचारक, टिम्बर मैन, अप्रणिक्षित गिरणगृह परिचारक, संथातन पंचापरिचारक। अन्य प्रवर्ग जो अम-कुणल या अकुणल पर्वेशी हैं, चाहे वे किसी भी नाम से जात हों।	७. २५
कुणल	
एयररिचर्च कर्बन प्रचालक, आटो बिजली मिस्ट्री, वेंटर, लुहार, उत्स्फोटक, कम्प्रेसर प्रचालक, ड्राइवर, ऑफरीट मिश्रक प्रचालक, चार्जमैन, बड़ई, कंपाउन्डर, रसायनक, ड्रिल प्रचालक, ड्रिल यांत्रिक आटो ड्राइवर, बिजली मिस्ट्री, बेतार प्रचालक, फोरमैन, फिटर, फैरीड्राइवर, होपूस्ट प्रचालक, ड्राइवर, हमें ड्राइवर, जारीकर्ता, लौरी ड्राइवर, लोको ड्राइवर, लोडर प्रचालक, यांत्रिकलाइनमैन, राजगीर, बड़ई, मिस्ट्री, पर्स्प्र प्रचालक, ड्राइवर, कुणल मजदूर, पर्वेशी (यांत्रिक), पर्यवेक्षक विद्युत, प्रस्तर बलिन (स्टोन कशर) प्रचालक, सर्वेक्षक, बरिल्ड यांत्रिक, टररर, टिम्बर, मिस्ट्री, वायरमैन, बैल्डर, संकर्म मिस्ट्री, खनन इंजन प्रचालक, प्रभावी पहरा व निगरानी, अन्य प्रवर्ग जो कुणल हैं, चाहे वे किसी भी नाम से जात हों।	८. ७०
लिपिकीय	
रोकडिया, सहायक, लिपिक, पत्रिका लिपिक, खजांची, मुंगी, अभिलेखपाल। फाइल लिपिक, भण्डारी समयपाल, आशुलिपिक, टंकर, अन्य प्रवर्ग जो लिपिकीय हैं, चाहे वे किसी भी नाम से जात हों।	८. ७०

## इस सूचना के प्रयोजन के लिये स्वदोकरण :

(1) (क) अकुणल कार्य वह कार्य है जिसमें कहुत थोड़ी या कुछ भी अकुणलता या कार्य का अनुभव अपेक्षित न करने वाली साधारण क्रियाएं सम्मिलित हों।

(ख) अद्य-कुणल कार्य वह कार्य है जिसमें कार्य के अनुभव से अर्जित कुछ मात्रा में कुणलता या सक्षमता सम्मिलित है और और ऊंचाल कर्मचारी के पर्यवेक्षण या सार्वदर्शन के अधीन किये जाने योग्य हैं और इसके अन्तर्गत अकुणल पर्वेशी कार्य भी आता है।

(ग) कुणल कार्य वह कार्य है जिसमें कार्य के अनुभव से अवधारणा के रूप में या किसी तकनीकी या आवश्यक संस्था में प्रशिक्षण के माध्यम से अर्जित कुणलता या सक्षमता अपेक्षित है और जिसके पालन में स्वप्रेरणा और विवेक बुद्धि आवश्यक है।

(2) प्रस्थापित मजदूरी की न्यूनतम वरें सबं सम्मिलित दरें हैं जिनमें आधारी वर, जीवन निवाह भत्ता, आवश्यक घस्तुओं के रियायत पर किये गए प्रदायाओं, यदि कोई हों, का नकदी मूल्य, सम्मिलित है तथा ताप्तात्त्विक विभाग के लिये देय मजदूरी भी सम्मिलित है।

(3) मजदूरी की न्यूनतम वरें ठेकेदारों द्वारा नियुक्त किये गये कर्मचारियों को भी लागू हैं।

(4) जहां संचिदा/करार आदि पर आधारित मजदूरी की विद्यमान दरें प्रधिनियम के अधीन अधिसूचित दरों से उच्चतर हैं, वहां उच्चतर दरें इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ न्यूनतम मजदूरी सभी जाएंगी और लागू की जाएंगी।

(5) अठारह वर्ष से कम आयु के और असमर्थ व्यक्तियों के लिये मजदूरी की न्यूनतम दरें समुचित प्रवर्ग के वयस्क कर्मकारों को देय दरों की ७० प्रतिशत होंगी।

[सं० एस-३२०१९(८)/७५-ब्ल्यू० सी० (एम० ब्ल्यू०)]

हंस राज छावड़ा, उप सचिव

New Delhi, the 22nd September, 1975

S.O.4364.—The following proposals made by the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 3 read with clause (iii) of sub-section (1) of section 4 of the Minimum Wages Act, 1948 (11 of 1948), for fixing the minimum rates of wages as specified in column 2 of the schedule annexed hereto, payable to the categories of employees employed in employments in Chromite Mines as specified in the corresponding entries in column 1 of the said Schedule, are hereby published, as required by clause (b) of sub-section (1) of section 5 of the said Act for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said proposal will be taken into consideration after the expiry of three months from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said proposals before the expiry of period specified above will be considered by the Central Government.

## SCHEDULE

Classification of work	Minimum rates of wages per day
1	2
CHROMITE MINES	
UNSKILLED	
Ayah, Attendant, Breaker (using Manual appliances), Beldar (Canteen), Chowkidar, Cleaner, Cook-helper, Hammer-man, Loader, Lorry helper, Trammer Mazdoor (Male/Female), Office boy, Peon/Messenger, Survey Khalasi, Sweeper (Male/Female), Scavanger, surface Landes, Watchman, Waterman, Water Carrier, Wood Cutter, other categories by whatever name called which are unskilled.	Rs. १.८०
SEMI-SKILLED/UNSKILLED SUPERVISORY	
Assistant to Blaster, Assistant to Fitter, Assistant Drill Operator, Attendant 'C' Category, Assistant Mechanic, Banksman, Breaker (using Mechanical appliances), Butler-cum-Cook, Carter, Cook, Checker, Charge Room Assistant, Dispensary attendant, Helper (Carpenter, Blacksmith, Mason, Mechanic, Mining), Hammerman, Lamp-room Attendant, Pump Attendant, Mali, Mining mate, Mechanical Helper, Mail Runner, Points-man, Sampler, Telephone attendant, Timberman, Untrained Creche attendant, Ventilation-Fan-Attendant. Other categories by whatever name called which are semi-skilled/Unskilled Supervisory.	Rs. ७.२५

1

2

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL (NO. 2) DHANBAD.**

**Reference No. 11 of 1975**

In the matter of an industrial dispute under Section 10  
(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

(Ministry's Order No. L-2012/173/74-LRII, dated  
7-2-1975.)

**PARTIES :**

Employers in relation to the management of Jamadoba  
Colliery of M/s. Tata Iron & Steel Company  
Limited, Post Office Jealgora, District Dhanbad.

**AND**

Their workmen.

**APPEARANCES :**

On behalf of the Employers—Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

On behalf of the Workmen—Shri J. D. Lall, Advocate.

State : Bihar

Industry : Coal.

**AWARD**

In this reference which was sent by the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi to this Tribunal for adjudication of the industrial dispute involved, two issues were framed viz.

"(1) Whether the management of Jamadoba Colliery of Messrs. Tata Iron & Steel Company Limited, Post Office Jealgora, District Dhanbad, are justified in terminating the service of Shri Shanta Turi, Safety Lamp Cleaner, with effect from 11th September, 1974?

(2) If not, to what relief is the workman entitled?"

The parties duly appeared in this reference by their Advocates authorised for the purpose. Written statements were filed by the parties and the case proceeded along its course. Ultimately the employers represented by Shri S. S. Mukherjee, Advocate and the workman represented by Shri J. D. Lall, Advocate filed a memorandum of settlement signed by both parties with a prayer that an award may be passed in terms of the settlement as filed. I heard the parties on the matter and it is submitted that they have come to an amicable settlement in the industrial dispute and an award may be passed accordingly. It appears that the memorandum of settlement was duly signed by both sides. The terms of the settlement appear to be beneficial to the parties and nothing stands in the way of an award being passed.

2. In the result, I pass an award in respect of the industrial dispute involved in this reference in terms of the memorandum of settlement which do, form part of the award.

9th Sept. 1975.

K. K. SARKAR, Presiding Officer.

**BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL  
GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. II,  
DHANBAD**

**Reference No. 11 of 1975**

The Employers in relation to the Management of Jamadoba Colliery of M/s. Tata Iron & Steel Co. Ltd., Jamadoba, P.O. Jamadoba, Distt. Dhanbad.

**AND**

Their Workmen.

The parties above named beg to submit as follows :—

That the concerned workmen Sri Shanta Turi has since approached the management and requested for the review

New Delhi, the 23rd September, 1975

S.O. 4365.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Jamadoba Colliery of Messrs. Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Jealgora, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th September, 1975.

of his order of dismissal in view of certain new facts which could not be placed by him at the time of enquiry.

2. That the management discussed the entire dispute afresh in the light of further facts.

3. That after thorough discussion the parties have agreed to settle the dispute on the following terms :—

- (a) That Shri Shanta Turi is to be reinstated in his original job of Safety Lamp Cleaner with effect from the date he reports for duty.
- (b) That Shri Shanta Turi is to report for duties within 7 days from the date of this agreement, failing which his termination with effect from 11-9-1974 stands.
- (c) That the period from the date of termination till the date of his re-instatement will be treated, as if Shri Shanta Turi was on leave without wages for the purpose of continuity of service only.
- (d) That Sri Shanta Turi will not be entitled to any wages or compensation for the period of his idleness.
- (e) that the parties will bear their respective cost of this proceedings.

4. That the above terms settle the pending dispute in the present reference and there remains no other dispute which needs any further adjudication.

It is therefore humbly prayed that the above terms of settlement may kindly be accepted and an Award passed in terms thereof.

Concerned Workman.

For Employer.  
Sd/-  
(Illegible)

Sd/-  
(Sri Shanta Turi)  
Identified by me.

Sd/- (J. D. Lall) Advocate

K. K. SARKAR, Presiding Officer  
[No. L 20012/173/74-LRI/D. III A]  
G. C. SAKSENA, Under Secy.

New Delhi, the 19th September, 1975

**S.O.4366.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Bikaner Gypsum Limited, Bikaner, and their workmen, which was received by the Central Government on the 13th September, 1975.

**CENTRAL INDUSTRIAL TRIBUNAL, RAJASTHAN  
JAIPUR**

**CASE No. CIT 5/69.**

Ref.—Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) order No. 24/35/67-LRI dated 18-12-1967.

In the matter of an Industrial Dispute

BETWEEN

Gypsum Mines Workers Union, Bikaner

AND

Bikaner Gypsum Ltd., Bikaner.

**APPEARANCES**

For the Unions

Shri Prem Kishan Sharma  
Shri I.M. Basra

For the Management

Shri A.K. Mukarji

**AWARD**

The Central Government has made the following reference for adjudication to this Tribunal :—

(i) Whether the management of M/s. Bikaner Gypsum Limited Bikaner was justified in laying off 138 workmen without payment of any lay off compensation mentioned below employed in their Jamsar, Dhireta and Suratgarh mines and in their Bikaner office from the date mentioned against each? If not, to what relief are the workmen entitled?

S. No.	Name of the Mine	Name of the workman	Date of lay off
1	2	3	4
1.	Jamsar	Shri Shanti Prakash Asstt, foreman	10-10-67
2.	"	Kanti Prasad	"
3.	"	Shri Harjeet Singh	"
4.	"	S. D. Joshi	"
5.	"	Omprakash Bansal, Supervisor	"
6.	"	B.S. Thapa,	"
7.	"	Ramkaranlal Gupta, Clark	"
8.	"	Hazari Peon	"
9.	"	L.N. Dass, Peon	"
10.	"	Radey Shyam, Supervisor	"
11.	"	Ashish Kr. Biswas, Supervisor	"
12.	"	Sher Singh	"
13.	"	P.K. Bose	"
14.	"	K.U. Khan	"
15.	"	Rajewan	"
16.	"	Mohan Singh	"
17.	"	Mohan Singh Lok	"
18.	"	Pratap Singh, Peon	"
19.	"	Jahangri Shan, Peon	"
20.	"	Moolia, Peon	"
21.	"	Krishna	"
22.	"	Moda	"
23.	"	Jadgish	"
24.	"	Bholiya	"
25.	"	Chautiya	"
26.	"	Jamuna	"
27.	"	Jethiya	"
28.	"	Dhapoo	"
29.	"	Ladwai	"
30.	"	B.L. Ojha, Clerk	14-10-67
31.	"	Pooranmal Khatri, Peon	"
32.	"	Chhoturam, Driller	"
33.	"	Ramkishan	"
34.	"	Joshia	"
35.	"	Lala	"
36.	"	Krishna, Blasting Helper	"
37.	"	Pohkar	"
38.	"	Ania	"
39.	"	Premla	"
40.	"	Deola, Mate	"
41.	"	Ganga son of Girdhari, Mazdoor	"
42.	"	Kheta son of Ama, Mazdoor	"
43.	"	Bhron s/o Pooran	"
44.	"	Govind s/o Chotiram	"
45.	"	Tejaram s/o Rajunjal	"
46.	"	Shera son of Bhika	"
47.	"	Amritya s/o Purkha	"
48.	"	Smt Deoli w/o Amartia, female mazdoor	"
49.	"	Chunki w/o Ridmal	"
50.	"	Rajki w/o Sardaram	"
51.	"	Kelki w/o Chola	"

1	2	3	4	1	2	3	4
52.	Jamsar	Smt. Aski w/o Rewatia Female	Mazdoor	14-10-67	115.	Jamsar Smt. Ganga	Female Mazdoor
53.	"	Aski w/o Ganga	"	"	116.	"	Meera Female Mazdoor
54.	"	Anchi w/o Amritiya	"	"	117.	"	Shri Baloo Male Mazdoor
55.	"	Puski w/o Jeru	"	"	118.	"	Bhura Male Mazdoor
56.	"	Romeshweridevi, Crech Atten	"	"	119.	"	Mohan Singh, Field Asstt.
57.	"	Shri B.G. Ganguli, Water Supply	"	"	120.	"	Farida, Khalasi
58.	"	Deem Mohammed, workshop Attendant	"	"	121.	Suratgarh	M. L. Sharma, Supervisor
59.	"	Raghunandan Arya, Air Compressors Att.	"	"	122.	"	Wazir son of Kanga Mazdoor
60.	"	Lal Moh.	"	"	123.	"	Rakaudin son of Wazir Mazdoor
61.	"	Mangla, Engine Attendant	"	"	124.	"	Ganeshlal son of Kishan Mazdoor
62.	"	Bulaki	"	"	125.	"	Kirat son of Fallu Shah M.
63.	"	Abdul Sakoor Engine Attendant	"	"	126.	"	Gangaram son of Bhairaram Mazdoor
64.	"	Smt. Dhapi w/o Udhra, Female Mazdoor	"	"	127.	"	Trilok Dass s/o Hukamdas
65.	"	Anki w/o Jalram	"	"	128.	Dhirera	Mazdoor
66.	"	Gorly w/o Dhokalia	"	"	129.	"	Gulab Singh Supervisor
67.	"	Sardari w/o Magga	"	"	130.	"	Ratiram Mazdoor
68.	"	Sardari w/o Mangla	"	"	131.	"	Jetha Mazdoor
69.	"	Durki w/o Jora	"	"	132.	"	Keshri Singh Mazdoor
70.	"	Shri Inder Sain Shoval Operator		20-12-67	133.	"	Lal Singh Diesol Mech.
71.	"	Suroya Khan, Shoval Operator		20-10-67	134.	"	Hussain Khan s/o Farid Khan
72.	"	Lal Khan Driver (A)	"	"	135.	"	Kamal Singh Poon
73.	"	Mool Singh Driver (A)	"	"	136.	"	Ratiram Mazdoor
74.	"	Ramchandra Driver (B)	"	"	137.	"	Ramdhari Giri, Blaster
75.	"	Faizu Driver B	"	"	138.	"	Jodhram Helper
76.	"	Mantoo Driver B	"	"			Ramjan Helper
77.	"	Prem Singh Driver B	"	"			"
78.	"	Hari Singh Driver B	"	"			
79.	"	Kishan Singh Driver B	"	"			
80.	"	Sultan Singh Driver B	"	"			
81.	"	Chand Khan Driver B	"	"			
82.	"	Neta, Fitter	"	"			
83.	"	Ahmed Son, Fitter	"	"			
84.	"	Jahangri Shah, Fitter	"	"			
85.	"	Bhanwar Shah Fitter (Bench)	"	"			
86.	"	Pusha Blacksmith	"	"			
87.	"	Gokul Singh Welder	"	"			
88.	"	Pusha, Wireman 'B'	"	"			
89.	"	Kishanlal Helper	"	"			
90.	"	Sarwar Khan, Helper	"	"			
91.	"	Nathu Shah Helper	"	"			
92.	"	Bishan Singh Helper	"	"			
93.	"	Faisu Shah Helper	"	"			
94.	"	Noor Shah Helper	"	"			
95.	"	Mangtu Helper	"	"			
96.	"	Kalia Ram Helper	"	"			
97.	"	Nema Ram Helper	"	"			
98.	"	Rahmat Ali Mazdoor	"	"			
99.	"	Nareshi Ram Mazdoor	"	"			
100.	"	Nathu Singh Mate	"	"			
101.	"	Smt. Dhapu Maz. Female Mazdoor	"	"			
102.	"	Tejki Female Mazdoor	"	"			
103.	"	Shri Umer Singh, Shoval Operator		21-10-67			
104.	"	Gopal Singh, Driver A	"	"			
105.	"	Chatra, Generator Operator	"	"			
106.	"	Fatida, Air Comp. Attendant	"	"			
107.	"	Lalla Khan, Mazdoor	"	"			
108.	"	Smt. Neerki Female Mazdoor	"	"			
109.	"	Phirozoli Female Mazdoor	"	"			
110.	"	Shri Virendra Kumar, Sr. Clerk	"	"			
111.	"	Yusuf Peon	"	"			
112.	"	Ramanlal Sr. Clerk	"	"			
113.	"	R. S. Saxena, Clerk	"	"			
114.	"	Smt. Bhura, Famale Mazdoor	"	"			

(2) Whether the management of M/s. Bikaner Gypsum Limited Bikaner was justified in retrenching 48 workmen mentioned below with effect from the 18th November, 67, If not, to what relief are they entitled ?

1. Shrimati Chandi
2. " Nirki
3. " Aski
4. " Jamauna
5. " Dhanni
6. " Aski
7. " Pirojii
8. " Anki
9. " Gorly
10. " Jethki
11. " Sardari
12. " Chunki
13. " Auchi
14. " Phuzhki
15. " Miran
16. " Dhapo
17. " Kajki
18. " Deoli
19. " Sardari
20. " Dhurki
21. " Laduri
22. " Tejki
23. Shri Sundar Shah
24. " Ramjan Shah
25. " Ramjan
26. " Rehamatali
27. " Kheta
28. " Dhannaram
29. " Bhairon
30. " Abdul Shah
31. " Kirat Shah
32. " Fazal Shah
33. " Sardar Khan

- 34: Shri Makhan Shah  
 35. " Luna  
 36. " Shetan Singh  
 37. " Narsi Ram  
 38. " Ganeshlal  
 39. " Nukma  
 40. " Reda Ram  
 41. " Deepa Ram  
 42. " Jetha Ram  
 43. " Jagdish  
 44. " Rati Ram  
 45. " Keshri Singh  
 46. " Manohar  
 47. " Shafi Shah  
 48. " Mahboob Shah

The statement of claim was filed by the Secretary, Gypsum Mines Workers Union, and reply to it was filed on behalf of the management. Thereafter the parties produced their evidence, the case was fixed for arguments. When the parties desired that they would try to settle the dispute mutually, hence adjournments were given. On 28-3-74, a settlement was filed by the management and the Gypsum Mines Workers Union, a copy of the settlement was given to the representative of the Rashtriya Gypsum Karanchari Sangh who had become a party to the reference later on, but had not filed a statement of claim on their behalf. Some objections were raised by this Sangh with regard to three workmen. On 25-6-74, the two unions namely Gypsum Mine Workers Union and Rashtriya Gypsum Karanchari Sangh, settled the matter amongst themselves and prayed before the Tribunal for passing an award on the terms of the settlement. I have gone through the terms of the settlement and find that they are just, reasonable and equitable. Hence an award on the terms of the settlement which shall form a part of the award is passed.

Sd/-

G. N. MATHUR, Presiding Officer

Form H'

(See Rule 58)

#### MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Ltd., Bikaner.
2. Shri A. K. Mukherjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Ltd., Bikaner.

Representing Workmen :

1. Shri Radhey Shyam, President.
2. Shri Ghulam Shah, Vice President.
3. Shri V. N. Gupta, General Secretary.
4. Shri B. L. Ojha, Secretary

Gypsum Mine Workers Union Jamsar.

#### SHORT RECITAL OF THE CASE :

Certain disputes relating to lay off and retrenchment arose at the instance of the Gypsum Mine Workers Union. Later on these disputes were referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur. The dispute was numbered as Reference No. 5/69. These cases have been pursued by the Gypsum Mine Workers Union before the Industrial Tribunal and various hearings have been held from time to time. During the pendency of the case 25 retrenched workers have finally settled their cases. The parties felt that instead of pursuing litigation, efforts should be made to settle these outstanding disputes. All the other disputes between the parties have already been settled. Negotiations were held between the parties both before the Industrial Tribunal during the course of hearings as also separately between the parties and as a result of these negotiations parties arrived at a tentative settlement at the last hearing before the Tribunal on 28-9-73. Parties have now finally settled the dispute on the following amongst other.

#### TERMS OF SETTLEMENT REGARDING RETRENCHED WORKMEN :

1. The Workmen as per Annexure I have already accepted the retrenchment compensation in full and final settlement of their accounts and individual settlements have already been arrived at with them and filed before the Industrial Tribunal. It is agreed that the cases of the aforesaid workmen will stand settled in terms of the individual settlements already filed before the Industrial Tribunal and will form part of this settlement and will be annexed as Annexures II I to II 25.

2. Shri Sudhershan, Ticket No. 2250, has already joined the company's establishment at Udaipur and no dispute now survives with regard to him. As far as Shri Jagdish, Ticket No. 3070, is concerned, he has already been employed elsewhere and is no longer interested in being employed in the company nor has he any claim to compensation. He has already been paid his due compensation and other dues.

3. As regards Shrimati Gorli, Ticket No. 2163, w/o. Dhokalia, Shrimati Deoli, Ticket No. 2143, W/o. Shri Amra, Shrimati Dhoap, Ticket No. 2155, W/o. Pema and Shrimati Aski, Ticket No. 2153, W/o. Jeshia, it is agreed that an ex-gratia payment, equal to the amount of retrenchment compensation already paid to them, shall be made, in full and final settlement of their claims. Their present whereabouts are not known, but the management will send intimation by Registered post at their last known addresses in consultation with the union. If they do not turn up to collect payment within one month of the signing of the settlement, no further claim shall survive.

4. The following 17 workmen will be taken back in the employment of the company and they shall report for duty within 15 days of the signing of the settlement :

1. Shri Rehmat Ali, T. No. 2247
2. Shri Sardar Khan, T. No. 2132
3. Shri Shaitan Singh, T. No. 3057
4. Shri Narsi Ram, T. No. 2258
5. Shri Hukma, T. No. 2270
6. Shri Reda Ram, T. No. 3067
7. Shri Jetha Ram, T. No. 3073
8. Shri Rati Ram, T. No. 3074
9. Shri Manohar, T. No. 2269.
10. Shri Mehboob Shah, T. No. 2273
11. Smt. Hirki, T. No. 2141
12. Smt. Jumna, T. No. 2157
13. Smt. Sardari, T. No. 2154
14. Smt. Phuski, T. No. 2197
15. Smt. Miran, T. No. 2150
16. Smt. Rajki, T. No. 2148
17. Smt. Laduri, T. No. 2147

If they do report for duty, they shall be so taken back and if they do not report for duty, they will forfeit their chances to employment or any other claims against the company. They shall be considered as new employees and their dates of appointment will be counted as from the date of re-employment save and except for the purpose of provident fund which will be from the date they are employed after this settlement. Any earlier service shall not be counted.

#### REGARDING LAID OFF WORKMEN :

5. Without creating any precedent in future and in the interest of maintaining cordial employer-employee relations, it is hereby agreed with regard to the laid off employees as follows :

- (i) They will be paid compensation at the rate of half wages as prescribed under the Industrial Disputes Act for the period they were laid off without compensation.
- (ii) They will further be paid an ex-gratia amount as per Annexure III attached herewith.

6. The above settlement fully settles all disputes pending before the Industrial Tribunal and referred in Reference No. CIT 5/69. The parties will pray to the Tribunal to make an award in terms of this settlement. Copies of this settlement will also be forwarded jointly by the parties in accordance with Rule 58(4) of the Industrial Disputes (Central) Rules to the authorities

prescribed under the said rules.

Representing Management : Sd/-M. Roy N.  
Sd/-A.K. Mukherjee  
Representing Workmen : Sd/-Radheysham  
Sd/-Ghulam Shah  
Sd/-V.N. Gupta  
Sd/-B.L. Ojha

Annexure to settlement  
dated 25-3-74

ANNEXURE—I

Sl. No.	Name	Father/Husband's name :	T.No.	Ex-Gratia Amount : Rs.
1.	Shri Kheta	S/o. Amra	2121	490.77
2.	Shri Bhera Ram	S/o. Puran	2123	490.77
3.	Shri Abdul Shah	S/o. Noor Shah	2127	496.26
4.	Shri Kirat Shah	S/o. Pallu Shah	2196	496.26
5.	Shri Ramzan Shah	S/o. Pallu Shah	2267	551.40
6.	Shri Fazal Shah	S/o. Fateh Shah	2243	496.26
7.	Shri Luna	S/o. Jumme Khan	2248	496.26
8.	Smt. Tejki	W/o. Lichman	2185	516.67
9.	Shri Ramzan	S/o. Rahim Bux	2200	551.40
10.	Shri Shaf Shah	S/o. Miran Shah	2272	51.98
11.	Smt. Chandki	W/o. Raimo	2139	534.59
12.	Smt. Dhanai	W/o. Uda	2138	540.37
13.	Smt. Aski	W/o. Rewatia	2156	538.60
14.	Smt. Pirojli	W/o. Nabi Bux	2167	521.60
15.	Smt. Anki	W/o. Jairam	2161	541.55
16.	Smt. Chunki	W/o. Ridmal	2144	520.14
17.	Smt. Sardhari	W/o. Mangla	2145	532.40
18.	Smt. Dhurki (Decd.)	W/o. Jausa	2164	511.64
19.	Shri Ganeshlal	S/o. Shreekishan	2259	316.88
20.	Shri Deepa Ram (Decd.)	S/o. Lakha Ram	3069	212.82
21.	Shri Keshari Singh	S/o. Ganpat Singh	3081	208.83
22.	Shri Makhan Shah	S/o. Gulab Shah	2239	496.26
23.	Shri Dana Ram (Decd.)	S/o. Magga	2240	496.26
24.	Smt. Jethki	W/o. Rawat	2183	529.01
25.	Smt. Anchhi	W/o. Amra	2162	514.32

ANNEXURE—II 1

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shrimati Anki, T. No. 2161, w/o Jai Ram, Jamsar (in Person).

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S. O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15-1-68 published in the Gazette of India dated 26-10-68 Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer

before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following :

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, she further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act 1947.

Representing Employers :

Sd/-  
(M. N. ROY)  
Sd/-  
(A. K. MUKHARJEE)

Representing Workman :

RTI of Anki.

Witnesses :

1. Sd/- Ghulam Shah
  2. Sd/- Govind Singh
- Bikaner, Date : 1-11-73.

ANNEXURE—II 2

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

## Representing Workman :

1. Shri Safi Shah, T. No. 2272, s/o Miron Shah, Jamsar  
(in Person).

## SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S. O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15-10-68 published in the Gazette of India dated 26-10-68 Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following :

## TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agree that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act 1947.

## Representing Employers :

Sd/-

(M. N. ROY)

Sd/-

(A. K. MUKHARJEE)

Sd/-

(SAFI SHAH)

## Representing Workman :

## Witnesses :

1. Sd/- Ghulam Shah  
2. Sd/- Govind Singh  
Date : 1-11-73  
Bikaner.

## ANNEXURE II 3

## FORM 'H'

## MEMORANDUM OF SETTLEMENT

## Name of Parties :

## Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

2. Shri A. K. Mukherjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

## Representing Workman :

1. Shrimati Dhani T. N. 2138 W/o Uda Jamsar.  
(in Person)

## SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15-10-68 published in the Gazette of India dated 26-10-68, Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the Company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas, the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammad Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in the question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following :

## TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Dispute Act, 1947.

Representing Employers:

Sd/-  
M. N. Roy

Sd/-  
A. K. Mukharjee

Representing Workman

R. T. J. Dhauri.

Witnesses:

1. Sd/- Ghulam Shah  
2. Sd/- Govind Singh

Date : 3-11-73

#### ANNEXURE II/4

#### FORM 'H'

#### MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner

2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shri Kesari Singh T. N. 3081  
S/o Ganpat Singh, Deherera  
(in Person)

#### SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S. O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15-10-68 published in the Gazette of India dated 26/10/68, Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the Company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following.

#### TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name ap-

pears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.
3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Dispute Act, 1947.

Sd/  
(M. N. Roy)

Representing Employers :

A. K. MUKHERJEE,

Representing Workman :

LTI of Kesari Singh

Witnesses:

1. Sd/- Ghulam Shah  
2. Sd/- Govind Singh

Date : 10-12-73.

#### ANNEXURE II/5

#### FORM 'H'

#### MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent Bikaner, Gypsums Limited, Bikaner.  
2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shri Deeparam T.N. 3069 Deceased (Wife & legal heir Smt. Imrati Devi, Dchesara).  
(in Person)

#### SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S. O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15-10-68 published in the Gazette of India dated 26/10/68, Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the Company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following.

#### TERMS OF SETTLEMENT

- That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.
- The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.
- That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Dispute Act, 1947.

Representing Employers :

M. N. ROY  
A. K. MUKHARJEE

Representing Workman :

RTI of Imrati Devi Legal heir  
of Deeparam

Witnesses:

- Sd/- Ghulam Shah
- Sd/- Govind Singh

Date : 10-12-73.

#### ANNEXURE II/6

#### FORM 'H'

#### MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties:

Representing Employers :

- Shri M. N. Roy, Mine Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
- Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman:

- Shrimati Dhurki T. N. 2164 deceased W/o Jaura (husband) Jamsar.  
(in Person)

#### SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-1967 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government Order dated 15/10/68 published in the Gazette of India dated 26-10-68, Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the Company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officer, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following.

#### TERMS OF SETTLEMENT

- That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Representing Employers:

M. N. ROY

Sd/-

Sd/-

A. K. MUKHARJEE

Representing Workman:

LTI of Jaura Legal heir of Dhurki

Witnesses:

- Sd/- Ghulam Shah
- Sd/- Govind Singh

Date : 28-11-73

## ANNEXURE II/7

## FORM 'H'

## MEMORANDUM OF SETTLEMENT

## Name of Parties:

## Representing Employers:

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

## Representing Workman :

1. Shri Ganeshlal T. N. 2259 S/o Shrikishan Suratgarh (in Person).

## SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation, (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-1967 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15/10/68 published in the Gazette of India dated 26-10-68, Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the Company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officer, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in the question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following.

## TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.
2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award

in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

## Representing Employers:

Sd/-  
(M. N. ROY)

Sd/-  
(A. K. MUKHARJEE)

## Representing Workman:

Witnesses: ( )  
(Ganeshlal)

1. Sd/- Ghulam Shah
2. Sd/- Govind Singh

Date : 8-12-73

## ANNEXURE II/8

## FORM 'H'

## MEMORANDUM OF SETTLEMENT

## Name of Parties:

## Representing Employers:

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

## Representing Workman:

1. Shrimati Jathki T. N. 2183, D/o Rawet Jamsar (in Person)

## SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-1967 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15/10/68 published in the Gazette of India dated 26-10-68, Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the Company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officer, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following.

## TERMS OF SETTLEMENT

- That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Representing Employers :

Sd/-  
(M. N. ROY)

Sd/-  
(A. K. MUKHARJEE)

Representing Workman:

Witnesses:

- Sd/- Ghulam Shah
  - Sd/- Govind Singh
- Date : 5-2-74

RTI of Jethki

ANNEXURE II/9

FCRM 'H'

## MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties:

Representing Employers :

- Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
- Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman:

- Shrimati Gauran T. N. 2240 Legal heir of Danaram Jamsar (in Person)

## SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-1967 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15/10/68 published in the Gazette of India dated 26/10/68, Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the Company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan

to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following.

## TERMS OF SETTLEMENT

- That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Representing Employers :

Sd/-  
(M. N. ROY)

Sd/-  
(A. K. MUKHARJEE)

Representing Workman:

Witnesses:

- Sd/- Ghulam Shah
- Sd/- Govind Singh

Date 22-1-1974

RTI of Gauran

Legal heir of Danaram

ANNEXURE II/10

## FORM 'H'

## MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties:

Representing Employers :

- Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
- Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman:

- Shrimati Auchi W/o Amra, T. N. 2162, Jamsar (In Person)

## SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-1967 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15/10/68 published in the Gazette of India dated 26/10/68, Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the Company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur:

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following.

## TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.
2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.
3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Representing Employers:

Sd/-  
M. N. ROY

Sd/-  
(A. K. MUKHARJEE)  
(RTI of Auchi)

Representing Workman:

- Witnesses:
1. Sd/- Ghulam Shah
  2. Sd/- Govind Singh
- Date : 22-1-74  
Bikaner

## ANNEXURE II/11

## FCRM 'H'

## MEMORANDUM OF SETTLEMENT

## Name of Parties:

## Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

## Representing Workman:

1. Shrimati Janta, Legal heir & W/o Makhan Shah deceased T. N. 2239, Jamsar. (in Person)

## SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-1967 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15/10/68 published in the Gazette of India dated 26/10/68, Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the Company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future:

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years:

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following.

## TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.
2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Representing Employers :

Sd/-

(M. N. ROY)

Sd/-

(A. K. MUKHARJEE)

Representing Workman: (RTI of Janta W/o Makhan Shah)

Witnesses:

1. Sd/- Ghulam Shah
2. Sd/- Govind Singh

Date : 27-12-73.  
Bikaner

#### ANNEXURE II/12

#### FORM 'H'

#### MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties:

Represent Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman:

1. Shri Luma T. N. 2248 S/o Jumuna Khan, Jamsar.  
(in Person)

#### SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-1967 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15-10-68 published in the Gazette of India dated 26-10-68, Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the Company was referred for adjudication of the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur;

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and /or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years:

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following.

#### TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference

relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.
3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Representing Employers:

Sd/-

(M. N. ROY)

Sd/-

(A. K. MUKHARJEE)

Representing Workman:

Witnesses:

1. Sd/- Ghulam Shah
2. Sd/- Govind Singh

Date : 18-10-73

Bikaner

#### ANNEXURE II/13

#### FORM 'H'

#### MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman: 1. Shrimati Teejki T.N. 2185 W/o Luchman, (Jamsar) (in Person)

#### SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S. O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3 (ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15/10/68 published in the Gazette of India dated 26/10/68 Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/59 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in

cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years :

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following :

#### TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.
2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.
3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Representing Employers :

M. N. ROY  
A. K. MUKHARJEE

Representing Workman : RTI of Teyki

Witnesses :

1. Ghulam Shah
  2. Govind Singh
- Bikaner : 18-10-73

#### ANNEXURE II/14

#### FORM 'H'

#### MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shrimati Sardari T. N. 2145 W/o Mangla, Jamsar, (In Person)

#### SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15/10/68 published in the Gazette of India dated 26/10/68 Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following :

#### TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.
2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.
3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Representing Employers :

M. N. ROY  
A. K. MUKHARJEE

Representing Workman : (RTI of Sardari)

Witnesses :

1. Ghulam Shah
  2. Govind Singh
- Bikaner : 22-10-73

#### ANNEXURE II/15

#### FORM 'H'

#### MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

**Representing Workman :**

1. Shrimati Chandki T. N. 2139, W/o Ramoo. Jamsar.  
(in Person)

**SHORT RECITAL OF THE CASE**

Whereas by Order No. S. O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-1967 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15/10/68 published in the Gazette of India dated 26/10/68 Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following.

**TERMS OF SETTLEMENT**

- That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.
- The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.
- That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed, for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

**Representing Employers :**

M. N. ROY  
A. K. MUKHARJEE  
(RTI of Chandki)

**Representing Workman :**

**Witnesses :**

- Ghulam Shah
- Govind Singh
- Date : 19-10-73

Bikaner

ANNEXURE II/16

**FORM 'H'**

**MEMORANDUM OF SETTLEMENT**

**Name of Parties :**

**Representing Employers :**

- Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
- Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

**Representing Workman :**

- Shri Abdul Shah T. N. 2127 S/o Noor Shah Jamsar.  
(in Person)

**SHORT RECITAL OF THE CASE**

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15-10-68 published in the Gazette of India dated 26-10-68 Part II, Section 3 (ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following:

**TERMS OF SETTLEMENT**

- That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.
- The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.
- That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

**Representing Employers :**

M. N. ROY

A. K. MUKHARJEE

## ANNEXURE II/17

Representing Workman :

Witnesses :

1. Sd/- Ghulam Shah  
 2. Sd/- Govind Singh  
 Dated : 18-10-73.  
 Bikaner.

**FORM 'H'**  
**MEMORANDUM OF SETTLEMENT**

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.  
 2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shri Ramzan T. N. 2200. S/o Rahim Box Jaipur (in Person)

**SHORT RECITAL OF THE CASE**

Whereas by Order No. S. O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15-10-68 published in the Gazette of India dated 26-10-68 Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur;

2. And whereas the reference was numbered as I. T. 6/67 and renumbered as I. T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following :

**TERMS OF SETTLEMENT**

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Sd/-  
 (M. N. ROY)

Representing Employers :

Sd/-  
 (A. K. MUKHARJEE)

Representing Workman

L. T. I. of Ramzan

Witnesses :

1. Sd/- Ghulam Shah  
 2. Sd/- Govind Singh

Dated : 30-10-73.

Bikaner

**ANNEXURE II/18**  
**FORM 'H'**  
**MEMORANDUM OF SETTLEMENT**

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.  
 2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shri Khota Ram T. N. 2121 S/o Amra Jaunsar (in Person)

**SHORT RECITAL OF THE CASE**

Whereas by Order No. S. O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15-10-68 published in the Gazette of India dated 26-10-68 Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur;

2. And whereas the reference was numbered as I. T. 6/67 and renumbered as I. T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future :

5. And whereas the workman approached the management and expressed desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years :

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following :

**TERMS OF SETTLEMENT**

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all

his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Representing Employers :

Sd/-  
(M. N. ROY)

Sd/-  
(A. K. MUKHARJEE)

Representing Workman

Witnesses :

1. Sd/- Ghulam Shah

2. Sd/- Govind Singh

Dated 18-10-73

Bikaner.

L. T. I. of Khota Ram  
ANNEXURE II/19

#### FORM 'H'

#### MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shrimati Chunki T.N. 2144 w/o Ridmal Jaunsar.  
(in Person)

#### SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S. O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-1967 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15-10-68 published in the Gazette of India dated 26-10-68 Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur;

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the service of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future :

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following :

#### TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Representing Employers :

Sd/-  
(M. N. ROY)

Sd/-  
(A. K. MUKHARJEE)

Representing Workman

Witnesses :

R. T. I. of Chunki,

1. Sd/- Gulam Shah
2. Sd/- Govind Singh

Dated : 22-10-1973

Bikaner.

ANNEXURE II/20

#### FORM 'H'

#### MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsum Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shri Fazal Shah T.N. 2243 S/o Fateh Shah, Jaunsar.  
(in Person)

#### SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) Published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15-10-68 published in the Gazette of India dated 26-10-68 Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur;

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future;

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years;

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following:

#### TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Sd/-

Representing Employers :

(M. N. ROY.)

Sd/-

(A. K. MUKHERJEE)

I.T.I. of Fazal Shah

Representing Workman:

Witnesses :

1. Sd/- Ghulam Shah
2. Sd/- Govind Singh

Dated : 18-10-1973  
Bikaner.

#### ANNEXURE II/21

#### FORM 'H'

#### MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Reperesenting Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
2. Shri A. K. Mukherjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shri Bhoraram T. No. 2123.  
S/o Puran, Junsar. (in Person)

#### SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15/10/68 published in the Gazette of India dated 26/10/68 Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central

Government Industrial Tribunal, Jaipur;

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years;

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future;

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of court which has already dragged for a number of years;

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following.

#### TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claims nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act 1947.

Representing Employers :

Sd/-  
(M. N. ROY)

(A. K. MUKHERJEE)

Representing Workman .

#### LTI of Bhoraram

Witnesses :

1. Sd/- Ghulam Shah
2. Sd/- Govind Singh

Dated : 18-10-73  
Bikaner.

#### ANNEXURE II/22

#### FORM 'H'

#### MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

2. Shri A. K. Mukherjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.  
Representing Workman :

1. Shri Kirat Shah T. No. 2196 S/o Palu Shah, Jaunsar.  
(in Person)

#### SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3 (ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15-10-68 published in the Gazette of India dated 26-10-68 Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur;

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years;

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal;

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future;

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of court which has already dragged for a number of years;

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following :

#### TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claims nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act 1947.

Representing Employers :

Sd/-  
(M. N. ROY)

Sd/-  
(A. K. MUKHERJEE)

Representing Workman

LTI of Kirat Shah

Witnesses :  
1. Sd/- Ghulam Shah  
2. Sd/- Govind Singh  
Dated : 18-10-73  
Bikaner.

#### ANNEXURE II23

#### FORM 'H'

#### MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
2. Shri A. K. Mukherjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shri Ramzan Shah T. No. 2267 S/o Palu Shah, Jaunsar.  
(in Person)

#### SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3 (ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15/10/68 published in the Gazette of India dated 26/10/68 Part II, Section 3 (ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur;

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal;

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future;

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of court which has already dragged for a number of years;

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following :

#### TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claims nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex gratia payment which is in excess of what is due under law,

he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act 1947.

Representing Employers :

Sd/-  
(M. N. Roy)

Sd/-  
(A. K. Mukharjee)

Representing Workman

Witnesses :

1. Sd/- Ghulam Shah
2. Sd/- Govind Singh

Date : 18-10-73

Bikaner

LTI of Ramzan Shah

#### ANNEXURE II 24

#### FORM 'H'

#### MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shrimati Pirojli T. N. 2167 W/o Nabi Bax Jamsar,  
(in Person)

#### SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15/10/68 published in the Gazette of India dated 26/10/68 Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur;

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future;

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of court which has already dragged for a number of years;

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following.

#### TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act 1947.

Representing Employers :

Sd/-  
(M. N. Roy)

Sd/-  
(A. K. Mukharjee)

Representing Workman

Witnesses :

1. Sd/- Ghulam Shah
2. Sd/- Govind Singh

Date : 1-11-73.

Bikaner

LTI of Pirojli

#### ANNEXURE II 25

#### FORM 'H'

#### MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shrimati Aski. T. No. 2156 W/o Rewantia Jamsar.  
(in Person)

#### SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 1-12-67 Part II, Section 3 (ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15/10/68 published in the Gazette of India dated 26/10/68 Part II, Section 3 (ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered at I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following.

#### TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act 1947.

Representing Employers :

Sd/-  
(M. N. Roy)

Sd/-  
(A. K. Mukharjee)

Representing Workman

Witnesses :

1. Sd/- Ghulam Shah
2. Sd/- Govind Singh

Date : 30-10-73 —

Bikaner

RTI of Aski

#### ANNEXURE III

1. Shri Kanti Pd.	J.L.F. . . . .	58.16
2. Shri Shanti Prakash	J.L.F. . . . .	51.36
3. Shri Harjit Singh	J.L.F. . . . .	322.46
4. Shri R.K. Lall Gupta	Asst. . . . .	47.35
5. Shri Radheyshyam	Sampling Asst. . . . .	42.43
6. Shri A.K. Biswas	" . . . . .	43.79
7. Shri Sher Singh	" . . . . .	42.02
8. Shri P.K. Bose	" . . . . .	43.79
9. Shri K.U. Khan	" . . . . .	47.16
10. Shri Ramjeevan	" . . . . .	88.04
11. Shri Jhangir Shah	Peon . . . . .	25.55
12. Shri Moolia	Peon . . . . .	33.41
13. Shri Krishna	Helper . . . . .	21.84
14. Shri Moda	" . . . . .	21.84

15. Shri B.L. Ojha	Assistant . . . . .	535.00
16. Shri Shera	Helper . . . . .	21.84
17. Shri Jamura	Helper . . . . .	72.02
18. Shri Ladoori	Helper . . . . .	72.02
19. Shri Ram Kishan	Driller . . . . .	203.95
20. Smt. Rajki	Helper . . . . .	64.74
21. Smt. Phoski	Helper . . . . .	64.74
22. Shri Raghu Nandan	Attendant . . . . .	220.97
23. Shri Lal Mohd.	" . . . . .	194.66
24. Shri Bulaki	" . . . . .	32.57
25. Shri Gouli	Helper . . . . .	64.74
26. Smt. Sardari W/o Magha	Helper . . . . .	64.74
27. Shri Indar Sain	Shovel Optr. . . . .	377.00
28. Shri Bhurey Khan	Shovel Optr. . . . .	249.63
29. Shri Lal Khan	D-7 Operator . . . . .	245.71
30. Shri Maloo Singh	Driver . . . . .	79.12
31. Shri Faizu	" . . . . .	203.95
32. Shri Hari Singh	" . . . . .	203.95
33. Shri Ahmed Shah	" . . . . .	112.95
34. Shri Jhangir Shah	Fitter . . . . .	112.95
35. Shri Bhanwar Shah	" . . . . .	236.82
36. Shri Kishan Lal	Helper . . . . .	26.18
37. Shri Sarwar Khan	" . . . . .	55.01
38. Shri Nathoo Shah	" . . . . .	55.01
39. Bishan Singh	" . . . . .	55.01
40. Shri Faizu Shah	" . . . . .	55.01
41. Shri Noor Shah	" . . . . .	53.52
42. Shri Mangtoo	Chowkidar . . . . .	55.01
43. Shri Nema Ram	" . . . . .	55.01
44. Shri Rehmat Ali	Helper . . . . .	53.82
45. Shri Narsi Ram	" . . . . .	53.82
46. Shri Gopal Singh	D-7 Operator . . . . .	279.72
47. Shri Chitra Ram	Gen. Operator . . . . .	24.33
48. Smt. Hirki	Helper . . . . .	52.00
49. Shri R.S. Saxena	Assistant . . . . .	245.92
50. Smt. Bhoori	Helper . . . . .	50.17
51. Smt. Miran	" . . . . .	52.00
52. Shri Mohan Singh	Field Asst. . . . .	131.38
53. Shri Farida	Survey Asst. . . . .	31.19
54. Shri Tirluk Ram	Helper . . . . .	12.05
55. Shri Lal Singh	D. Mech. . . . .	263.51
56. Shri Hussain Khan	Helper . . . . .	69.05
57. Shri Kamal Singh	Peon . . . . .	155.26
58. Shri Ramzan	Helper . . . . .	48.36
59. Shri Mohan Lal	Sampling Asst. . . . .	76.04
60. Shri Ganga Ram	Helper . . . . .	5.47
61. Shri Gulab Singh	Sampling Asst. . . . .	20.21
62. Shri Rati Ram	Helper . . . . .	7.30
63. Shri Jetha Ram	Helper . . . . .	7.30
64. Shri B.C. Ganguli	Asst. . . . .	8.17
65. Shri O.P. Bansal	Asst. . . . .	37.06
66. Shri B.S. Thapa	Asst. . . . .	16.84
67. Shri Hazari	Asst. . . . .	21.62
68. Shri Rati Ram	Peon . . . . .	5.90

Note: 1. Amounts to be paid subject to leave taken which period shall not be lay-off period.

2. Errors and omissions excepted.

#### SCHEDULE 'A'

Sl. No.	Name	Father/Husband's Name	T. No.	Ex-Gratia Amount
1	2	3	4	5
				Rs.
1.	Shri Kheta	S/o Amra	2121	490.77
2.	Shri Behra Ram	S/o Puran	2123	490.77
3.	Shri Abdul Shah	S/o Noor Shah	2127	496.26
4.	Shri Kirat Shah	S/o Pallu Shah	2196	496.26

1	2	3	4	5	Rs.	1	2	3	4	5	Rs.
5. Shri Ramzan Shah	S/o Pallu Shah	2267	551.40			17. Smt. Sardhari	W/o Mangala	2145	532.40		
6. Shri Fazal Shah	S/o Fateh Shah	2243	496.26			18. Smt. Dhurki	W/o Jaura	2164	511.64		
7. Shri Luna	S/o Jumme Khan	2248	496.26			19. Shri Ganesh Lal	S/o Shrikishan	2259	316.88		
8. Smt. Tejki	W/o Lichman	2185	516.67			20. Shri Deepa Ram	S/o Akha Ram	3069	212.82		
9. Shri Ramzan	S/o Rahim Bux	2200	551.40			21. Shri Keshri Singh	S/o Ganpat Singh	3081	208.83		
10. Shri Shafi Shah	S/o Miron Shah	2272	51.98			22. Shri Makhan Shah	S/o Gulab Shah	2239	496.26		
11. Smt. Chandki	W/o Ramoo	2139	534.59			23. Smt Anchhi	W/o Amra	2162	514.32		
12. Smt. Dhanl	W/o Uda	2138	540.37			24. Smt. Jethki	W/o Rawat	2183	529.01		
13. Smt. Aski	W/o Rewatia	2156	538.60			25. Shri Dana Ram	S/o Magga	2240	496.26		
14. Smt. Pirojli	W/o Nabi Bux	2167	521.60								
15. Smt. Anki	W/o Jairam	2161	541.55								
16. Smt. Chunki	W/o Ridmal	2144	520.14								

[No. 24/35/67-LRIV]  
S.H.S. Iyer, Section Officer (Spl).